रांची, शनिवार
12.09.2026
वर्ष : 11, अंक : 281, पृष्ठ : 12
मूल्य : दो रूपए

बिहान भारत

रांची से प्रकाशित हिन्दी दैनिक
खबरें हमारी, विश्वास आपका

website : www.bihanbharat.org | bihanbharat@gmail.com | @bihan_bharat | Bihan Bharat | @bihanbharat | RNI NO - JHAHIN/2015/73988

व्यापार बाधाएं बढ़ने के दौर में भारत आर्थिक पुल बना रहा है : प्रधानमंत्री

एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि दुनिया में व्यापार बाधाएं बढ़ने के बीच भारत आर्थिक पुल बना रहा है। उन्होंने कहा कि वैश्विक व्यापार तभी आगे बढ़ सकता है, जब समुद्री मार्ग सुरक्षित हों, आपूर्ति मार्ग खुले रहें और नाविक सुरक्षित हों। भारत नौवहन की स्वतंत्रता और नाविकों की सुरक्षा का दृढ़ समर्थक है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता की थीम ह्यलचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माणह्ल है। भारत ने ऊर्जा से लेकर प्रौद्योगिकी तक आपूर्ति श्रृंखलाओं को अधिक विविध और भरोसेमंद बनाया है। सड़क, रेल, बंदरगाह और हवाई अड्डों के विस्तार के साथ जहाज निर्माण, सेमीकंडक्टर, क्वांटम, महत्वपूर्ण खनिज और जैव प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में नई क्षमताएं विकसित की जा रही हैं।

प्रधानमंत्री ने ब्रिक्स बिजनेस काउंसिल से शीर्ष 10 व्यापार बाधाओं को हटाने के लिए रिपोर्ट तैयार करने, हर वर्ष 100 ब्रिक्स स्टार्टअप को दूसरे ब्रिक्स बाजारों में विस्तार में मदद करने और कारोबारों के बीच 1,000 नई साझेदारियां विकसित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इन लक्ष्यों की हर वर्ष समीक्षा होनी चाहिए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि 2014 के बाद भारत ने करीब 40 देशों के साथ मुक्त व्यापार समझौते किए हैं। ब्रिक्स में भी भारत का दृष्टिकोण व्यापार बाधाओं को कम करना और कारोबार के अवसर बढ़ाना है। भारत की अध्यक्षता में कृषि, स्वास्थ्य, कौशल और स्मार्ट ग्रिड जैसे क्षेत्रों में नए सहयोग नेटवर्क बनाए गए हैं। स्टार्टअप और छोटे एवं मझोले उद्यमों को बाजार तथा वित्त से जोड़ने के लिए ब्रिक्स इनक्यूबेटर नेटवर्क, ब्रिक्स एमएसएमई पोर्टल और ब्रिक्स स्टार्टअप इनोवेशन फंड जैसी पहल की गई हैं।

उन्होंने कहा, ह्लआज दुनिया में होने वाले वास्तविक समय के 50 प्रतिशत भुगतान इसी तकनीक के माध्यम से होते हैं। इस डिजिटल व्यवस्था पर नए समाधान तैयार करने के लिए हमने उद्योग और स्टार्टअप को एक खुला तंत्र उपलब्ध कराया है। हमें गर्व है कि भारत की इस विश्वस्तरीय व्यवस्था को कई देश अपना रहे हैं। ब्रिक्स देशों के नवोन्मेषक भी इस अनुभव के आधार पर अपने देशों के लिए नए समाधान तैयार कर सकते हैं।ह्व

ब्रिक्स बिजनेस फोरम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि 2006 में चार देशों से शुरू हुआ ब्रिक्स आज सदस्य और साझेदार देशों को मिलाकर 21 देशों का परिवार बन चुका है। ब्रिक्स देश दुनिया की करीब 50 प्रतिशत आबादी, 40 प्रतिशत सकल घरेलू उत्पाद और 25 प्रतिशत से अधिक व्यापार का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने कहा कि पिछले वर्षों में वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद जहां करीब ढाई गुना बढ़ा, वहीं ब्रिक्स देशों की संयुक्त अर्थव्यवस्था करीब साढ़े चार गुना बढ़ी है।

उन्होंने कहा, ह्लब्रिक्स महिला व्यवसाय गठबंधन भी हमारे दृष्टिकोण का महत्वपूर्ण हिस्सा है। हम चाहते हैं कि महिला उद्यमी हमारी विकास यात्रा का नेतृत्व करें। हमें खुशी है कि भारत में आयोजित इस गठबंधन की बैठक में करीब 200 महिला कारोबारी नेताओं ने भाग लिया।ह्व

उन्होंने कहा कि भारत में दो लाख से अधिक स्टार्टअप और 120 से अधिक यूनिकॉर्न हैं। भारतीय स्टार्टअप कृत्रिम बुद्धिमत्ता, शिक्षा, स्वास्थ्य, हरित हाइड्रोजन, बैटरी, रक्षा और अंतरिक्ष जैसे क्षेत्रों में काम कर रहे हैं। भारत के एकीकृत भुगतान इंटरफेस का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि दुनिया के 50 प्रतिशत वास्तविक समय के भुगतान इसी तकनीक पर होते हैं।

उल्लेखनीय है कि भारत इस वर्ष ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है और उसकी अध्यक्षता की प्राथमिकताओं में आर्थिक सहयोग, नवाचार, व्यापार तथा वैश्विक स्तर पर सामूहिक समाधान को बढ़ावा देना शामिल है।

ब्रिक्स ने जी-7 को पीछे छोड़ा, वैश्विक आर्थिक वृद्धि में भी बढ़ी हिस्सेदारी: पुतिन

नई दिल्ली। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ब्रिक्स और जी-7 के बीच आर्थिक प्रदर्शन की तुलना करते हुए शुक्रवार को कहा कि पिछले पांच वर्षों में विश्व के सकल घरेलू उत्पाद में ब्रिक्स देशों की हिस्सेदारी 40 प्रतिशत से अधिक रही, जबकि जी-7 की हिस्सेदारी 29 प्रतिशत रही। इसी अवधि में वैश्विक आर्थिक वृद्धि में ब्रिक्स का योगदान आधे से अधिक रहा।

ब्रिक्स बिजनेस फोरम में पुतिन ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा कई बार प्रतिबंधों, परिवहन मार्गों में बाधा और अन्य दबावों का रूप ले रही है। इसके बावजूद ब्रिक्स देशों के बीच व्यावसायिक सहयोग और निवेश वैश्विक आर्थिक संबंधों को अधिक मजबूत और लचीला बनाने में मदद कर सकता है। उन्होंने कहा कि दुनिया में आर्थिक वृद्धि के पुराने केंद्रों की जगह नए विकास केंद्र ले रहे हैं। इसका प्रमुख कारण ब्रिक्स देशों की बड़ी आबादी और उनके गतिशील घरेलू बाजार हैं।

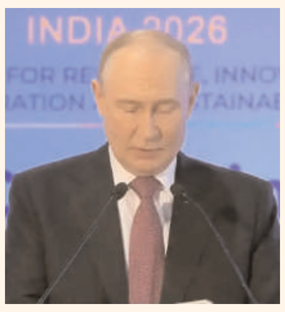

पुतिन ने कहा कि रूस पर 30 हजार से अधिक प्रतिबंध लगाए गए हैं। यह दुनिया के अन्य सभी देशों पर लगाए गए प्रतिबंधों की कुल संख्या से करीब दोगुने हैं। इसके बावजूद रूस ने अपनी राष्ट्रीय संप्रभुता को मजबूत किया और विश्वसनीय साझेदारों के साथ आर्थिक संबंध बढ़ाए। पिछले तीन वर्षों में रूस की आर्थिक वृद्धि विश्व औसत से अधिक रही। रूसी राष्ट्रपति के अनुसार, 2023-24 में रूस की अर्थव्यवस्था में 10.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई और बेरोजगारी दर घटकर रिकॉर्ड 2.3 प्रतिशत रह गई। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, स्वायत्त प्रणालियों, डिजिटल मंचों और आधुनिक वित्तीय साधनों जैसे क्षेत्रों में तकनीकी बदलावों का भी उल्लेख किया। इनमें रूसी घरेलू तकनीक के साथ ब्रिक्स साझेदारों के समाधान भी शामिल हैं।

संक्षिप्त खबरें

जूनियर पुरुष एशिया कप : मलेशिया को 3-1 से हराकर लगातार चौथी बार फाइनल में पहुंचा भारत

मोक्वी/चीन। गत चैंपियन भारत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मलेशिया को 3-1 से हराकर एएचएफ जूनियर पुरुष एशिया कप 2026 के फाइनल में प्रवेश कर लिया। भारत अब लगातार चौथी बार खिताब जीतने से सिर्फ एक जीत दूर है। भारत की जीत में कप्तान और ड्रैग फ्लिकर अनमोल एक्का ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने पेनल्टी कॉर्नर पर दो गोल किए और टूनार्मेंट में अपने गोलों की संख्या 16 तक पहुंचा दी। अनमोल फिलहाल टूनार्मेंट के शीर्ष स्कोरर हैं। गोलकीपर विवेक लाकड़ा भी भारत की जीत के नायक रहे। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। उन्होंने कई शानदार बचाव किए और 53वें मिनट में मलेशिया को मिले पेनल्टी स्ट्रोक को भी बेहतरीन अंदाज में रोककर भारत की बढ़त कायम रखी।

मोदी ने पुतिन को भेंट किया तिरुक्कुरल का रूसी अनुवाद

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ द्विपक्षीय वार्ता के दौरान उन्हें महान तमिल कवि, दार्शनिक एवं संत तिरुवल्लुवर की अमर कृति ह्यतिरुक्कुरलह्ल का रूसी अनुवाद भेंट किया। मोदी ने कहा कि यह पुस्तक महान तिरुवल्लुवर के शाश्वत ज्ञान परंपरा को भाषा और भौगोलिक सीमाओं के पार पहुंचाती है। भारत मंडपम में हुई मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने गर्मजोशी से एक-दूसरे का अभिवादन किया और विभिन्न द्विपक्षीय एवं साझा हितों से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। प्रधानमंत्री ने बाद में सोशल मीडिया मंच एक्स पर बैठक का वीडियो साझा करते हुए तिरुक्कुरल के रूसी अनुवाद को पुतिन को भेंट किए जाने की जानकारी दी। मोदी ने कहा, राष्ट्रपति पुतिन को तिरुक्कुरल का रूसी अनुवाद भेंट किया, जो महान तिरुवल्लुवर के शाश्वत ज्ञान को भाषा और भौगोलिक सीमाओं से परे पहुंचाता है।

महाराष्ट्र के भंडारा में ट्रक- बोलेरो की टक्कर में 9 लोगों की मौत, 9 घायल

एजेंसी

मुंबई। महाराष्ट्र के भंडारा जिले के लाखनी तहसील में पिंपलगांव के पास नागपुर-रायपुर हाइवे पर आज सुबह ट्रक और बोलेरो के बीच हुई टक्कर में नौ लोगों की मौत हो गई, जबकि नौ अन्य घायल हो गए। हाइवे पुलिस के मुताबिक घायलों को भंडारा स्थित सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल भेजा गया। वहां से गंभीर रूप से घायलों को नागपुर रेफर किया गया है।

एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि छत्तीसगढ़ की कुछ महिलाएं और अन्य मजदूर बोलेरो से नागपुर की ओर जा रहे थे। लाखनी के पास पिंपलगांव इलाके में पेट्रोल पंप और भाऊचा ढाबा के नजदीक हाइवे के किनारे खड़े ट्रक से अचानक बोलेरो टकरा गई । इस घटना में आठ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक घायल ने अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मृतकों में छह महिलाएं और तीन बच्चे शामिल हैं ।

इस घटना में घायल नौ लोगों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया। घटना की सूचना मिलते ही गड़ेगांव स्थित हाइवे पुलिस रिलीफ सेंटर के प्रमुख रवींद्र रेवतकर अपने सहयोगियों और भंडारा पुलिस अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे। स्थानीय ग्रामीणों की मदद से पुलिस और बचाव दल ने दुर्घटनाग्रस्त वाहन में फंसे लोगों को बाहर निकाला और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। पीड़ितों की पहचान की जा रही है।

प्रधानमंत्री ने नांदेड सड़क हादसे पर जताया दुख, मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये की सहायता

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को महाराष्ट्र के नांदेड में हुए सड़क हादसे में लोगों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों और घायलों के लिए अनुग्रह राशि की घोषणा की है। प्रधानमंत्री ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से प्रत्येक मृतक के निकटतम परिजन को दो लाख रुपये और प्रत्येक घायल को 50 हजार रुपये देने की घोषणा की है। प्रधानमंत्री ने हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि दुख की इस घड़ी में उनकी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, ह्यह्यमहाराष्ट्र के नांदेड में हुए हादसे में लोगों की मौत से दुखी हूं। इस दुख की घड़ी में मेरी संवेदनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने भी नांदेड में हुए सड़क हादसे में लोगों की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना जताते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने हादसे पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने मृतकों के परिवारों के प्रति संवेदना जताते हुए घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की और इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना से प्रभावित सभी लोगों को दुख सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की।

कांगो में लगी आग में 27 बच्चों की मौत, दो स्कूल, 300 घर राख

एजेंसी

किंशासा (कांगो) । अफ्रीकी देश कांगो के पूर्वी हिस्से में स्थित बुकावु शहर में लगी आग में कम से कम 27 बच्चों (19 लड़कियां और 8 लड़के) की मौत हो गई । आग में 300 घर और दो स्कूल राख हो गए। सुद-किवु प्रांत की राजधानी बुकावु पर रवांडा की सेना और उसके एम23 मिलिशिया का कब्जा है। कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य की आधिकारिक सरकारी समाचार एजेंसी 'एजेंस कांगोलीज डी प्रेसे (एसीपी)' की 10 सितंबर को प्रसारित रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

एसीपी ने कहा कि अस्पताल और स्कूल के सूत्रों से मिली शुरूआती जानकारी के अनुसार, 29 लोग घायल भी हुए हैं। इनमें से 17 का इलाज कदुतु जनरल हॉस्पिटल में और 12 का कदुतु प्रोविंशियल जनरल रेफरल हॉस्पिटल में चल रहा है। स्कूल के सूत्रों के अनुसार,

300 से ज्यादा घरों में आग लगा दी गई। दो स्कूल - बागीरा कम्यून में ईपी मोसाला और कदुतु कम्यून में ईपी नोंगों भी प्रभावित हुए हैं। आग कैसे लगी, इसके सही कारणों का तुरंत पता नहीं चल सका।

सूत्रों ने बताया कि आग तीन सड़कों - काशेके, लुगुलु और एलिला तक फैल गई है। मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। एक स्थानीय निवासी ने कहा, हमें नहीं पता कि बुकावु में क्या हो रहा है। एक महीने के अंदर आग लगने की 18 घटनाओं में 50 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। हमें सरकार की मदद की जरूरत है। स्कूल का नया सत्र शुरू हो रहा है। ऐसे में हमें नहीं पता कि हम बच्चों के साथ रात कहां बिताएंगे।

देशभर में बैंक कर्मचारियों की हड़ताल, पांच दिवसीय कार्य सप्ताह की मांग

एजेंसी

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में शुक्रवार को देशव्यापी हड़ताल से बैंकिंग सेवाएं प्रभावित हुई हैं। पांच दिवसीय कार्य सप्ताह और अन्य वेतन संबंधी मुद्दों को लेकर कर्मचारियों ने विरोध-प्रदर्शन किया, जिससे ग्राहकों को परेशानी हुई। हालांकि, निजी क्षेत्र के बैंकों के कामकाज पर हड़ताल का असर नहीं पड़ा है। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन (यूएफबीयू) के एक दिवसीय हड़ताल के आह्वान का निजी क्षेत्र के बैंकों के कामकाज पर असर नहीं पड़ा है।यूपीआई और इंटरनेट बैंकिंग सहित डिजिटल बैंकिंग सेवाएं सामान्य रूप से चलती रहीं। स्टेट बैंक, पीएनबी और यूनियन बैंक सहित देशभर के सरकारी और कुछ निजी बैंक आज से लगातार तीन दिन बंद रहेंगे। यूएफबीयू ने पांच दिवसीय कार्य सप्ताह तत्काल लागू करने और वेतन संबंधी 2 साल से लंबित मुद्दों के समाधान की मांग को लेकर देशव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है। इस बीच, सार्वजनिक क्षेत्र के अधिकतर बैंकों ने अपने ग्राहकों को हड़ताल से कामकाज पर पड़ने वाले संभावित असर की जानकारी दी है।

देशभर में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की अधिकतर शाखाएं पूरी तरह या आंशिक रूप से बंद रहीं, क्योंकि अधिकांश कर्मचारियों और अधिकारियों ने इस हड़ताल में हिस्सा लिया। इस हड़ताल से ज्यादातर बैंकों (पीएसबी) और कुछ पुराने निजी क्षेत्र के बैंकों की शाखाओं में नकद जमा, निकासी, चेक निपटान और प्रशासनिक कामकाज जैसी सेवाएं प्रभावित हुईं। एसबीआई ने ग्राहकों को जारी एक परामर्श में कहा कि बैंक ने हड़ताल के दिनों में शाखाओं और कार्यालयों का सामान्य कामकाज को सुनिश्चित करने के लिए सभी जरूरी व्यवस्थाएं की हैं, लेकिन हड़ताल के कारण बैंकों का कामकाज प्रभावित होने की आशंका है।

बैंक यूनियन सभी शनिवार को अवकाश घोषित करने की मांग कर रही हैं। यह एक प्रमुख मांग है, जिस पर मार्च, 2024 में भारतीय बैंक संघ (आईबीए) के साथ हुए 12वें द्विपक्षीय समझौते में कथित तौर पर सहमति बनी थी, लेकिन इस संबंध में सरकार की अधिसूचना अभी जारी नहीं हुई है। फिलहाल बैंक महीने के पहले, तीसरे और पांचवें शनिवार को खुले रहते हैं। इसके अलावा पेंशन में संशोधन एवं सुधार, सभी पेंशनभोगियों के लिए महंगाई भत्ते के एक समान सूत्र तथा राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) के तहत आने वाले कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) में जाने का विकल्प देने समेत अन्य लंबित मांगों का भी समाधान नहीं हुआ है। बैंकों में पांच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू करने और अन्य लंबित मांगों को लेकर देशव्यापी हड़ताल के कारण मध्यप्रदेश में लगभग 7 हजार शाखाओं में काम ठप रहा, जिससे करीब 5,500 करोड़ रुपये का दैनिक कारोबार प्रभावित हुआ।

आईआरसीटीसी का नया कीर्तिमान: एक दिन में बुक हुए रिकॉर्ड 20 लाख से अधिक ई-टिकट

एजेंसी

नई दिल्ली : रेलवे ने ई टिकट बुकिंग के मामले में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह रिकॉर्ड सात सितंबर को दर्ज किया गया। इस दिन भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) के माध्यम से त्योहारों के मौसम में अग्रिम आरक्षण अवधि (एआरपी) के तहत 20,06,353 टिकट बुक किये गये और इसी के साथ ही एआरपी के तहत अब तक एक दिन में सर्वाधिक टिकट बुक करने का कीर्तिमान बन गया। गत वर्ष त्योहारों के मौसम में 19 अगस्त को एक दिन में सबसे अधिक 18,40,203 टिकट बुक किए गए थे। आठ सितंबर 2026 को भी 19,50,699 टिकट बुक किए गए।

रेलवे ने कहा कि उसने टिकट बुकिंग प्रणाली को बेहतर बनाने के लिए कई कदम उठाये हैं और इस दिशा में लगातार काम चल रहा है। इसी क्रम में 15 जुलाई से नयी यूजर इंटरफेस (यूआई) का बीटा संस्करण शुरू किया गया। रेलवे के मुताबिक मौजूदा समय में कुल आरक्षित टिकटों में से करीब 89 प्रतिशत टिकट ऑनलाइन माध्यम से बुक किए जा रहे हैं। अगली पीढ़ी की ई-टिकटिंग (एनजीईटी) की मजबूत बुकिंग प्रणाली एक साथ बड़ी संख्या में टिकटों की बुकिंग को संभाल रही है।

मौजूदा समय में दिन की कुल बुकिंग में से केवल 8.43 से 14.14 प्रतिशत बुकिंग पहले घंटे यानी सुबह आठ बजे से नौ बजे के बीच पूरी होती है और 85 प्रतिशत से अधिक बुकिंग दिन में बाद में पूरी की जाती है। पहले 15 मिनट यानी सुबह आठ बजे से 8:15 बजे के बीच लगातार सबसे अधिक संख्या में टिकट बुक किए जाते हैं। इससे इस अवधि में एक साथ टिकट बुक करने की सबसे अधिक मांग का पता चलता है।

रेलवे ने कहा है कि एनजीईटी रिफ्रेश और यूआई जैसे बदलावों के बाद यात्रियों के लिए जानकारी को अधिक व्यवस्थित और आसानी से समझ में आने वाले तरीके से प्रस्तुत किया गया है, जिससे उन्हें टिकट बुकिंग की पूरी प्रक्रिया में आसानी होती है। नए इंटरफेस में स्लीपर, एसी 3 टियर और एसी 2 टियर जैसी अलग-अलग यात्रा श्रेणियों में सीट उपलब्धता की जानकारी एक ही स्क्रीन पर दी जाती है। इससे यात्री विभिन्न विकल्पों की तुलना कर सकते हैं, बार-बार अलग-अलग पेज पर जाने की जरूरत कम होती है और वे तेजी से सही निर्णय ले सकते हैं।

सहकारिता क्षेत्र को आधुनिक तकनीक से जोड़ना जरूरी : मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की

बिभा संवाददाता

रांची। कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने शुक्रवार को नेपाल हाउस स्थित सभागार में सहकारिता प्रभाग की उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की।

बैठक में विभाग के सचिव, विशेष सचिव, निबंधक, सहयोग समितियां और सभी एपेक्स सोसाइटी के प्रबंध निदेशक उपस्थित थे। इनमें झास्कोलैम्प्स, झमकोफेड, सिद्धकोफेड, झास्कोफिश एवं झारखंड मिल्क फेडरेशन के एमडी शामिल थे।

बैठक में विभाग के बजटीय प्रावधानों और व्यय की प्रगति, संचालित योजनाओं की स्थिति, बेहतर प्रदर्शन कर रही योजनाओं एवं चालू वित्तीय वर्ष में शुरू की गई नई योजनाओं की कार्य प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।

मंत्री ने अधिकारियों से योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही चुनौतियों, कमियों और सुधार की संभावनाओं की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल योजनाओं का बजट खर्च करना नहीं, बल्कि ऐसी योजनाएं जमीन पर उतारना है, जिनका सीधा और स्थायी लाभ किसानों, उत्पादकों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिले। इसके लिए योजनाओं की नियमित समीक्षा और समयबद्ध क्रियान्वयन जरूरी है।

मंत्री ने कहा कि चालू वित्तीय वर्ष के बजट में सरकार ने हर विधानसभा क्षेत्र में कोल्ड स्टोरेज-कम-मार्केटिंग सेंटर स्थापित करने की महत्वपूर्ण योजना ली है। इसके लिए डीपीआर तैयार कराने की प्रक्रिया चल रही है, लेकिन अब तक प्राप्त डीपीआर से विभाग पूरी तरह संतुष्ट नहीं है।

उन्होंने विभाग को निर्देश दिया कि देशभर में बेहतर लॉजिस्टिक और कोल्ड-चेन सिस्टम विकसित करने वाली अग्रणी कंपनियों को भी कंसल्टेंसी के लिए आमंत्रित किया जाए और उनके तकनीकी सुझाव लिए जाएं, ताकि परियोजना को भविष्य की जरूरतों और आधुनिक तकनीक के अनुरूप तैयार किया जा सके।

मंत्री ने कहा कि राज्य के लगभग 20 जिलों में 5,000 मीट्रिक टन क्षमता वाले कोल्ड स्टोरेज बनाए गए हैं, उन्होंने कहा कि कोल्ड स्टोरेज-कम-मार्केटिंग सेंटर सरकार की एक बड़ी और दीर्घकालिक परियोजना है, जिसमें बड़ी राशि का निवेश होना है। इसलिए इसकी योजना और तकनीकी संरचना ऐसी होनी चाहिए, जिसमें आधुनिक तकनीक, ऊर्जा दक्षता, बेहतर लॉजिस्टिक्स, मार्केटिंग एवं भविष्य की आवश्यकताओं को शुरूआत से ही शामिल किया जाए।

बैठक में सिद्धकोफेड की ओर से प्रधानमंत्री पोषण योजना के तहत सरकारी विद्यालयों में मध्याह्न भोजन के लिए रागी (मड़ुवा) के आटे की आपूर्ति से संबंधित प्रस्ताव की भी समीक्षा की गई।

फिलहाल पायलट प्रोजेक्ट के तहत रांची, खूंटी और सरायकेला-खरसावां जिलों को शामिल किया गया है। इस संबंध में शिक्षा विभाग के साथ आवश्यक पत्राचार किया गया है। मंत्री ने कहा कि यह पहल दोहरे उद्देश्य को पूरा करेगी। एक ओर स्थानीय किसानों के उत्पाद मड़ुवा को सुनिश्चित बाजार मिलेगा, वहीं दूसरी ओर स्कूली बच्चों को पौष्टिक आहार उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। स्थानीय कृषि उत्पादों को सरकारी योजनाओं से जोड़कर किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में इस मॉडल को आगे विस्तारित किया जा सकता है।

बैंककर्मियों की राष्ट्रव्यापी हड़ताल, जमशेदपुर में भी ठप रहा बैंकिंग कामकाज

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था लागू करने समेत विभिन्न लंबित मांगों को लेकर यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) के राष्ट्रव्यापी आह्वान पर शुक्रवार को जमशेदपुर सहित पूर्वी सिंहभूम जिले के बैंकों में कामकाज पूरी तरह प्रभावित रहा। बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों ने बिष्टुपुर स्थित पंजाब नेशनल बैंक की मुख्य शाखा तथा कचहरी चौक के समीप भारतीय स्टेट बैंक के आंचलिक कार्यालय के बाहर प्रदर्शन कर केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और अपनी मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद की।

हड़ताल के कारण जमशेदपुर के प्रमुख व्यापारिक और औद्योगिक क्षेत्रों में बैंकिंग लेन-देन पर व्यापक असर पड़ा। भारतीय स्टेट बैंक, पंजाब नेशनल बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, केनरा बैंक और बैंक ऑफ इंडिया समेत विभिन्न राष्ट्रीयकृत बैंकों की शाखाओं में काउंटर सेवाएं बंद रहीं। नकद जमा और निकासी, चेक निपटान, बैंक ड्राफ्ट बनाने तथा पासबुक अद्यतन जैसी सेवाएं प्रभावित हुईं। हालांकि डिजिटल बैंकिंग, यूपीआई और अधिकांश एटीएम सेवाएं सामान्य रूप से चलती रहीं। इसके बावजूद नकदी निकासी बढ़ने से सप्ताहांत के दौरान कुछ एटीएम में नकदी की कमी होने की आशंका जताई जा रही है।

बैंक यूनियन नेताओं के अनुसार पांच दिवसीय कार्य सप्ताह लागू करने की मांग को लेकर पहले ही द्विपक्षीय समझौता हो चुका है, लेकिन केंद्र सरकार की ओर से इस पर अब तक निर्णय नहीं लिया गया है। इसके अलावा प्रदर्शन आधारित प्रोत्साहन योजना में व्याप्त विसंगतियों को दूर करने सहित अन्य लंबित मांगों को भी तत्काल पूरा करने की मांग की जा रही है।

हड़ताल के बाद शनिवार को महीने का दूसरा शनिवार और रविवार को साप्ताहिक अवकाश होने के कारण कोल्हान में बैंकिंग सेवाएं लगातार 72 घंटे प्रभावित रहने की संभावना है। यूएफबीयू नेताओं ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा। निर्धारित कार्यक्रम के तहत 28, 29 और 30 सितंबर को तीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी बैंक हड़ताल की जाएगी। इसके बाद भी समाधान नहीं होने पर 26 अक्टूबर से देशभर के बैंक कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की चेतावनी दे चुके हैं।

रांची में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम, 70 मामलों का निपटारा

रांची। जिले के विभिन्न थाना और ओपी में शुक्रवार को जन शिकायत समाधान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधिकारियों ने आम लोगों से मुलाकात कर उनकी शिकायतें सुनीं और कई मामलों का तत्काल निपटारा किया। वरीय पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) राकेश रंजन के निर्देश पर नगर एसपी पारस राणा, ग्रामीण एसपी गौरव गोस्वामी, यातायात एसपी राकेश सिंह, सभी डीएसपी और थाना प्रभारियों ने अपने-अपने निर्धारित थाना क्षेत्रों में मौजूद रहकर लोगों की शिकायतें सुनीं। पुलिस के अनुसार, जिले के अलग-अलग थानों में करीब 110 शिकायत और आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 70 मामलों का त्वरित कार्रवाई करते हुए उसी दिन निपटारा कर दिया गया।

संक्षिप्त खबरें

जमशेदपुर सांसद विद्युत वरण महतो को लगातार पांचवीं बार मिला संसद रत्न सम्मान

जमशेदपुर/नई दिल्ली (बिभा)। जमशेदपुर के सांसद विद्युत वरण महतो को उनके संसदीय कार्यों और सदन में प्रभावी योगदान के लिए प्रतिष्ठित संसद रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया। नई दिल्ली में आयोजित समारोह में उन्हें यह सम्मान लगातार पांचवीं बार प्रदान किया गया। सांसद विद्युत वरण महतो को यह उपलब्धि संसदीय कार्यों में सक्रिय भागीदारी, जनहित से जुड़े मुद्दों को सदन में उठाने और क्षेत्र की समस्याओं को प्रभावी ढंग से रखने के लिए मिली है। लगातार पांचवीं बार संसद रत्न पुरस्कार प्राप्त करना उनके संसदीय प्रदर्शन की महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। इस सम्मान के बाद जमशेदपुर के राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में सांसद को बधाई देने वालों का सिलसिला जारी है। समर्थकों और शुभचिंतकों ने इसे जमशेदपुर के लिए भी गौरव का विषय बताया है।

रानीखटंगा में युवाओं की पहल, श्रमदान से 600 मीटर सड़क का मोरमीकरण

इटकी(बिभा) : प्रखंड क्षेत्र के रानीखटंगा गांव में युवाओं ने आपसी सहयोग और श्रमदान की मिसाल पेश करते हुए मेन रोड से बाड़ी मस्जिद तक करीब 600 मीटर सड़क का मोरमीकरण कराया। सड़क की बदहाल स्थिति को देखते हुए गांव के युवाओं ने स्वयं आगे बढ़कर श्रमदान किया और आवागमन को सुगम बनाने का प्रयास किया। इस कार्य में गांव के नवाजवानों के साथ गांव के सदर अजहर अंसारी, सेक्रेटरी इमरोज अंसारी, अब्दुल कुद्दूस, अतिकूल अंसारी, फजले अंसारी, सरबूल अंसारी और सफी नजर का अहम योगदान रहा। ग्रामीणों ने युवाओं की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि सामूहिक प्रयास से गांव की समस्याओं का समाधान किया जा सकता है। युवाओं के इस प्रयास से मेन रोड से बाड़ी मस्जिद तक आने-जाने वाले ग्रामीणों को काफी राहत मिलने की उम्मीद है।

पांच महीने पहले हुई थी प्रेम विवाह, विवाद के बाद नवविवाहिता ने फांसी लगाकर दी जान

जमशेदपुर(बिभा)। बिरसानगर थाना क्षेत्र के जोन नंबर-1 में एक नवविवाहिता ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद पुलिस ने शुक्रवार को शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मृतका की पहचान तनुश्री दास के रूप में हुई है। उसकी शादी करीब पांच महीने पहले हुई थी और वह अपने पति के साथ बिरसानगर में रह रही थी। मिली जानकारी के अनुसार, बुधवार को पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ था। विवाद के बाद तनुश्री तनाव में आ गई और उसने फांसी लगा ली। घटना की जानकारी मिलने पर पति ने उसे फंदे से नीचे उतारा और तत्काल इलाज के लिए टाटा मोटर्स अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल में इलाज के दौरान गुरुवार देर रात उसकी मौत हो गई। इसके बाद घटना की सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम कराया और मामले की जांच शुरू कर दी है। तनुश्री के पति ने पुलिस को बताया कि दोनों के बीच लंबे समय से प्रेम संबंध था और करीब पांच महीने पहले ही उन्होंने प्रेम विवाह किया था। शादी के बाद दोनों बिरसानगर में साथ रह रहे थे।

बोलेरो की टक्कर से बाइक सवार दो घायल, बोलेरो फरार

सिल्ली(बिभा): बांसारुली गांव निवासी चंदन मांझी (25 वर्ष) और दुखनी देवी (29 वर्ष) बाइक से प्रखंड मुख्यालय सिल्ली आ रहे थे। इसी दौरान मुरी टुंगरी के समीप तेज रफ्तार से आ रही बोलेरो ने उनकी बाइक को सीधी टक्कर मार दी और मौके से फरार हो गई। हादसे में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय ग्रामीणों ने इसकी सूचना मुरी ओपी को दी। सूचना मिलते ही मुरी ओपी की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए सिंगपुर नर्सिंग होम ले गई, जहां डॉ. रमनेश प्रसाद द्वारा उनका उपचार किया जा रहा है।

आजादनगर पुलिस ने गांजा तस्करी का किया भंडाफोड़, 3.680 किलो गांजा के साथ दो गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर। आजादनगर पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ गांजा की खरीद-बिक्री के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 3.680 किलोग्राम गांजा की 1,299 पुड़िया, 6,590 रुपये नकद, एक कीपैड मोबाइल, गांजा बिक्री की रकम प्राप्त करने के लिए दो क्यूआर कोड तथा पैकिंग में इस्तेमाल होने वाली प्लास्टिक सामग्री समेत अन्य सामान बरामद किया है। शुक्रवार को सीटी एसपी ललित मीणा ने प्रेस कांफ्रेंस में कार्रवाई की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वरीय पुलिस अधीक्षक पूर्वी सिंहभूम डॉ. ऐहतेशाम वकारिब को मिली गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस उपाधीक्षक पटमदा दयानंद कुमार के नेतृत्व में विशेष छापामारी दल का गठन किया गया था। टीम ने 10 सितंबर को आजादनगर थाना क्षेत्र के वारिश कॉलोनी, बेहरा बगान रोड नंबर-4 स्थित एक मकान में छापेमारी की। तलाशी के दौरान बिनीता तिर्की के घर से बड़ी मात्रा में गांजा बरामद हुआ। पुलिस के अनुसार, मकान का इस्तेमाल गांजा को छोटी-छोटी पुड़ियों में पैक करने और उसकी बिक्री से जुड़ी गतिविधियों के लिए किया जा रहा था।

मौके से बिनीता तिर्की, उम्र 59 वर्ष, निवासी वारिश कॉलोनी रोड नंबर-4, बेहरा बगान और उसके सहयोगी अब्दुल शकील, उम्र 69 वर्ष, निवासी ग्रीन वेली रोड नंबर-17, हुसैनी मोहल्ला को गिरफ्तार किया गया। पुलिस की पूछताछ में अब्दुल शकील ने गांजा बुंडू, रांची निवासी धोनी नामक व्यक्ति से मिलने की बात बताई। पुलिस के अनुसार बिनीता और अब्दुल शकील गांजा को आजादनगर, कपाली और मानगो के आसपास के इलाकों में बेचते थे। हालांकि धोनी की संलिप्तता की पुलिस अभी जांच कर रही है। आजादनगर थाना में कांड संख्या 73/26, दिनांक 10 सितंबर 2026 को एनडीपीएस एक्ट की धारा 20(बी)(ii)(बी)/29 के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। दोनों गिरफ्तार आरोपियों को जेल भेजा दिया गया। छापामारी दल में पुलिस उपाधीक्षक पटमदा दयानंद कुमार, आजादनगर थाना प्रभारी चंदन कुमार, महिला पुलिस अवर निरीक्षक कविता तथा पुलिस अवर निरीक्षक मनीष कुमार राय, दीपक कुमार ठाकुर, पवन कुमार और जफर अंसारी समेत सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

न्यूवोको कंपनी के गेट के सामने जलजमाव को लेकर आजसू ने प्रबंधन को सौंपा ज्ञापन

बिभा संवाददाता

जमशेदपुरः पूर्वी सिंहभूम जिला समिति द्वारा जोजोबेड़ा स्थित न्यूवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड के महाप्रबंधक को जनहित से जुड़े विभिन्न समस्याओं के समाधान को लेकर आजसू के जिला कार्यकारी अध्यक्ष संजय मालाकार के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा गया। आवेदन के माध्यम से बताया गया है कि न्यूवोको विस्टास के मेन गेट से लेकर जेम्को की ओर जाने वाले रास्ते में गंदगी का अंबार लगा है , मेन गेट के सामने बारिश के पानी के जल जमाव से राहगीरों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जलजमाव के कारण आए दिन दुर्घनाएं घटित हो रही है। उधर सड़क के दोनों तरफ कंपनी के माल ढुलाई में लिप्त भारी वाहनों के पार्किंग के चलते यातायात प्रभावित रहती है तथा दुर्घटनाएं घटित होती है। ज्ञापन के माध्यम से कंपनी प्रबंधन का ध्यान कंपनी द्वारा छोड़े जाने वाले अवशिष्ट एवं गंदे जल के कारण बारीगोड़ा , बामनगोड़ा, राहरगोड़ा , गदड़ा नाले एवं पुलिया में पानी जमा रहने की समस्या की भी आकृष्ट कराया गया। पार्टी ने प्रबंधन को 10 दिनों के अंदर आवश्यक कार्रवाई कर समस्याओं का समाधान करने का आग्रह किया है। साथ ही चेतावनी दी है कि निर्धारित अवधि में समस्या का समाधान नहीं होने पर आजसू पार्टी जनहित में प्रबंधन के खिलाफ आवाज और बुलंद करेगी। इस दौरान आजसू के वरीय उपाध्यक्ष संजय सिंह, जिला अध्यक्ष ओबीसी मोर्चा प्रकाश विश्वकर्मा, जिला अध्यक्ष एससी मोर्चा बबलू करुवा, जिला सोशल मीडिया प्रभारी शैलेन्द्र सिन्हा, संतोष सिंह, अरूप मल्लिक, उपेंद्र सिंह कुशवाहा, मंजू राज, सावित्री यादव, मनोज महतो, संजय सामंत, सौरभ सिंह, सुधीर सिंह, भूषण भगत, मनोज चौरसिया, जगन प्रजापति, निलेश मालाकार, रवींद्र भगत, सतेंद्र यादव समेत अन्य लोग मौजूद थे।

बेड़ो व नरकोपी थाना में जन शिकायत समाधान शिविर, ग्रामीणों की समस्याओं का हुआ समाधान

बिभा संवाददाता

बेड़ो। वरीय पुलिस अधीक्षक, रांची के निदेर्शानुसार आम लोगों की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शुक्रवार को बेड़ो थाना परिसर एवं नरकोपी थाना परिसर में जन शिकायत समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पुलिस पदाधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याओं और शिकायतों को गंभीरता से सुना तथा संबंधित मामलों में आवश्यक कार्रवाई की। बेड़ो थाना में आयोजित शिविर के दौरान कुल दो आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें दोनों मामलों का निष्पादन किया गया। थाना प्रभारी मो. कफिल अहमद ने ग्रामीणों की शिकायतें सुनीं और संबंधित मामलों में आवश्यक कार्रवाई की।

वहीं, नरकोपी थाना में एक आवेदन प्राप्त हुआ। थाना प्रभारी शैलेन्द्र कुमार टुडू ने शिकायतकर्ता की समस्या सुनते हुए मामले में आवश्यक कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की। इसके अलावा अन्य मामलों से संबंधित शिकायतों पर भी सुनवाई की गई। पुलिस पदाधिकारियों ने कहा कि जन शिकायत समाधान शिविर का उद्देश्य आम नागरिकों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए सरल एवं सुलभ मंच उपलब्ध कराना है। उन्होंने लोगों से भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट, सड़क दुर्घटना अथवा अन्य शिकायतों को लेकर बिना किसी संकोच के थाना पहुंचने की अपील की।

शिविर में पूर्व मुखिया बुधराम बड़ा, एसआई शौकत अली, राम नागिना, मुखिया प्रतिनिधि सहित थाना के अन्य पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।

रांची में भर्ती सुधार यात्रा का समापन, बोले देवेंद्र- आंदोलन नहीं हुआ खत्म

बिभा संवाददाता

रांची। जेपीएससी और जेएसएससी कर्मचारी चयन आयोग की नियुक्ति प्रक्रियाओं में व्याप्त अनियमितता, धांधली और भ्रष्टाचार के खिलाफ छात्रों की ओर से चलाए जा रहे राज्यव्यापी भर्ती व्यवस्था सुधार यात्रा का शुक्रवार को रांची में समापन हुआ।

यात्रा के 18वें दिन राजधानी रांची में पदयात्रा निकाली गई। मोरहाबादी स्थित बापू वाटिका में महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ पदयात्रा की शुरूआत हुई। इसके बाद यात्रा रेडियम रोड होते हुए अल्बर्ट एक्का चौक पहुंची, जहां परमवीर शहीद अल्बर्ट एक्का को श्रद्धांजलि और माल्यार्पण किया गया।

मौके पर अल्बर्ट एक्का चौक पर छात्रों और आम लोगों की मौजूदगी के कारण यातायात भी प्रभावित हुई।

इसके बाद पदयात्रा कोकर स्थित भगवान बिरसा मुंडा समाधि स्थल पहुंची, जहां श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद राज्यव्यापी भर्ती सुधार यात्रा का समापन किया गया।

अल्बर्ट एक्का चौक पर सभा को संबोधित करते हुए देवेंद्र नाथ महतो ने कहा कि छात्रों की यात्रा संपन्न हुई है, लेकिन आंदोलन खत्म नहीं हुई है। राज्य सरकार को अपने वादे के अनुरूप नियुक्ति परीक्षाओं में हुई अनियमितताओं से जुड़े साक्ष्य मजबूती के साथ न्यायालय के समक्ष रखना चाहिए। साथ ही सरकार को सीबीआई जांच की अनुशंसा करते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि छात्रों ने पूरे राज्य का भ्रमण कर जनता और अभ्यर्थियों के बीच भर्ती व्यवस्था में सुधार की मांग को मजबूती से उठाया है। सरकार को अब छात्रों की आवाज को गंभीरता से लेते हुए ठोस कार्रवाई करनी चाहिए। देवेंद्र नाथ ने कहा कि भर्ती सुधार यात्रा का समापन आंदोलन का अंत नहीं है। छात्रों के अधिकार, पारदर्शी नियुक्ति प्रक्रिया और निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर संघर्ष आगे भी जारी रहेगा।

उल्लेखनीय है कि न्यायालय में परीक्षा संबंधी अनियमितताओं के साक्ष्यों को प्रस्तुत करने में सरकार की कथित उदासीनता के विरोध में यह राज्यव्यापी यात्रा शुरू की गई थी। दिशोम गुरु शिबू सोरेन की जन्मस्थली नेमरा से शुरू हुई इस यात्रा के दौरान राज्या के सभी 24 जिलों का भ्रमण कर अभ्यर्थियों और आम जनता के बीच जागरूकता अभियान चलाया गया। इसके बाद इस यात्रा का समापन किया गया।

पदयात्रा में विभिन्न स्थानों पर तैयारी कर रहे प्रतियोगी छात्रों की भी बड़ी संख्या में भागीदारी देखने को मिली।

सिल्ली थाना और मुरी ओपी में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम, चार मामलों में तीन का मौके पर निपटारा

बिभा संवाददाता

सिल्ली/मुरी : वरीय पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सिल्ली थाना एवं मुरी ओपी में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पहुंचे फरियादियों की समस्याओं को पुलिस पदाधिकारियों ने गंभीरता से सुना और मामलों का त्वरित समाधान कराने की पहल की।सिल्ली थाना में थाना प्रभारी नवीन कुमार के नेतृत्व में घरेलू विवाद से संबंधित तीन मामले सामने आए। पुलिस ने दोनों पक्षों को आमने-सामने बैठाकर उनकी समस्याएं सुनीं। इनमें दो मामलों का मौके पर ही समाधान कराया गया, जबकि एक मामले में आवश्यक जांच के लिए कार्रवाई आगे बढ़ाई गई।इसी क्रम में मुरी ओपी में ओपी प्रभारी विकास पासवान की मौजूदगी में घरेलू विवाद का एक मामला पहुंचा। दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद पुलिस ने आपसी सहमति से मामले का तत्काल समाधान करा दिया।पुलिस पदाधिकारियों ने कहा कि जन शिकायत समाधान कार्यक्रम के माध्यम से लोगों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुना जा रहा है। साथ ही पक्षकारों से आपसी विवाद को बातचीत एवं कानूनी प्रक्रिया के माध्यम से शांतिपूर्ण ढंग से सुलझाने की अपील की गई।

आर्थिक विकास का आकलन बजट के आकार से नहीं, सामाजिक प्रभाव से हो : वित्त मंत्री

बिभा संवाददाता

रांची। वित्त मंत्री राधाकृष्ण किशोर ने कहा कि वर्ष 2000 में राज्य गठन के बाद से अब तक झारखंड की आर्थिक यात्रा की समीक्षा जरूरी है। ग्रामीण और शहरी अर्थव्यवस्था के साथ विभिन्न आर्थिक क्षेत्रों की स्थिति और भविष्य की दिशा पर भी विचार होना चाहिए।

मंत्री शुक्रवार को प्रेस क्लब सभागार में सामाजिक-आर्थिक एवं संसदीय अध्ययन केंद्र की ओर से झारखंड : समग्र विकास के लिए संसाधन विषय पर आयोजित परिचर्चा में बोल रहे थे। कार्यक्रम में झारखंड की आर्थिक यात्रा, प्राकृतिक संसाधन, राजस्व क्षमता, केंद्र-राज्य वित्तीय संबंध और स्थानीय स्तर पर संसाधन जुटाने की संभावनाओं पर चर्चा हुई। इसी दौरान झारखंड : संसाधन अभिवृद्धि की अनिवार्यता स्मारिका का विमोचन भी किया गया।

उन्होंने कहा कि राज्य का बजट शुरूआती वर्षों में करीब 6 हजार करोड़ रुपये के स्तर पर था, जो अब काफी बढ़ चुका है। हालांकि आर्थिक विकास का मूल्यांकन केवल बजट के आकार से नहीं, बल्कि उसके सामाजिक प्रभाव से किया जाना चाहिए. मानव विकास, शिक्षा और रोजगार को आर्थिक विकास की प्राथमिकताओं से जोड़ना होगा।

पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. महेश पोद्दार ने कहा कि झारखंड की सबसे बड़ी आर्थिक ताकत उसकी खनिज संपदा है, लेकिन केवल खनन आधारित अर्थव्यवस्था से राज्य की पूरी क्षमता का उपयोग नहीं किया जा सकता। खनिजों का स्थानीय स्तर पर मूल्य संवर्धन, तकनीकी क्षमता का विकास, बाजार विस्तार और रोजगार सृजन जरूरी है। उन्होंने डीएमएफ की राशि का प्राथमिकता के आधार पर उपयोग करने की जरूरत बताई। साथ ही बुनियादी ढांचे के विकास के लिए लिए जाने वाले कर्ज के साथ उसकी वापसी की क्षमता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। रेत समेत अन्य प्राकृतिक संसाधनों के बेहतर प्रबंधन से राज्य की आय बढ़ाने की संभावनाओं का भी उन्होंने उल्लेख किया।

अर्थशास्त्री डॉ. हरिश्वर दयाल ने कहा कि वित्तीय हस्तांतरण से झारखंड को लाभ मिला है, लेकिन राज्य की प्रति व्यक्ति आय अभी भी राष्ट्रीय औसत से काफी पीछे है। उन्होंने शिक्षा को राज्य के विकास की सबसे महत्वपूर्ण प्राथमिकताओं में शामिल करने की जरूरत बताई।

उन्होंने महिला सशक्तीकरण, वन आधारित अर्थव्यवस्था और ग्रामीण क्षेत्रों की वित्तीय क्षमता मजबूत करने पर जोर दिया। स्थानीय निकायों को अधिक वित्तीय स्वायत्तता देने के साथ स्थानीय स्तर पर कर और गैर-कर राजस्व बढ़ाने की जरूरत बताई। व्यावसायिक संपत्तियों के सही मूल्यांकन और राजस्व संग्रह की व्यवस्था को मजबूत करने को भी उन्होंने जरूरी बताया।

कार्यक्रम में विमोचित स्मारिका ह्यझारखंडः संसाधन अभिवृद्धि की अनिवार्यताह्ल में करीब 25 प्रमुख व्यक्तियों के लेख शामिल हैं। इनमें खनिज संपदा, प्राकृतिक संसाधन, राजस्व, वित्तीय प्रबंधन, स्थानीय निकाय, ग्रामीण अर्थव्यवस्था, शिक्षा, मानव संसाधन, रोजगार और मूल्य संवर्धन जैसे विषयों पर विचार रखे गए हैं।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. कमल बोस ने किया। संस्था के सचिव अयोध्या नाथ मिश्रा ने विषय प्रवेश कराया और राज्य की अर्थव्यवस्था पर गुणात्मक बहस की शुरूआत की। कार्यक्रम में डॉ. एचपी नारायण, प्रो. डॉ. चंद्रकांत शुक्ला, प्रो. शिव शंकर प्रसाद, शिव शंकर उरांव, अरुण कुमार मिश्रा सहित अन्य मौजूद रहे।

सेना में भर्ती के नाम पर रांची में ठगी का खेल, मिलिट्री इंटेलिजेंस और पुलिस ने एक आरोपी को दबोचा

बिभा संवाददाता

रांची। सेना, मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विस (एमईएस) और रेलवे में सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर युवाओं से लाखों रुपये की ठगी करने वाले गिरोह का खुलासा हुआ है। कोलकाता मिलिट्री इंटेलिजेंस से मिले इनपुट के आधार पर रांची पुलिस और मिलिट्री इंटेलिजेंस की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान गौतम कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे रिंग रोड स्थित एक होटल से पकड़ा। आरोपी रांची के सदर थाना क्षेत्र स्थित आरटीसी स्कूल, लवकुश टावर का रहने वाला बताया गया है। उसके ठिकाने से सेना और एमईएस से संबंधित बड़ी संख्या में फर्जी नियुक्ति पत्र और अन्य दस्तावेज बरामद किए गए हैं।

पुलिस के अनुसार, आरोपी सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा देकर युवाओं से पैसे वसूलता था। इसके बाद सेना या एमईएस में नियुक्ति से जुड़े फर्जी दस्तावेज और नियुक्ति पत्र दिखाकर उन्हें भरोसे में लिया जाता था। जांच में ऐसे कई युवाओं के ठगी का शिकार होने की बात सामने आई है।

जांच के दौरान बरामद दस्तावेजों की पड़ताल में सेना और मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विस से जुड़े कई कागजात फर्जी पाए गए। इन दस्तावेजों के जरिए भर्ती प्रक्रिया को वास्तविक दिखाने की कोशिश की जाती थी।

मामले में शिकायतकर्ता योगेश कुमार ने ऑनलाइन भुगतान के माध्यम से 6.50 लाख रुपये दिए थे। प्राथमिकी में गौतम कुमार के अलावा चंदन कुमार सिंह और मृत्युंजय कुमार के नाम भी सामने आए हैं। पुलिस दोनों की भूमिका की जांच कर रही है और उनकी तलाश में जुटी है।

पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि गिरोह में और कितने लोग शामिल हैं, फर्जी दस्तावेज कहां तैयार किए जाते थे और अब तक कितने युवाओं को इसका शिकार बनाया गया है।

संक्षिप्त खबरें

झारखंड विधानसभा के चालक के निधन पर कर्मियों ने दी श्रद्धांजलि

रांची(बिभा)। झारखंड विधानसभा सचिवालय में चालक के पद पर कार्यरत सुरेश साव का शुक्रवार को असामयिक निधन हो गया। सुरेश साव का पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए विधानसभा लाया गया। मौके पर विधानसभा के अधिकारियों और कर्मचारियों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और दो मिनट का मौन धारण कर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। झारखंड विधानसभा के प्रभारी सचिव रंजीत कुमार ने शोक सभा में बताया कि सुरेश साव ग्राम-जमुने, रजावाडीह, डालटनगंज के रहनेवाले थे। उन्होंने 28 जुलाई 2004 को झारखंड विधानसभा में चालक के पद पर योगदान दिया था। शोकसभा में पढ़े गए संदेश को प्रभारी सचिव की ओर से उनके परिजनों को प्रेषित करने का भी निर्देश दिया गया।

करमा पर्व को लेकर जिला प्रशासन और सरना समितियों की संयुक्त बैठक, शराब बंदी व सुरक्षा व्यवस्था की उठी मांग

रांची (बिभा): उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी मंजूनाथ भजन्त्री के निर्देश पर अपर जिला दंडाधिकारी (विधि-व्यवस्था) धनंजय और सदर अनुमंडल पदाधिकारी कुमार रजत ने आगामी करमा पर्व 2026 की तैयारियों को लेकर प्रमुख सरना समितियों के प्रतिनिधियों के साथ समाहरणालय में समन्वय बैठक की। बैठक में केंद्रीय सरना समिति के अजय तिर्की, आदिवासी समन्वय समिति के लक्ष्मी नारायण मुंडा, बबलू मुंडा, शिवा कच्छप, जगलाल हेम्ब्रम और ज्योत्सना करकेट्टा सहित कई प्रतिनिधि शामिल हुए। इस दौरान समितियों ने पूजा स्थलों की साफ-सफाई, निर्बाध बिजली आपूर्ति, अखड़ा क्षेत्रों में पुलिस गश्ती बढ़ाने, पर्व के दिन शराब बंदी लागू करने और श्रद्धालुओं को साड़ी-धोती उपलब्ध कराने जैसी प्रमुख मांगें रखीं। प्रशासनिक अधिकारियों ने सभी सुझावों को गंभीरता से सुनते हुए विधि-व्यवस्था बनाए रखने और पर्व को शांतिपूर्ण व भव्य तरीके से संपन्न कराने के लिए पूर्ण प्रशासनिक सहयोग का भरोसा दिया।

सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा अमृत महोत्सव आज से

रांची(बिभा) : सराफ परिवार के तत्वावधान में भक्ति, ज्ञान और प्रेम के दिव्य संगम सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा अमृत महोत्सव का भव्य आयोजन आगामी 12 सितंबर से 18 सितंबर तक महाराजा अग्रसेन भवन रांची में किया गया है ।कथा में जगन्नाथधाम के सुप्रसिद्ध कथावाचक एवं व्यास श्री दिनेश जी भारद्वाज श्रद्धालुओं को श्रीमद्भागवत महापुराण की अमृतमयी कथा का रसपान कराएंगे। उक्त जानकारी देते हुए मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि कथा का आयोजन प्रतिदिन अपराह्न 3 बजे से संध्या 6 बजे तक होगा। आयोजन को लेकर सराफ परिवार द्वारा व्यापक तैयारियां पूरी कर ली गई है। सातों दिनों में श्रीमद्भागवत के विभिन्न प्रसंगों, भगवान के अवतारों, भक्त चरित्रों तथा श्रीकृष्ण की दिव्य लीलाओं का भावपूर्ण वर्णन किया जाएगा ।प्रथम दिवस 12 सितंबर शनिवार को प्रातः 10 बजे लक्ष्मी नारायण मंदिर से कलश यात्रा निकाली जाएगी। तथा इसी दिन श्रीमद्भागवत कथा महात्म्य एवं शुकदेव परीक्षित मिलन का प्रसंग होगा। सर्राफ परिवार ने बताया कि श्रीमद्भागवत केवल एक धार्मिक ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन को सत्य, धर्म, प्रेम, करुणा, सदाचार और भक्ति के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देने वाला दिव्य ग्रंथ है। कथा श्रवण से मनुष्य को आत्मिक शांति प्राप्त होती है तथा परिवार और समाज में संस्कार एवं सद्भाव की भावना मजबूत होती है ।उन्होंने समस्त धर्मप्रेमी श्रद्धालुओं से सातों दिनों कथा में सपरिवार उपस्थित होकर श्रीमद्भागवत कथा के दिव्य ज्ञान, भक्ति और प्रेम का लाभ उठाने करने का आग्रह किया।

श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर मंदिर में भादों अमावस्या पर महाभिषेक संपन्न

रांची(बिभा): पहाड़ी मंदिर के पास स्थित दिव्यदेशम् श्रीलक्ष्मी वेंकटेश्वर मंदिर में शुक्रवार को भादों अमावस्या पर पाञ्चरात्र आगम विधि से तिरूमञ्जन महाभिषेक संपन्न हुआ। अर्चकों ने ब्रह्ममुहूर्त में दूध, दही, पंचामृत और गंगाजल से भगवान श्रीनिवास का अभिषेक कराया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच महाआरती हुई और विशेष भोग लगाया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने सुख-समृद्धि, ग्रह शांति और पितृदोष निवारण के लिए विशेष पूजा-अर्चना की।

15 दिनों में काम शुरू न करने वाले संवेदकों पर होगी कार्रवाईः योगेन्द्र

बिभा संवाददाता

रांचीः झारखंड के पेयजल एवं स्वच्छता मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने विभागीय योजनाओं की प्रगति की उच्चस्तरीय समीक्षा करते हुए लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य स्तर से गठित उच्चस्तरीय टीम सभी योजनाओं का स्थलीय निरीक्षण करेगी। जिन योजनाओं में अब तक काम शुरू नहीं हुआ है, वहां 15 दिनों के भीतर काम प्रारंभ कराया जाए; तय समयसीमा में काम शुरू न करने वाले संवेदकों (ठेकेदारों) और लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

नेपाल हाउस स्थित विभागीय सभागार में आयोजित बैठक में मंत्री ने धनबाद अंचल अंतर्गत तेनुघाट बहु-ग्रामीण जलापूर्ति एवं एकल ग्रामीण जलापूर्ति योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को फील्ड विजिट बढ़ाने और ग्रामीणों से सीधा संवाद कर पेयजल से जुड़ी समस्याओं का त्वरित निपटारा करने का निर्देश दिया। मंत्री ने कहा कि जल जीवन मिशन का उद्देश्य हर ग्रामीण परिवार तक सुरक्षित व नियमित पेयजल पहुंचाना है, इसलिए इसमें कोई कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बैठक में विशेष तौर पर गोमिया विधानसभा क्षेत्र के प्रखंडों में घरेलू नल जल संयोजन की स्थिति की समीक्षा की गई। आंकड़ों के अनुसार, गोमिया प्रखंड में 52,689 में से 35,191 घरों, पेटरवार में 32,687 में से 21,799 घरों, नावाडीह में 26,625 में से 14,437 घरों, चंद्रपुरा में 11,162 में से 9,834 घरों और कसमार में 18,574 में से 7,499 घरों में नल से जल पहुंचाया जा चुका है।

इस राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक में जल जीवन मिशन के अभियान निदेशक, अभियंता प्रमुख, पीएमयू एवं सी.डी.ओ. के मुख्य अभियंता, धनबाद के अधीक्षण अभियंता तथा चास व तेनुघाट प्रमंडल के कार्यपालक, सहायक और कनीय अभियंता उपस्थित थे।

मंत्री दीपिका पांडेय ने पलाश दीदी कैफे का किया उद्घाटन

बिभा संवाददाता

रांची। ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने शुक्रवार को रक्षा शक्ति विश्वविद्यालय परिसर में पलाश दीदी कैफे का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह कैफे सिर्फ झारखंड के पारंपरिक और पौष्टिक व्यंजनों का केंद्र नहीं, बल्कि ग्रामीण महिलाओं के हुनर, श्रम, स्वाभिमान और आत्मनिर्भरता को नया मंच देने की महत्वपूर्ण पहल है।

मंत्री ने कहा कि ग्रामीण महिलाओं को उनके हुनर के अनुसार प्रशिक्षण देने के बाद ऋण और वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। अब उनके उत्पादों और सेवाओं को बाजार से जोड़कर स्थायी स्वरोजगार के अवसर तैयार किए जा रहे हैं। पलाश के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं की ओर से तैयार स्थानीय और पारंपरिक उत्पादों को व्यापक बाजार, बेहतर पहचान और उचित मूल्य दिलाने का प्रयास जारी है।

उन्होंने कहा कि सरकारी आयोजनों और विभिन्न संस्थानों में पलाश से जुड़ी दीदियों के उत्पादों एवं खाद्य सामग्री को प्राथमिकता दिलाने के लिए जेएसएलपीएस लगातार काम कर रहा है। सरकार पूरे राज्य में पलाश दीदी कैफे का विस्तार करेगी। अगले छह महीनों में रांची में राज्य के पहले पलाश मार्ट के उद्घाटन का लक्ष्य है। भगवान बिरसा जैविक उद्यान में भी जल्द पलाश दीदी कैफे शुरू किया जाएगा।

मौके पर जेएसएलपीएस के सीईओ अनन्य मित्तल, आईएएस अधिकारी अंजलि यादव सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

ब्राउन शुगर के साथ तस्कर गिरफ्तार

रांची। सुखदेवनगर थाना क्षेत्र में पुलिस ने ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री की सूचना पर छापेमारी कर एक युवक को गिरफ्तार किया है। युवक के पास से 14.86 ग्राम ब्राउन शुगर, एक वीवो मोबाइल फोन और 200 रुपये नकद बरामद किए गए हैं। कोतवाली एएसपी निखिल राय ने शुक्रवार को बताया कि सुखदेव नगर थाना पुलिस को सूचना मिली थी कि अमरूद बागान स्थित लाह कोठी के पास ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री की जा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस अधीक्षक नगर के नियंत्रण और सहायक पुलिस अधीक्षक कोतवाली निखिल राय के नेतृत्व में टीम बनाई गई। पुलिस टीम मौके पर पहुंची और इलाके की घेराबंदी की। पुलिस को देखते ही वहां मौजूद एक युवक भागने की कोशिश करने लगा, जिसे पुलिस ने घेराबंदी कर पकड़ लिया। पूछताछ में युवक की पहचान सुमित कुमार जायसवाल के रूप में हुई। वह रातू थाना क्षेत्र के चटकपुर का रहने वाला बताया गया है।

राज्य वन प्रशिक्षण संस्थान महिलौंग में मना 'वन शहीद दिवस', अमर बलिदानियों को दी गई श्रद्धांजलि

बिभा संवाददाता

रांचीः राज्य वन प्रशिक्षण संस्थान, महिलौंग में वन शहीद दिवस श्रद्धा और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। इस दौरान वनों एवं वन्यजीवों की रक्षा करते हुए कर्तव्य पथ पर अपने प्राण न्योछावर करने वाले जांबाज वन शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा उनके परिजनों को शॉल एवं प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में प्रधान मुख्य वन संरक्षक सह वन बल प्रमुख संजीव कुमार, प्रधान मुख्य वन संरक्षक सह प्रबंध निदेशक विश्वनाथ शाह, पीसीसीएफ (वन्य प्राणी) रवि रंजन, एपीसीसीएफ सिद्धार्थ त्रिपाठी, वन संरक्षक प्रशासन पी.आर. नायडू, उप वन संरक्षक प्रशिक्षण विजय शंकर दुबे, डीएफओ (वन्यप्राणी प्रमंडल) अवनीश चौधरी, डीएफओ रांची श्रीकांत वर्मा और वन क्षेत्र पदाधिकारी गायत्री देवी सहित विभाग के कई पदाधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों ने अमर शहीदों के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक संजीव कुमार ने कहा कि पर्यावरण, जंगल और वन्यजीवों की रक्षा में दिया गया शहीदों का सर्वोच्च बलिदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा। पूरा विभाग और देश उनके परिवारों का सदैव ऋणी रहेगा। उन्होंने परिजनों को आश्वस्त करते हुए कहा कि वन विभाग हमेशा उनके साथ खड़ा है और हर सुख-दुख में सहयोग के लिए तत्पर रहेगा। उन्होंने उपस्थित कर्मियों से शहीदों के त्याग और कर्तव्यनिष्ठा से प्रेरणा लेकर जंगलों के संरक्षण के प्रति अपने दायित्वों को और अधिक मजबूती से निभाने का आह्वान किया।

ऊर्जा निगम के 7,000 कर्मियों के शोषण पर भड़का श्रमिक संघ, बोनस-वेतन भुगतान और नियमितीकरण की मांग

बिभा संवाददाता

रांचीः झारखंड ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड (जेयूवीएनएल) के अधीन कार्यरत लगभग 7,000 मानव दिवस एवं आउटसोर्स कर्मियों की उपेक्षा और शोषण को लेकर झारखंड ऊर्जा विकास श्रमिक संघ ने कड़ा आक्रोश जताया है। संघ के अध्यक्ष अजय राय ने निगम के सीएमडी के. श्रीनिवासन से मांग की है कि कर्मियों के लंबित बोनस व बकाए वेतन का तुरंत भुगतान किया जाए और वर्षों से सेवा दे रहे कर्मियों के नियमितीकरण की दिशा में ठोस कदम उठाए जाएं।

अजय राय ने कहा कि जिनके कंधों पर राज्य की पूरी विद्युत व्यवस्था टिकी है, उन्हीं के परिवार आज वेतन और बोनस के लिए तरस रहे हैं। 365 दिन आंधी-बारिश में काम करने वाले इन कर्मियों से नियमित कर्मचारियों जैसी जिम्मेदारी ली जाती है, लेकिन अधिकारों के वक्त उन्हें आउटसोर्स बताकर पल्ला झाड़ लिया जाता है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब 80 प्रतिशत व्यवस्था इन्हीं के भरोसे है, तो वर्षों से रिक्त पड़े तृतीय व चतुर्थ वर्गीय पदों पर इन्हें स्थायी क्यों नहीं किया जा रहा?

संघ ने स्पष्ट मांग रखी है कि 2016 और 2018 की तर्ज पर कायानुंभव को प्राथमिकता व उम्र में छूट देते हुए रिक्त पदों पर नियमित बहाली शुरू की जाए, 2014 के सर्वे में दर्ज कर्मियों के लिए विशेष नीति बने और अधिसूचना संख्या-625 को सभी पर समान रूप से लागू किया जाए।

अजय राय ने चेतावनी दी कि अब केवल आश्वासनों से काम नहीं चलेगा। यदि प्रबंधन ने अविलंब बोनस व बकाया वेतन भुगतान और नियमितीकरण पर ठोस निर्णय नहीं लिया, तो संघ पूरे राज्य में उग्र व चरणबद्ध आंदोलन शुरू करेगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी प्रबंधन की होगी।

सीआईपी के पुनर्विकास की तैयारीः स्वास्थ्य मंत्रालय के उच्चस्तरीय दल ने किया रांची परिसर का निरीक्षण

बिभा संवाददाता

रांचीः केंद्रीय मनोचिकित्सा संस्थान (सीआईपी), रांची के प्रस्तावित समग्र पुनर्विकास और भविष्य की विस्तार योजनाओं को लेकर केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने संस्थान का विस्तृत दौरा किया।

प्रतिनिधिमंडल में संयुक्त सचिव प्रभाकर (आईएएस), हर्ष मंगला (आईएएस), उप सचिव कौस्तव गिरी (आईएएस), निमहंस बैंगलोर की पूर्व निदेशक डॉ. प्रतिमा मूर्ति, अवर सचिव मदन लाल मीणा तथा सहायक अनुभाग अधिकारी हेमंत कौशिक शामिल थे। संस्थान परिसर पहुंचने पर सीआईपी के निदेशक डॉ. वी. के. चौधरी एवं उनकी टीम ने दल का स्वागत किया।

दौरे के दौरान प्रतिनिधिमंडल ने संस्थान की वर्तमान आधारभूत संरचना, शैक्षणिक व क्लिनिकल सुविधाओं और विभिन्न महत्वपूर्ण प्रभागों का गहन मुआयना किया। अधिकारियों ने रोगी देखभाल प्रणाली, अनुसंधान, पुनर्वास सेवाओं, प्रशिक्षण व्यवस्था और सामुदायिक मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को आधुनिक व मजबूत बनाने पर विस्तार से मंथन किया।

निरीक्षण के उपरांत सीआईपी प्रबंधन एवं मंत्रालय के दल के बीच एक समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में सीआईपी को आधुनिक, रोगी-केंद्रित, बहुविषयक और भविष्य की मानसिक स्वास्थ्य आवश्यकताओं के अनुरूप एक उत्कृष्ट केंद्र के रूप में विकसित करने की कार्ययोजना पर चर्चा की गई। यह पहल संस्थान के आधुनिकीकरण और मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं के सशक्तिकरण में अहम कदम मानी जा रही है।

मतदाता सूची पुनरीक्षण की अवधि एक माह बढ़ाने की मांग, कांग्रेस ने अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

बिभा संवाददाता

रांचीः झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के एक प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी की अनुपस्थिति में अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी सुबोध कुमार को ज्ञापन सौंपकर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण की अवधि कम से कम एक माह बढ़ाने की मांग की है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, उपाध्यक्ष डॉ. राजेश गुप्ता, सतीश पाल मुंजनी, महासचिव लालकिशोर नाथ शाहदेव, सूर्यकांत शुक्ला एवं संजय कुमार द्वारा हस्ताक्षरित पत्र में कहा गया कि प्रारूप मतदाता सूची जारी होने के बाद जारी नोटिसों की तुलना में सुनवाइयों की रफ्तार बेहद धीमी है। उदाहरण देते हुए बताया गया कि धनबाद जिले में कुल 4,45,901 नोटिस जारी होने थे, लेकिन अब तक केवल 36,381 मामलों की ही सुनवाई हो सकी है। लंबी कतारों के बावजूद मतदाताओं को बिना सुनवाई वापस भेजा जा रहा है, इसलिए प्रतिदिन क्षमता के अनुरूप ही लोगों को बुलाया जाए।

नेताओं ने मांग की कि ड्राफ्ट रोल को ग्राम सभाओं में एक बार फिर पढ़कर सुनाया जाए ताकि नागरिक त्रुटियों पर आपत्ति दर्ज करा सकें। साथ ही फॉर्म-7 के तहत किस दल ने कितनी आपत्तियां दर्ज कराई हैं, इसका ब्योरा सार्वजनिक किया जाए और नाम हटाने से पहले दोनों पक्षों की व्यक्तिगत सुनवाई अनिवार्य की जाए। कांग्रेस ने यह भी रेखांकित किया कि 1 अक्टूबर 2026 तक 18 वर्ष पूरा करने वाले युवाओं के नाम जोड़ने के लिए अनुमानित 20 लाख के विरुद्ध अब तक केवल 4.39 लाख आवेदन ही मिले हैं। ऐसे में नए मतदाताओं को जोड़ने के लिए फॉर्म-6 जमा करने की अंतिम तिथि में विस्तार करना आवश्यक है।

बोकारो में बैंक कर्मियों की शत-प्रतिशत हड़ताल

5 दिवसीय बैंकिंग और पीएलआई में भेदभाव के खिलाफ सैकड़ों बैंककर्मियों ने निकाली रैली

बिभा संवाददाता

बोकारो। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियन्स (यूएफबीयू) के आह्वान पर शुक्रवार को बोकारो जिले के सभी बैंकों में एकदिवसीय हड़ताल रही। हड़ताल के दौरान बैंक शाखाओं और कार्यालयों में पूर्ण तालाबंदी रही। बैंक कर्मचारियों और अधिकारियों ने 5 दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था लागू करने, प्रदर्शन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) में कथित भेदभाव समाप्त करने तथा लंबित मांगों के समाधान की मांग को लेकर प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर चास, बोकारो और आसपास के क्षेत्रों से सैकड़ों बैंक कर्मचारी एवं अधिकारी बैंक ऑफ इंडिया, बोकारो स्टील सिटी शाखा, सेक्टर-4 के पास एकत्र हुए। यहां से रैली निकाली गई, जो सिटी सेंटर का भ्रमण करते हुए भारतीय स्टेट बैंक, सेक्टर-4 के समक्ष पहुंचकर सभा में तब्दील हो गई। बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में बैंककर्मी रैली में शामिल हुए। प्रदर्शन में महिला कर्मचारियों और अधिकारियों की भी उल्लेखनीय भागीदारी रही।

यूएफबीयू के जिला संयोजक ने कहा कि कर्मचारियों और स्केल-3 तक के अधिकारियों को पीएलआई भुगतान में भेदभाव का सामना करना पड़ रहा है। उनके अनुसार इंडियन बैंक एसोसिएशन (आईबीए) और यूनियनों के बीच हुए समझौते में बैंक के प्रदर्शन के आधार पर कर्मचारियों एवं अधिकारियों को निर्धारित दिनों के अनुसार समान रूप से प्रोत्साहन राशि देने की बात तय हुई थी। आरोप है कि वित्तीय सेवा निदेशालय (डीएफएस) के निर्देश से स्केल-3 तक के कर्मचारियों एवं अधिकारियों के लिए 15 दिन और स्केल-4 से ऊपर के अधिकारियों के लिए 365 दिन की प्रोत्साहन राशि का प्रावधान किया गया।

नेताओं ने कहा कि 8 और 9 सितंबर को केंद्रीय श्रमायुक्त के समक्ष हुई वार्ता में पीएलआई भुगतान को फिलहाल लंबित रखने का आश्वासन मिला, लेकिन 5 दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था की मांग पर कोई ठोस निर्णय नहीं हुआ। बैंक यूनियनों के अनुसार 2024 में आईबीए और यूनियनों के बीच 5 दिवसीय बैंकिंग लागू करने को लेकर लिखित समझौता हो चुका है, इसके बावजूद सरकार की मंजूरी अब तक नहीं मिली है।

सभा को संबोधित करते हुए राघव कुमार सिंह ने कहा कि 5 दिवसीय बैंकिंग लागू होने से काम के घंटे कम नहीं होंगे। समझौते के अनुसार शनिवार के अवकाश के बदले पांच कार्यदिवसों में प्रतिदिन करीब 40 मिनट अतिरिक्त काम करने पर यूनियन सहमत है। इसके बावजूद सरकार की ओर से निर्णय नहीं लिया जाना समझ से परे है।

बैंक नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि पीएलआई में कथित भेदभाव समाप्त करने, 5 दिवसीय बैंकिंग लागू करने और अन्य लंबित मांगों पर शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। यूएफबीयू के अनुसार 28, 29 और 30 सितंबर 2026 को तीन दिवसीय हड़ताल तथा इसके बाद भी समाधान नहीं होने पर 26 अक्टूबर 2026 से अनिश्चितकालीन हड़ताल का कार्यक्रम प्रस्तावित है।

प्रदर्शन में सिद्धेश नारायण दास, राघव कुमार सिंह, राजीव कुमार सिंह, कृष्ण मुरारी, मिथलेश कुमार, सुधीर कुमार, सुबोध रजक, राजेश ओझा, विभाष झा, पंकज कुमार, प्रदीप झा, राकेश मिश्रा, अवधेश प्रसाद, नीरज तिवारी, राजेश श्रीवास्तव, अरुण कुमार, कृष्णा तिवारी, बबलू कुमार, सरोज कुमार, अतुल दुबे, संतोष कुमार, राजकुमार प्रसाद, सोनू कुमार, उर्मिला कुमारी समेत विभिन्न बैंक यूनियनों के नेता और बैंककर्मी मौजूद रहे।

सीआरआईएफ फंड से सेक्टर-6 शास्त्री चौक से तेलमच्चो ब्रिज तक 4-लेन सड़क का शिलान्यास

बिभा संवाददाता

बोकारो: बोकारो में बेहतर सड़क कनेक्टिविटी और सुगम यातायात की दिशा में शुक्रवार को महत्वपूर्ण कदम उठाया गया। केंद्रीय सड़क और अवसंरचना निधि योजना के तहत पथ निर्माण विभाग द्वारा सेक्टर-6 शास्त्री चौक से तेलमच्चो ब्रिज तक 5.965 किलोमीटर 4-लेन सड़क का पूजा-अर्चना कर शिलान्यास किया गया।

योजना राशि लगभग 62.2 करोड़ रुपये की इस सड़क निर्माण कार्य का शिलान्यास कार्यक्रम तेलमच्चो ब्रिज के समीप धनबाद के सांसद ढुलु महतो एवं बोकारो विधायक श्वेता सिंह ने संयुक्त रूप से किया।

इस अवसर पर सांसद जी ने कहा कि बेहतर सड़क किसी भी क्षेत्र के विकास की आधारशिला होती है। कार्यक्रम के दौरान सांसद ढुलु महतो ने कहा कि सेक्टर-6 शास्त्री चौक से तेलमच्चो ब्रिज तक 4-लेन सड़क बनने से लोगों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और क्षेत्र की कनेक्टिविटी भी मजबूत होगी। उन्होंने यह भी बताया कि नया मोड़ तक इसे जोड़ने की योजना है। सड़क निर्माण कार्य को लेकर स्थानीय लोगों में भी उत्साह देखा गया। लोगों ने उम्मीद जताई कि निर्माण पूरा होने के बाद इस मार्ग पर यातायात सुगम होगा तथा बोकारो के विकास को नई गति मिलेगी। सांसद ढुल्लू महतो के साथ मुकेश राय, मंटू राय, विनेश नायक, परमेश्वर महतो, एंजेला सिंह, सुभाष महतो, लाल जी महतो, असीम राय, सोनू कुमार, स्थानीय ग्रामीण एवं वरिष्ठ नागरिक गण के साथ उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

तुरियो के अंगेश्वर महतो के छह नंबर खदान में डूबने की आशंका

बेरमो(बिभा)। सीसीएल तारमी साइडिंग स्थित छह नंबर खदान में चंद्रपुरा थाना क्षेत्र के तुरियो निवासी अंगेश्वर महतो के डूबने की आशंका जताई जा रही है। घटना की सूचना के बाद स्थानीय लोगों ने खदान के आसपास उसकी तलाश शुरू कर दी है। बताया जाता है कि खदान के समीप अंगेश्वर महतो के कपड़े और साबुन मिले हैं। इसके बाद लोगों को उसके खदान में डूबने की आशंका हुई। सूचना मिलने पर चंद्रपुरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जानकारी लेते हुए गोताखोरों को सूचना दी गई। घटना की जानकारी मिलने के बाद झामुमो नेता राजू महतो, सुखदेव महतो समेत दर्जनों स्थानीय लोग खदान के समीप पहुंचे और खोजबीन में जुटे रहे। पुलिस एवं स्थानीय लोगों की मौजूदगी में खदान में तलाश अभियान चलाने की तैयारी की जा रही है। फिलहाल अंगेश्वर महतो के खदान में डूबने की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और तलाश अभियान के बाद ही स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

चार दिनों से महिला लापता, परिजनों को अनहोनी की आशंका

बोकारो(बिभा)। सेक्टर-12 थाना क्षेत्र के डांगरा भट्ठा टोला निवासी 42 वर्षीय महिला केशोवती देवी पिछले चार दिनों से रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हैं। वह 4 सितंबर को काम पर जाने की बात कहकर घर से निकली थीं, लेकिन वापस नहीं लौटीं। काफी खोजबीन के बावजूद उनका कोई सुराग नहीं मिलने पर परिजनों ने सेक्टर-12 थाना में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। केशोवती देवी के बेटे ढुल्लू शर्मा ने बताया कि उनकी मां मजदूरी का काम करती हैं। 4 सितंबर को वह रोज की तरह काम के लिए घर से निकली थीं। देर शाम तक वापस नहीं लौटने पर परिवार के लोगों ने रिश्तेदारों और आसपास के इलाकों में उनकी तलाश की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी। महिला के अचानक लापता होने से परिजन किसी अनहोनी की आशंका को लेकर चिंतित हैं। वहीं, सेक्टर-12 थाना प्रभारी सुभाष चंद्र सिंह ने बताया कि मामले में सनहा दर्ज कर लिया गया है। महिला की बरामदगी के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही है। उन्होंने जल्द ही महिला का पता लगाए जाने की बात कही।

कसमार के सोनपुरा में मनाया गया राष्ट्रीय पोषण माह

कसमार(बिभा) : कसमार प्रखंड अंतर्गत सोनपुरा पंचायत में राष्ट्रीय पोषण माह का आयोजन शुक्रवार को जिला समाज कल्याण विभाग,सहयोगिनी तथा फोर्सेज झारखंड के संयुक्त तत्वावधान हुआ। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं, किशोरियों और बच्चों के बीच स्वास्थ्य, सही खान-पान और स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाना था। कार्यक्रम में मुख्य रूप से किशोरी समूह की बालिकाओं, आंगनबाड़ी सेविकाओं एवं गांव की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर सहयोगिणी की मंजू देवी ने बताया कि कुपोषण जैसी गंभीर समस्या को जड़ से मिटाने के लिए सही उम्र में सही पोषण मिलना बेहद जरूरी है। विशेषकर किशोरियों और गर्भवती महिलाओं के खान-पान पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है, ताकि आने वाली पीढ़ी पूरी तरह से स्वस्थ और सशक्त बन सके। इस दौरान किशोरी समूह की बालिकाओं ने पोषण और स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों पर अपने विचार साझा किए और गांव-गांव जाकर अन्य लोगों को भी जागरूक करने का संकल्प लिया। साथ ही जंक फूड से होने वाले नुकसान पर विशेष ध्यान देने की बात कही गई। स्थानीय पौष्टिक आहार को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम मे मंजू देवी, आशा देवी, अनामिका कुमारी सिंह, शिवानी कुमारी, मुस्कान कुमारी, गौरी कुमारी, प्रीति कुमारी, अंजली कुमारी, शांति कुमारी सहित किशोरी शामिल हुई।

डीसी के आदेश पर फुल एक्शन में बीएसएल: सिटी सेंटर में अतिक्रमणकारियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई

बिभा संवाददाता

बोकारो: वर्षों बाद बोकारो स्टील सिटी में एक ऐसा नजारा देखने को मिला, जहां गरीब फुटपाथी दुकानदारों की जगह अमीर प्लॉट धारी दुकानदारों के अतिक्रमण पर बोकारो स्टील लिमिटेड (बीएसएल) का कहर बरसा।

बता दें कि 2 सितंबर को बोकारो के उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा बोकारो स्टील सिटी के भ्रमण पर निकले थे। इस दौरान उन्होंने देखा कि सिटी के मुख्य बाजार सिटी सेंटर के प्लॉट धारी दुकानदार ग्राहकों और आम लोगों के आने-जाने वाले रास्ते पर कब्जा कर दुकान लगा रखे हैं। डीसी ने उसी दिन इस पर कार्रवाई करते हुए रास्ते को खाली कराने का निर्देश बीएसएल प्रबंधन को दिया था।

बीएसएल प्रबंधन ने 3 सितंबर को विधिवत नोटिस देकर ऐसे सभी अतिक्रमणकारियों को रास्ते से दुकान हटा लेने की सूचना दी थी। नोटिस में यह भी स्पष्ट किया गया था कि तय समय में ऐसा न करने वालों के खिलाफ प्रबंधन सख्त कार्रवाई करेगा। हालांकि, प्रबंधन की इस नोटिस को कब्जेदार अमीर दुकानदारों ने हल्के में लिया।

नोटिस पीरियड 10 सितंबर को खत्म हुआ और उम्मीद से ठीक विपरीत 11 सितंबर को प्रबंधन दल-बल के साथ मैदान में उतर गया। कई दुकानों के कब्जे को बड़ी ही बेदर्दी से हटाया गया। अमीर अतिक्रमणकारियों के खिलाफ बीएसएल के इस फुल एक्शन की चर्चा शुक्रवार को बोकारो में जबरदस्त है।

अतिक्रमण हटाने के दौरान एक होमगार्ड जवान के सिर पर चोट लगने से घायल हो गया, जिसे बेहतर इलाज के लिए तुरंत बोकारो जनरल हॉस्पिटल ले जाया गया।

सवाल: कब तक कायम रहेगा सख्त रुख?

देखना यह है कि बीएसएल प्रबंधन का यह सख्त रुख अमीर अतिक्रमणकारियों के खिलाफ कब तक कायम रहता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि यह कार्रवाई लगातार जारी रही, तो सिटी सेंटर जैसे मुख्य बाजार क्षेत्र में आम लोगों को आवागमन में काफी राहत मिलेगी।

समाज की एकजुटता सबसे बड़ी ताकत, भाषा-संस्कृति के संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयास जरूरी: राजेन्द्र

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो स्थित सेक्टर-9 में अंगिका सांस्कृतिक परिषद के पदाधिकारियों ने अध्यक्ष राजेंद्र सिंह के आवासीय कार्यालय में बैठक कर संगठन की मजबूती और समाज के उत्थान पर विचार-विमर्श किया। इस दौरान पदाधिकारियों ने अध्यक्ष का स्वागत करते हुए अंगिका भाषा, समृद्ध संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण के लिए आगामी दिनों में नियमित सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने पर सहमति जताई, ताकि युवा पीढ़ी को अपनी जड़ों से जोड़ा जा सके।

परिषद के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह ने समाज के उत्थान के लिए हरसंभव सहयोग का भरोसा देते हुए कहा कि समाज की एकजुटता ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने युवाओं से अपनी भाषा और संस्कृति को सहेजने के इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया। बैठक में संगठन के सुचारू और व्यवस्थित संचालन के लिए परिषद के विधिवत निबंधन कराने की दिशा में भी शीघ्र पहल करने का निर्णय लिया गया।

इस अवसर पर गौतम कुमार सिंह, महेश सिंह, सतेंद्र सिंह, पिंटू कुमार, मिथिलेश पाल सिंह, हिमांशु कुमार सिंह, प्रमोद सिंह, संजीव सिंह, पुरुषोत्तम सिंह, आरके सिंह सहित कई सदस्य उपस्थित थे।

गोमिया में ओएनजीसी के वेल साइट से लाखों के उपकरण व केबल चोरी, मामला दर्ज

बोकारो : जिले के गोमिया क्षेत्र स्थित ओएनजीसी वेल साइट बीके-11 (खुदगड्डा) के स्टोर रूम से लाखों रुपये मूल्य के कीमती उपकरण और केबल चोरी होने का मामला सामने आया है। इस संबंध में ओएनजीसी के कनिष्ठ अभियंता शुभम गुप्ता ने गोमिया थाने में लिखित आवेदन देकर सनहा दर्ज कराया है। आवेदन के मुताबिक, 10 सितंबर को सुबह लगभग 10 बजे टेस्टिंग सुपरवाइजर बीरजू कुमार ने स्टोर रूम से सामग्री गायब होने की जानकारी दी। खोजबीन के बाद भी जब सामान नहीं मिला, तो पुलिस को शिकायत दी गई। चोरी गए सामानों में लगभग 150 मीटर कॉपर केबल, 350 मीटर आईईएसपी केबल, वेल्डिंग व ग्राइंडर मशीन, पुरानी बैटरियां और सेंसर केबल शामिल हैं। पुलिस ने आवेदन के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी है।

डीसी के निर्देश पर चास मुफस्सिल में छापामारी: अवैध कोयला ले जा रहा ट्रक जब्त

बिभा संवाददाता

बोकारो: डीसी के निर्देशानुसार शुक्रवार को बोकारो जिले के चास मुफस्सिल थाना क्षेत्र में छापामारी अभियान चलाया गया। इस दौरान नावाडीह के समीप मुख्य पथ पर अवैध रूप से कोयला का प्रेषण करते हुए एक ट्रक को पकड़ा गया। पकड़े गए ट्रक को विधिवत जब्त कर चास मुफस्सिल थाना को सुपुर्द कर दिया गया। इस अभियान में खान निरीक्षक श्री अजय कुमार महतो, खान निरीक्षक सीताराम टुडू एवं पुलिस बल मौजूद थे।

यह कार्रवाई उपायुक्त अजय नाथ झा के निर्देश पर की गई, जो जिले में अवैध खनन और कोयला तस्करी रोकने के लिए लगातार सख्त रुख अपनाए हुए हैं। हाल में भी डीसी ने सेक्टर-6 मार्केट में लगी आग की जांच के आदेश दिए थे, जहां अवैध बिजली कनेक्शन और अतिक्रमण पर दुकानें संचालित थीं।नावाडीह के समीप मुख्य पथ पर यह छापामारी अभियान उस समय चलाया गया, जब एक ट्रक अवैध रूप से कोयला ले जा रहा था। खान विभाग के अधिकारियों और पुलिस बल की संयुक्त टीम ने इस ट्रक को पकड़कर कानूनी कार्रवाई की।

कूलिंग पौंड में मिला 20 वर्षीय युवक का शव, जांच में जुटी पुलिस

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो जनरल अस्पताल के विपरीत स्थित कूलिंग पौंड से शुक्रवार सुबह एक 20 वर्षीय युवक का शव बरामद होने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान सेक्टर-9 स्ट्रीट-11, आवास संख्या 134 निवासी रोहन कालिंदी, पिता बिशु कुमार के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, शुक्रवार सुबह टाइगर मोबाइल के जवान क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान स्थानीय लोगों ने उन्हें कूलिंग पौंड में शव दिखाई देने की सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से शव को पानी से बाहर निकाला। मृतक के मामा अशोक कालिंदी ने बताया कि रोहन परिवार में सबसे छोटा था और सिटी कॉलेज में स्नातक की पढ़ाई कर रहा था। पिछले कुछ दिनों से वह काफी शांत रह रहा था। उन्होंने बताया कि जब भी उसे किसी तरह की परेशानी होती थी, वह सेक्टर-4 स्थित उनके घर आया करता था। गुरुवार शाम से रोहन घर से लापता था। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की। रात में कूलिंग पौंड के पास उसकी टोपी और चप्पल रखी होने की जानकारी मिली थी।

शुक्रवार सुबह पौंड में युवक का शव तैरता हुआ दिखाई देने के बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। शव मिलने की खबर पर परिजन भी मौके पर पहुंचे। शव देखते ही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

सेक्टर-4 थाना के एसआई एम.ए. हक ने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या से जुड़ा प्रतीत हो रहा है, हालांकि आत्महत्या के कारणों का अब तक पता नहीं चल सका है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मामले की जांच की जा रही है।

बोकारो इस्पात प्रबंधन की दोहरी नीति का शिकार बना सिटी सेंटर

व्यापारियों में भारी आक्रोश, समाधान नहीं हुआ तो होगा बोकारो बंद : मनोज चौधरी

बिभा संवाददाता

बोकारो। बोकारो की व्यावसायिक हृदयस्थली सिटी सेंटर में पार्किंग स्थलों पर अतिक्रमण, जलजमाव और बदहाल सीवेज व्यवस्था को लेकर स्थानीय व्यापारियों में बीएसएल प्रबंधन के खिलाफ गहरा असंतोष है। बोकारो चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष मनोज चौधरी ने प्रबंधन पर दोहरी नीति अपनाने का आरोप लगाते हुए चेतावनी दी कि यदि इन समस्याओं का शीघ्र स्थायी समाधान नहीं निकला, तो व्यापारी 'बोकारो बंद' जैसे कड़े कदम उठाने को बाध्य होंगे।

चैंबर अध्यक्ष ने कहा कि नगर स्थापना के समय विकसित की गई नागरिक सुविधाओं की अनदेखी के कारण आज सिटी सेंटर के प्रमुख पार्किंग स्थलों पर खुदरा दुकानों का कब्जा हो चुका है। इससे ग्राहकों को वाहन खड़े करने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है और बारिश में जलजमाव की स्थिति बन जाती है।

संस्था के महामंत्री राजकुमार जायसवाल ने कहा कि सीवेज टंकियों और लाइनों के ऊपर अवैध निर्माण होने से नालियां जाम हैं और गंदा पानी बाजार में फैल रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब प्रशासन बरामदों में सामान रखने पर कार्रवाई कर सकता है, तो फिर पार्किंग स्थलों के बड़े अतिक्रमणों पर निष्पक्ष कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही। नियमित राजस्व चुकाने वाले व्यापारियों के साथ समान व्यवहार होना चाहिए। चैंबर ने प्रबंधन से मांग की है कि पार्किंग स्थलों को अविलंब अतिक्रमण मुक्त कराया जाए और वहां आजीविका चला रहे खुदरा दुकानदारों को मानवीय आधार पर किसी अन्य स्थान पर व्यवस्थित किया जाए। बैठक में महेश गुप्ता, चंदन कुमार, पुनीत जौहर, पीयूष गोरसिया, मुकुल देवराज, कमलेश जायसवाल, केतन मेहता, विपुल मेहता, नरेश अग्रवाल, मनीष केजरीवाल सहित बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित थे।

इस अवसर पर महेश गुप्ता, चंदन कुमार, पुनीत जौहर, पीयूष गोरसिया, मुकुल देवराज, कमलेश कुमार जायसवाल, केतन मेहता, विपुल मेहता, नरेश अग्रवाल, शिखर, मनीष केजरीवाल ,अनूप त्रिपाठी, रस्तोगी, संदीप जायसवाल, ज्योति प्रकाश द्विवेदी, राजकुमार गुप्ता ,गौतम जैनसहित काफी संख्या में व्यापारी उपस्थित थे।

जीजीपीएस चास में द मैंटर्स लिगेसी थीम पर शिक्षक दिवस समारोह आयोजित, उत्कृष्ट शिक्षक व कर्मी सम्मानित

बिभा संवाददाता

बोकारो : गुरु गोबिंद सिंह पब्लिक स्कूल (जीजीपीएस), चास के बाबा दीप सिंह ऑडिटोरियम में शुक्रवार को शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में द मैंटर्स लिगेसी थीम पर भव्य शिक्षकोत्सव का आयोजन किया गया। विद्यालय की प्राचार्या सुमन नांगिया की अध्यक्षता में आयोजित इस समारोह का उद्घाटन मुख्य अतिथि जीजीईएस के अध्यक्ष तरसेम सिंह, सचिव सुरेंद्र पाल सिंह एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित व डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को पुष्पांजलि अर्पित कर किया।

अतिथियों ने अपने संबोधन में शिक्षकों को डॉ. राधाकृष्णन के आदर्शों पर चलने तथा विद्यार्थियों को उत्कृष्ट शिक्षा और संस्कारों से समृद्ध करने के लिए प्रेरित किया। समारोह में जीजीपीएस चास, बोकारो और धनबाद शाखाओं के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। इसमें धनबाद शाखा की संगीतमय प्रस्तुति, बोकारो शाखा के नृत्य तथा चास शाखा द्वारा प्रस्तुत 'पंजाब की खुशबू' लोकनृत्य ने खूब तालियां बटोरीं।

कार्यक्रम के दौरान तीनों शाखाओं के उत्कृष्ट शिक्षकों एवं गैर-शिक्षण कर्मियों को सम्मानित किया गया। साथ ही विद्यालय में 20 वर्षों की निरंतर व निष्ठावान सेवा पूरी करने वाले कर्मियों को विशेष सम्मान प्रदान किया गया। समारोह का समापन जूनियर विंग प्रभारी किरण मिश्रा के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

सिमडेगा में प्रशासनिक कार्यों के लिए एआई कार्यशाला संपन्न, डीसी बोलीं

तकनीक से शासन होगा पारदर्शी व प्रभावी

बिभा संवाददाता

सिमडेगा: प्रशासनिक कार्यप्रणाली में आधुनिक तकनीक और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रभावी उपयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सिमडेगा जिला प्रशासन द्वारा आयोजित दो दिवसीय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक) कार्यशाला शुक्रवार को संपन्न हो गई। कार्यशाला का आयोजन झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (खरछढर) और जीडीआई पार्टनर्स (ऋक्रढं१३ल्ली१२) के तकनीकी सहयोग से 10 एवं 11 सितंबर को किया गया था।

समापन सत्र को संबोधित करते हुए उपायुक्त कंचन सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में राज्य सरकार नई तकनीकों और एआई के उपयोग को लेकर बेहद सक्रिय व प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि सिमडेगा विकास पथ पर तेजी से आगे बढ़ रहा है; ऐसे में एआई तकनीक का इस्तेमाल प्रशासनिक कार्यों को त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और पारदर्शी बनाने में अहम भूमिका निभाएगा। इससे पदाधिकारी कम समय में बेहतर परिणाम दे सकेंगे और आम नागरिकों तक सरकारी योजनाओं का लाभ अधिक सुगमता से पहुंचेगा।

कार्यशाला के दौरान जीडीआई के तकनीकी विशेषज्ञ अंशुल गुप्ता व जान्हवी बहादुर ने जिला एवं प्रखंड स्तरीय अधिकारियों व कर्मियों को एआई टूल्स और उनके व्यावहारिक उपयोग पर हैंड्स-ऑन प्रैक्टिकल प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम के समन्वय में जेएसएलपीएस के राज्य स्तरीय पदाधिकारी बिष्णु चरण परिडा, अमित जैन, हेम राज सहित अन्य ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। समापन अवसर पर सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए।

साइबर अलर्ट : अनजान .APK फाइल डाउनलोड न करने की सलाह, जिला प्रशासन ने जारी की चेतावनी

पलामू (बिभा): जिला प्रशासन ने आम नागरिकों के लिए साइबर सुरक्षा से संबंधित एक जरूरी चेतावनी जारी की है। प्रशासन के अनुसार, यदि किसी अज्ञात व्यक्ति या स्रोत द्वारा मोबाइल पर एंड्रॉइड पैकेज किट यानी .APK फाइल डाउनलोड या इंस्टॉल करने का अनुरोध या लिंक भेजा जाए, तो उसे कतई स्वीकार न करें। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि ऐसी संदिग्ध और अनाधिकृत फाइलें डाउनलोड करने से मोबाइल फोन वायरस या मैलवेयर से संक्रमित हो सकता है। इसके परिणामस्वरूप मोबाइल में मौजूद बैंक विवरण, पासवर्ड और अन्य महत्वपूर्ण निजी डेटा चोरी होने का गंभीर खतरा रहता है। प्रशासन ने आमजनों से पूरी सतर्कता बरतने की अपील करते हुए कहा है कि किसी भी अनजान लिंक या संदिग्ध .APK फाइल को डाउनलोड करने से बचें और हमेशा अधिकृत ऐप स्टोर का ही उपयोग करें।

देवघर में होमगार्ड भर्ती की तैयारी: 11 अक्टूबर से शुरू हो सकते हैं ऑनलाइन आवेदन

देवघर : झारखंड गृह रक्षा वाहिनी, देवघर में गृह रक्षकों के नव-नामांकन की प्रक्रिया जल्द शुरू होने जा रही है। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी सौरभ कुमार भुवानिया के निदेशानुसार भर्ती पोर्टल खोलने की तैयारी पूरी कर ली गई है। इसके लिए विज्ञापन संख्या 01/2026 जारी करने की प्रक्रिया गति पकड़ चुकी है, जिसका आधिकारिक प्रकाशन संभावित 25 सितंबर 2026 को किया जाएगा। इच्छुक और योग्य अभ्यर्थी संभावित तिथि 11 से 26 अक्टूबर 2026 की शाम 5:00 बजे तक recruitment.jharkhand.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। फॉर्म भरने के लिए अभ्यर्थियों को 100 रुपये का आवेदन शुल्क ऑनलाइन जमा करना होगा। शारीरिक दक्षता परीक्षा, लिखित व तकनीकी जांच परीक्षा के स्थल और तारीखों की घोषणा आगे समाचार पत्रों और आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से की जाएगी।

संगठन को बूथ स्तर पर मजबूत करना कांग्रेस पार्टी का मुख्य उद्देश्य : अम्बा प्रसाद

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : जिला कांग्रेस कार्यालय कृष्ण बल्लभ आश्रम में कांग्रेस संगठन को बूथ स्तर पर मजबूत करने के उद्देश्य से जिला कांग्रेस कमिटी के तत्वावधान में एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक मे संगठन को लेकर विस्तार चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष सह जिला कांग्रेस कमिटी के उपाध्यक्ष निसार खान ने की। इस अवसर पर मुख्य रूप से उपस्थित अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के राष्ट्रीय सचिव सह उतरी छोटानागपुर प्रमंडल कैम्पेन कमिटी के चेयरपर्सन अम्बा प्रसाद ने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि आज की बैठक संगठन को बूथ स्तर पर मजबूत करने के उद्देश्य से रखी गई है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सबसे बड़ी ताकत उसके कार्यकर्ता होते हैं। संगठन मजबूत बनाने के लिए कांग्रेसी कार्यकताओं को गांव, पंचायत और बूथ स्तर तक जाने की आवश्यकता है। जनता से लगातार संवाद कर उनकी समस्याओं को समझना और जनहित मुद्दों को मजबूति से उठाना संगठन की पहली प्रथमिकता होनी चाहिए। राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे कल्याणकारी योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाना और उनकी समस्याओं का समाधान करना हम कांग्रेसियों की जिम्मेवारी है। मौके पर प्रदेश सचिव नवीन कुमार, बिनोद सिंह नगर अध्यक्ष परवेज अहमद, उपाध्यक्ष बाबर अंसारी महासचिव दिलीप कुमार रवि, रघु जायसवाल, लाल बिहारी सिंह, संजय कुमार यादव, अनिल कुमार राय, कैलाश पति देव, कजरू साव, विजय कुमार सिंह, ज्ञानी प्रसाद मेहता, सदरूल होदा, राम जन्म राय, अभिषेक राज, नरसिंह प्रजापति, गुरू प्रसाद, निसार अहमद भोला, मुस्ताक अंसारी, माशूक अंसारी, अमृतेष रंजन, अनिल कुमार भुईंया, भैया असीम कुमार, अंकुश आर्या, विवेक चौरसिया, अमर सिंह यादव आदि उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

स्थायी लोक अदालत के नवनियुक्त अध्यक्ष बिरेन्द्र कुमार तिवारी ने ग्रहण किया पदभार

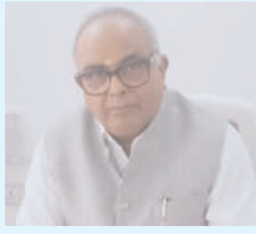

रामगढ़(बिभा): जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रामगढ़ के तत्वावधान में स्थायी लोक अदालत के नवनियुक्त अध्यक्ष बिरेन्द्र कुमार तिवारी ने शुक्रवार को विधिवत रूप से अपने पद का पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रामगढ़ के सचिव अनिल कुमार सहित न्यायिक पदाधिकारीगण, स्थायी लोक अदालत के सदस्यगण, अधिवक्तागण, पारा लीगल वॉलंटियर्स एवं कार्यालय के कर्मचारियों द्वारा नवनियुक्त अध्यक्ष का स्वागत किया गया। पदभार ग्रहण करने के उपरांत अध्यक्ष श्री तिवारी ने कहा कि स्थायी लोक अदालत के माध्यम से आम लोगों को सुलभ त्वरित एवं निःशुल्क न्याय उपलब्ध कराने की दिशा में प्रभावी प्रयास किए जाएंगे। विशेष रूप से जनोपयोगी सेवाओं से संबंधित विवादों का आपसी समझौते एवं सुलह के माध्यम से समाधान सुनिश्चित करने पर बल दिया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रामगढ़ द्वारा आमजनों से अपील की गई कि वे अपने विवादों के त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण समाधान के लिए स्थायी लोक अदालत की सेवाओं का लाभ उठाएं। इससे न केवल न्यायालयों में लंबित मामलों का बोझ कम होगा, बल्कि आम नागरिकों को कम समय एवं कम खर्च में न्याय प्राप्त करने में सहायता मिलेगी। इस अवसर पर उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने नवनियुक्त अध्यक्ष को उनके कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं।

बैंक कर्मचारियों ने मांग दिवस पर निकाली रैली निकाल कर, आंदोलन की चेतावनी

हजारीबाग(बिभा) : अखिल भारतीय मांग दिवस पर बैंक कर्मचारियों और अधिकारियों ने पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था लागू करने, लंबित मांगों का समाधान करने तथा एकतरफा प्रोत्साहन योजना में संशोधन की मांग करते हुए रैली निकाली।बैंक यूनियनों के संयुक्त मंच ने 11 सितंबर तथा 28, 29 और 30 सितंबर 2026 को राष्ट्रव्यापी हड़ताल का आह्वान किया है। मांगें नहीं मानी गईं तो 26 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी दी गई है। बैंक कर्मचारियों ने आंदोलन तेज कर ते हुए रैली निकाल कर पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था लागू करने और लंबित मांगों के समाधान की मांग को लेकर बैंक यूनियनों ने हड़ताल का ऐलान किया है। 11 सितंबर तथा 28 से 30 सितंबर को राष्ट्रव्यापी हड़ताल होगी साथ ही मांगें पूरी नहीं होने पर 26 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी दी गई है।

पेड़ से लटका मिला आर्मी जवान का शव, छुट्टी में आया था घर

हजारीबाग(बिभा) : जिले के पेलावल थाना क्षेत्र स्थित छड़वा डैम के जंगल में शुक्रवार सुबह एक युवक का शव पेड़ से लटका मिलने से चारों तरफ सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान धनंजय कुमार, पिता राजकुमार महतो ग्राम-कचनपुर के रूप में हुई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार धनंजय आर्मी में जवान था। वह छुट्टी में अपने घर कंचनपुर आया हुआ था। स्थानीय लोगों ने जंगल में शव को देखा और इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पेलावल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पेड़ से नीचे उतारकर कब्जे में लिया। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करते हुए मामले की जांच शुरू कर दी है। फिलहाल मौत के कारणों का स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। धनंजय कुमार की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसे लेकर फिलहाल कई सवाल सामने आ रहे हैं। वह छड़वा डैम के जंगल तक किस परिस्थिति में पहुंचा था। उनके वहां पहुंचने के पीछे क्या वजह थी। घटना से पहले उनकी गतिविधियां क्या थीं और किन लोगों से उनकी बातचीत हुई थी। इन सभी बिंदुओं की जांच पुलिस द्वारा की जा रही है।पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

झारखंड स्टेट जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को उपायुक्त ने किया सम्मानित

बिभा संवाददाता

लातेहार: झारखंड स्टेट जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप-2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन करने वाले एथलेटिक्स खिलाड़ियों ने उपायुक्त संदीप कुमार से मुलाकात की। उपायुक्त ने सभी खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं तथा उनका उत्साहवर्धन किया।

चैंपियनशिप में जिले के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 2 स्वर्ण, 5 रजत एवं 1 कांस्य पदक सहित कुल 8 पदक हासिल किए। खिलाड़ियों में जयदीप उरांव ने हेप्टाथलॉन में स्वर्ण पदक तथा मोहित कुमार ने 5 किमी रेस वॉकिंग में स्वर्ण पदक प्राप्त किया।वहीं विवेक उरांव ने लॉन्ग जंप एवं ट्रिपल जंप, अनित उरांव ने 100 मीटर दौड़, आशीष साहू ने हाई जंप, प्रिंस तिर्की ने लॉन्ग जंप एवं हेप्टाथलॉन तथा हरेन कुमार महतो ने 5000 मीटर रेस वॉकिंग में रजत पदक प्राप्त किया। प्रिंस तिर्की ने हेप्टाथलॉन में कांस्य पदक भी हासिल किया।इस अवसर पर उपायुक्त संदीप कुमार ने खिलाड़ियों की उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा कि खेल के क्षेत्र में प्रतिभा को आगे बढ़ाने के लिए जिला प्रशासन हरसंभव सहयोग करेगा। उन्होंने खिलाड़ियों को निरंतर मेहनत, अनुशासन एवं समर्पण के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जिले और राज्य का नाम रोशन करने की शुभकामनाएं दीं। उल्लेखनीय है कि अंडर-18 आयु वर्ग में जिले के खिलाड़ियों ने ओवरऑल चैंपियन का खिताब भी अपने नाम किया है। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से जिले में खेल प्रतिभाओं को नई प्रेरणा मिली है।

इस अवसर पर विवेक उरांव का चयन वर्ष 2026 के वर्ल्ड स्कूल के कैंप के लिए भी हुआ है। जो कि गांवा में तय है। कैंप के उपरांत दिनांक 03 दिसंबर से 08 दिसंबर 2026 तक रियो डी जेनेरियो, ब्राजील देश में आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में वह हिस्सा लेंगे। यह उपलब्धि जिले के लिए गौरव का विषय है। मौके पर उप निदेशक पलामू व्याघ्र परियोजना, उतरी प्रमंडल, कोर एरिया, कुमार आशीष, जिला खेल पदाधिकारी अविनेश कुमार त्रिपाठी उपस्थित थे।

उपायुक्त ने साप्ताहिक जनता दरबार में सुनीं आमजन की समस्याएं, त्वरित समाधान के निर्देश

बिभा संवाददाता

लातेहार : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी संदीप कुमार की अध्यक्षता में साप्ताहिक जन शिकायत निवारण दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों से पहुंचे फरियादियों ने एक-एक कर अपनी समस्याएं उपायुक्त के समक्ष रखीं। उपायुक्त ने सभी आवेदनों को ध्यानपूर्वक सुना और त्वरित व पारदर्शी जांच कराकर समाधान का भरोसा दिया। सुनवाई के दौरान चंदवा प्रखंड के ग्राम सेरक निवासी उर्मिला देवी ने जर्जर मकान की स्थिति बताते हुए आवास योजना का लाभ दिलाने की गुहार लगाई। उन्होंने बताया कि बारिश के दिनों में छत से पानी टपकने के कारण रहना मुश्किल हो गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए उपायुक्त ने आवेदन को संबंधित पदाधिकारी को अग्रसारित करते हुए नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया।

कार्यक्रम में विभिन्न विभागों से जुड़े अनेक मामले आए, जिन पर उपायुक्त ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्राप्त आवेदनों का स्थलीय/भौतिक सत्यापन कर तय समयसीमा के भीतर निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा। उपायुक्त के निर्देशानुसार जिले के आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निपटारे के लिए जिला, अनुमंडल एवं प्रखंड स्तर के सभी कार्यालयों में प्रत्येक मंगलवार और शुक्रवार को जन शिकायत निवारण शिविर आयोजित किया जा रहा है।

स्वामी धर्मबंधु कॉलेज ऑफ एजुकेशन में बी.एड. नवप्रशिक्षुओं का अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित

बिभा संवाददाता

हजारीबाग : हजारीबाग स्थित स्वामी धर्मबंधु कॉलेज ऑफ एजुकेशन में बी.एड. सत्र 2026-28 के नवशिक्षक प्रशिक्षुओं के लिए विद्यार्थी अभिमुखीकरण बैठक का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. सारिका कुमारी ने की।

प्राचार्या डॉ. सारिका कुमारी ने नवप्रशिक्षुओं का स्वागत करते हुए कहा कि एक कुशल व जिम्मेदार शिक्षक बनने के लिए अनुशासन, समय-पालन और नियमित उपस्थिति अनिवार्य है। उन्होंने विद्यार्थियों को महाविद्यालय के नियमों, शैक्षणिक व्यवस्था और जिम्मेदारियों से अवगत कराते हुए पूरी निष्ठा से प्रशिक्षण प्राप्त करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के दौरान संकाय सदस्यों एवं नवागंतुक विद्यार्थियों के बीच परिचय सत्र हुआ, जिससे आपसी संवाद का सहज वातावरण बना। साथ ही प्रशिक्षुओं को पाठ्यक्रम व आगामी गतिविधियों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक, कर्मचारीगण एवं नवप्रशिक्षु उपस्थित रहे।

रानी सती दादी मंदिर में 20वां भादो अमावस्या महोत्सव संपन्न

प्रकाश पटवारी

रामगढ़: श्री मारवाड़ी सेवा ट्रस्ट की ओर से श्री रानी सती दादी मंदिर के भव्य प्रांगण में 20 वां भादो अमावस्या महोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। महोत्सव के चौथ और अंतिम दिन दादी जी का प्रातः सुबह 6:00 बजे से पाटा पूजा एवं सवामणि प्रसाद का भोग दादी भक्तों द्वारा लगाया गया। आज अंतिम दिन श्रधालुओं ने दादी जी कि चाव से श्रद्धा व विश्वास से पुजा कर सभी के खुशहाली की प्रार्थना की।

भारी बारिश के बीच भी दादी भक्तों का मेला दिन भर मंदिर में दर्शन के लिए लग रहा। दादी जी को 351 सवामणि का प्रसाद भोग दादी भक्तों द्वारा लगाया गया। भादो अमावस्या के इस मेलें में रामगढ़ की पूर्व विधायक सुनीता चौधरी एवं रामगढ़ थाना प्रभारी नवीन प्रकाश पांडे ने भ दादी जी का दर्शन कर आशीर्वाद लिया आशीर्वाद लिया।

बीती रात्रि दादी जी की अद्भुत शक्ति का नजारा देखने को मिला अमावस्या की पूर्व संध्या पर आयोजित कीर्तन से पूर्व मंदिर के गुंबज पर जबरदस्त वज्रपात हुआ जिससे मंदिर परिसर की सारी विद्युत उपकरण जल गए पर किसी भी प्रकार की श्रृद्धालुओं को आंच तक नहीं आई। अमावस्या के अवसर पर रामगढ़ एवं आसपास के क्षेत्र के हजारों दादी भक्तों ने दादी जी के चरणों में माथा टेक कर सुख शांति और समृद्धि की कामना की।

अशोक अग्रवाल के संयोजक में आयोजित उत्सव के दौरान श्री रानी सती महिला मंगल समिति की सदस्य द्वारा दादी जी को मीठे-मीठे भजन सुनाए गए। दादी जी के दरबार को बहुत ही सुंदर और आकर्षक फूलों से सजाया गया था। महाआरती एवं प्रसाद वितरण के साथ भादो अमावस्या महोत्सव का सफल समापन हुआ। इस उत्सव में शामिल होने वाली श्री रानी सती महिला मंगल समिति के सदस्यों में प्रमिला अग्रवाल, मंजू अग्रवाल, सुधा अग्रवाल, अनीता अग्रवाल, संगीता बुधिया, सीमा अग्रवाल, पिंकी अग्रवाल, सीमा मोदी, अनीता शर्मा आदि ने सेवाएं दी।

इस उत्सव को सफल बनाने में श्री मारवाड़ी सेवा ट्रस्ट के सदस्यों मे बजरंग लाल अग्रवाल, ओम प्रकाश अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, सुनील अग्रवाल, महेंद्र अग्रवाल, कमल किशोर सिंघानिया, सुभाष अग्रवाल, महेश अग्रवाल, अजय अग्रवाल, विमल बुधिया, नरेश अग्रवाल, शिवकुमार अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल, अभिषेक सिंघानिया, प्रमोद मोदी, निखिल अग्रवाल, कृष्ण अग्रवाल, विकास केडिया, इंदर अग्रवाल आदि सैकड़ो भक्त शामिल थे। श्री मारवाड़ी सेवा ट्रस्ट, दादी मंदिर परिवार की ओर से इस महोत्सव में शामिल होने वालों का तहे दिल से आभार और धन्यवाद प्रकट किया है।

झारखंड फुटबॉल संघ की बैठक को लेकर पूर्व खिलाड़ी, कोच व रेफरी हुए मुखर, कार्यप्रणाली की जांच की मांग

बिभा संवाददाता

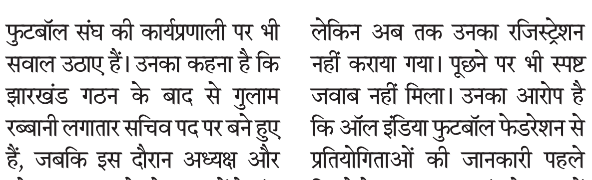

हजारीबाग : झारखंड फुटबॉल संघ की ओर से हजारीबाग में आयोजित बैठक को लेकर जिले के पुराने फुटबॉल खिलाड़ियों, कोच, रेफरी एवं संघ के पूर्व सदस्यों में नाराजगी है। पूर्व फुटबॉल खिलाड़ियों एवं संघ से जुड़े सदस्यों समेत अन्य लोगों ने बैठक में बुलाए गए लोगों तथा नई कमेटी के गठन को लेकर सवाल उठाए हैं।पुराने सभी खिलाड़ियों ने कहा कि बैठक में ऐसे लोगों को बुलाया गया, जो कभी संघ के सदस्य नहीं रहे। कुछ लोगों को तो पुराने खिलाड़ियों ने कभी फुटबॉल मैचों में भी नहीं देखा। उनका आरोप है कि हजारीबाग की पुरानी कमेटी को भंग किए बिना ही नए सदस्यों को जोड़कर नई कमेटी का गठन कर दिया गया। पुराने सदस्यों का कहना है कि संघ की परंपरा के अनुसार पहले पुरानी कमेटी को भंग किया जाता है और इसके बाद नई कमेटी का गठन होना चाहिए। पुराने खिलाड़ियों ने झारखंड फुटबॉल संघ की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि झारखंड गठन के बाद से गुलाम रब्बानी लगातार सचिव पद पर बने हुए हैं, जबकि इस दौरान अध्यक्ष और कोषाध्यक्ष बदलते रहे। सदस्यों ने संघ में परिवारवाद को बढ़ावा दिए जाने का भी आरोप लगाया। उनका कहना है कि पूर्व कमेटी के कोषाध्यक्ष, संयुक्त सचिव व अन्य सदस्यों के साथ नए लोगों को जोड़कर लगातार लीग मैच आयोजित किए जाते रहे हैं। पिछले वर्ष 28 टीमों के बीच लीग मैच कराया गया था। सदस्यों ने बताया कि कुछ पूर्व सदस्यों ने 72 खिलाड़ियों के पंजीयन के लिए दस्तावेज जमा किए थे, लेकिन अब तक उनका रजिस्ट्रेशन नहीं कराया गया। पूछने पर भी स्पष्ट जवाब नहीं मिला। उनका आरोप है कि ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन से प्रतियोगिताओं की जानकारी पहले मिलने के बावजूद झारखंड के सदस्यों को अंतिम समय में सूचना दी जाती है। इससे खिलाड़ियों और आयोजकों को परेशानी होती है। संतोष ट्रॉफी जैसे महत्वपूर्ण टूर्नामेंट में भी पर्याप्त समय नहीं मिलने की बात कही गई।

पुराने खिलाड़ियों ने संघ के कार्यकाल और कार्यप्रणाली की पूरी जांच कराने की मांग की है। सदस्यों ने कहा कि हजारीबाग में गठित नई कमेटी को लेकर उपायुक्त से मिलकर पूरी जानकारी दी जाएगी और आवश्यक कार्रवाई की मांग की जाएगी।

खेल मंत्री के निधन के बाद बैठक को लेकर भी जताई नाराजगी

छह सितंबर को खेल मंत्री सुदीप्त कुमार सोनू के निधन के बाद आठ सितंबर को हजारीबाग में बैठक आयोजित किए जाने पर भी सदस्यों ने नाराजगी जताई और इसकी निंदा की। सदस्यों ने कहा कि झारखंड फुटबॉल संघ के सचिव गुलाम रब्बानी गिरिडीह के हैं और हमारे खेल मंत्री भी गिरिडीह के थे, लेकिन खेल मंत्री के निधन के एक दिन बाद बैठक करना गुलाम रब्बानी की मानसिकता को दिखाता है। मौके पर लाल किशोर प्रसाद, अशोक भट्टाचार्य, नजरुल हसन, भैया मुरारी सिन्हा, सरफराज अहमद, बहादुर राम, महताब आलम, धनेश्वर गोप और सूरज सिंह थापा उपस्थित थे।

छात्रों पर लाठीचार्ज के विरोध में आजसू का प्रदर्शन

बिभा संवाददाता

हजारीबाग: झारखंड में जेपीएससी, जेएसएससी और सीजीएल परीक्षाओं को लेकर आंदोलन कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज के विरोध में आजसू पार्टी ने हजारीबाग में जोरदार प्रदर्शन किया। जिला परिषद चौक पर आजसू कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का पुतला दहन कर सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। आजसू नेताओं ने आरोप लगाया कि छात्रों की जायज मांगों को सुनने के बजाय सरकार दमन का रास्ता अपना रही है। उन्होंने लाठीचार्ज की घटना की निष्पक्ष सीबीआई जांच कराने की मांग की।नेताओं ने कहा कि लाठी-गोली के बल पर छात्रों की आवाज को दबाया नहीं जा सकता। सरकार को आंदोलन को कुचलने के बजाय छात्रों की मांगों पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ जमकर आक्रोश जताया और नारेबाजी की।

ब्रिक्स शक्ति-संघर्ष का अखाड़ा नहीं, सहयोग का सेतु बने

ललित गर्ग

कृत्रिम बुद्धिमत्ता इस सम्मेलन की सबसे महत्वपूर्ण चुनौतियों में से एक है। एआई ने चिकित्सा, शिक्षा, कृषि, उद्योग, वित्त और शासन के क्षेत्र में अभूतपूर्व संभावनाएं खोली हैं, लेकिन इसके साथ रोजगार, डेटा सुरक्षा, गलत सूचना, साइबर सुरक्षा और तकनीकी असमानता के खतरे भी बढ़े हैं।

नई दिल्ली में 12-13 सितंबर को होने वाला 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है, जब विश्व व्यवस्था गहरे संक्रमण से गुजर रही है। रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया का तनाव, आतंकवाद, व्यापारिक टकराव, ऊर्जा एवं खाद्य सुरक्षा की चिंता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता की तेज होती चुनौती और वैश्विक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर उठते प्रश्नों ने दुनिया के सामने अनेक अनुत्तरित सवाल खड़े कर दिए हैं। इसके साथ ही अमेरिका की व्यापार एवं रणनीतिक नीतियों से पैदा हो रहा दबाव भी वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहा है। ऐसे वातावरण में भारत की अध्यक्षता में होने वाला यह सम्मेलन केवल एक कूटनीतिक आयोजन नहीं, बल्कि बदलती विश्व व्यवस्था की दिशा तय करने का महत्वपूर्ण अवसर है। भारत ने अपनी अध्यक्षता का मूल मंत्र रखा है-लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के आधार पर भविष्य का निर्माण। ब्रिक्स अब 2006 में आरंभ हुई उस मूल अवधारणा से बहुत आगे निकल चुका है, जिसमें ब्राजील, रूस, भारत और चीन प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं के रूप में सामने आए थे और बाद में दक्षिण अफ्रीका भी इसमें शामिल हुआ। विस्तार के बाद यह 11 सदस्यीय समूह बन चुका है और इसका प्रभाव वैश्विक दक्षिण की राजनीति और अर्थव्यवस्था में लगातार बढ़ा है। वर्ष 2026 ब्रिक्स की स्थापना के दो दशक पूरे होने का वर्ष भी है। भारत के लिए यह अध्यक्षता इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि वह ब्रिक्स को किसी पश्चिम-विरोधी या अमेरिका-विरोधी मंच के रूप में नहीं, बल्कि विकासशील एवं उभरती अर्थव्यवस्थाओं की रचनात्मक, संतुलित और बहुपक्षीय आवाज के रूप में स्थापित करना चाहता है।

ब्राजील में 2025 के ब्रिक्स सम्मेलन में वैश्विक दक्षिण की आवाज को मजबूत करने, बहुपक्षीय व्यवस्था में सुधार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जिम्मेदार वैश्विक शासन, जलवायु वित्त, स्वास्थ्य, व्यापार और वित्तीय सहयोग जैसे विषयों पर महत्वपूर्ण सहमति बनी थी। रियो घोषणा में संयुक्त राष्ट्र व्यवस्था को अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण बनाने और वैश्विक संस्थाओं में सुधार की आवश्यकता पर बल दिया गया था। साथ ही स्थानीय मुद्राओं में वित्तीय लेन-देन, सीमा-पार भुगतान व्यवस्था और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करने की दिशा में भी आगे बढ़ने की बात कही गई थी। भारत को 2026 की अध्यक्षता सौंपते हुए ब्राजील ने नई दिल्ली से इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की अपेक्षा व्यक्त की थी। इस दृष्टि से दिल्ली सम्मेलन की पहली बड़ी कसौटी यही होगी कि ब्रिक्स घोषणाओं और वास्तविक उपलब्धियों के बीच की दूरी कितनी कम कर पाता है। भारत ने अध्यक्षता के दौरान 25 से अधिक शहरों में 350 से अधिक बैठकें और उच्चस्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए हैं। राजनीतिक एवं सुरक्षा सहयोग, आर्थिक एवं वित्तीय सहयोग तथा सांस्कृतिक एवं जन-जन संपर्क-इन तीनों क्षेत्रों में व्यावहारिक परिणामों पर जोर दिया गया है। इसलिए अब दुनिया की नजर इस बात पर होगी कि सम्मेलन के अंत में केवल लंबा संयुक्त घोषणापत्र सामने आता है या कुछ ऐसे ठोस फैसले भी होते हैं जिनका असर आने वाले वर्षों में दिखाई दे।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता इस सम्मेलन की सबसे महत्वपूर्ण चुनौतियों में से एक है। एआई ने चिकित्सा, शिक्षा, कृषि, उद्योग, वित्त और शासन के क्षेत्र में अभूतपूर्व संभावनाएं खोली हैं, लेकिन इसके साथ रोजगार, डेटा सुरक्षा, गलत सूचना, साइबर सुरक्षा और तकनीकी असमानता के खतरे भी बढ़े हैं। ब्राजील सम्मेलन में भी एआई के वैश्विक शासन को लेकर व्यापक चिंता व्यक्त की गई थी। भारत अब ब्रिक्स देशों के बीच एआई, उन्नत कंप्यूटिंग, क्वांटम तकनीक और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की दिशा में जोर दे रहा है। यदि ब्रिक्स तकनीक को कुछ शक्तिशाली देशों और कंपनियों के नियंत्रण से बाहर निकालकर विकासशील देशों की पहुंच तक ले जाने की प्रभावी व्यवस्था बना सके, तो यह उसकी बड़ी उपलब्धि होगी। दूसरी बड़ी चुनौती आर्थिक है। विश्व अर्थव्यवस्था में ब्रिक्स का वजन बढ़ रहा है, लेकिन समूह के भीतर आपसी व्यापार अभी भी उसकी संभावित क्षमता के अनुरूप नहीं है। भारत आपूर्ति श्रृंखलाओं को अधिक मजबूत और विविध बनाने, छोटे एवं मध्यम उद्योगों को वित्त उपलब्ध कराने तथा स्थानीय मुद्राओं में व्यापार को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहा है। जयपुर में हुई ब्रिक्स व्यापार मंत्रियों की बैठक में ब्रिक्स इकनोमिक पार्टनरशिप 2030, एमएसएमई के लिए वित्तीय सुविधा और अधिक संतुलित व्यापार जैसे मुद्दों पर प्रगति हुई है।

यहां 'डी-डॉलराइजेशन' का प्रश्न भी महत्वपूर्ण है, लेकिन भारत का दृष्टिकोण अत्यंत व्यावहारिक है। भारत किसी नई साझा ब्रिक्स मुद्रा के निर्माण की जल्दबाजी में नहीं है। इसके बजाय सीमा-पार डिजिटल भुगतान की ऐसी व्यवस्था विकसित करने पर जोर है, जिससे सदस्य देश अपनी-अपनी राष्ट्रीय मुद्राओं में अपेक्षाकृत सुगम व्यापार कर सकें। यह दृष्टिकोण अमेरिकी डॉलर के खिलाफ किसी राजनीतिक मोर्चेबंदी से अधिक वित्तीय स्वायत्तता और लेन-देन की सुविधा का प्रयास है। परंतु ब्रिक्स की सबसे बड़ी कमजोरी उसकी आंतरिक विविधता और मतभेद हैं। भारत और चीन के बीच सीमा एवं रणनीतिक अविश्वास की विरासत अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है। रूस और पश्चिम के बीच संघर्ष, ईरान से जुड़े तनाव तथा पश्चिम एशिया की जटिल परिस्थितियां भी ब्रिक्स के लिए साझा राजनीतिक रुख बनाना कठिन बनाती हैं। विशेष रूप से पश्चिम एशिया के मौजूदा संकट में ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों के अलग-अलग हित हैं। ऐसे में ब्रिक्स यदि हर अंतरराष्ट्रीय मुद्दे पर एकमत नहीं हो पाता तो यह उसकी सीमाओं को उजागर करेगा।

यही कारण है कि भारत के सामने इस सम्मेलन में सबसे कठिन कूटनीतिक संतुलन है। उसे चीन और रूस के साथ सहयोग भी बढ़ाना है, लेकिन अमेरिका और यूरोप सहित पश्चिमी देशों से अपने आर्थिक एवं रणनीतिक संबंध भी बनाए रखने हैं। भारत का हित किसी एक शक्ति-ध्रुव के साथ खड़े होने में नहीं, बल्कि बहुध्रुवीय विश्व में अपनी रणनीतिक स्वायत्तता मजबूत करने में है। ब्रिक्स को यदि केवल 'पश्चिम के विकल्प' के रूप में प्रस्तुत किया गया तो उसकी स्वीकार्यता सीमित हो सकती है, लेकिन यदि वह वैश्विक दक्षिण के विकास, शांति, तकनीकी समानता और न्यायपूर्ण प्रतिनिधित्व का मंच बनता है, तो उसका महत्व कहीं अधिक बढ़ेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लंबे समय से वैश्विक संस्थाओं में सुधार की आवश्यकता पर जोर देते रहे हैं। उनका तर्क है कि बीसवीं सदी में बनाई गई संस्थाओं को इक्कीसवीं सदी की वास्तविकताओं के अनुरूप बदलना होगा। आज विश्व अर्थव्यवस्था में जिन देशों का योगदान बढ़ा है, यदि उन्हें निर्णय प्रक्रिया में पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिलता तो संस्थाओं की विश्वसनीयता और प्रभावशीलता दोनों प्रभावित होती हैं। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक जैसी संस्थाओं में सुधार की मांग इसी व्यापक संदर्भ का हिस्सा है। ब्रिक्स इस मांग को संगठित आवाज देने का प्रभावी माध्यम बन सकता है।

लेकिन सम्मेलन की सफलता का वास्तविक पैमाना अमेरिका की आलोचना या पश्चिमी व्यवस्था को चुनौती देना नहीं होगा। सफलता तब मानी जाएगी जब ब्रिक्स दुनिया को बेहतर विकल्प दे-ऐसा विकल्प जिसमें आर्थिक सहयोग हो, तकनीकी साझेदारी हो, ऊर्जा एवं खाद्य सुरक्षा हो, आतंकवाद के विरुद्ध साझा प्रतिबद्धता हो, आपूर्ति श्रृंखलाओं की सुरक्षा हो, पर्यावरणीय संतुलन हो और विकासशील देशों की वास्तविक भागीदारी हो। भारत की 'वसुधैव कुटुम्बकम्' की भावना तभी सार्थक होगी, जब ब्रिक्स शक्ति-संघर्ष का नया अखाड़ा बनने के बजाय सहयोग का नया सेतु बने। अंततः दिल्ली सम्मेलन भारत की कूटनीतिक क्षमता की भी परीक्षा है और ब्रिक्स की प्रासंगिकता की भी। दुनिया आज युद्ध से अधिक शांति, प्रतिस्पर्धा से अधिक सहयोग और प्रभुत्व से अधिक साझेदारी चाहती है। मानवता का भविष्य केवल हथियारों, अंतरिक्ष अभियानों या कृत्रिम बुद्धिमत्ता की शक्ति में नहीं, बल्कि पृथ्वी पर रहने वाले मनुष्यों के बीच विश्वास, सह-अस्तित्व और साझा विकास में सुरक्षित है। यदि नई दिल्ली सम्मेलन घोषणाओं से आगे बढ़कर इस विश्वास को संस्थागत रूप देने की दिशा में कुछ ठोस कदम उठा सका, तो यह भारत की अध्यक्षता की बड़ी उपलब्धि होगी। अन्यथा ब्रिक्स भी अनेक वैश्विक मंचों की तरह उम्मीदें जगाने वाला, लेकिन अपेक्षाओं पर अधूरा उतरने वाला संगठन बनकर रह जाएगा।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

संपादकीय

पनीर का अर्थशास्त्र

एक समय देश में विशिष्ट खाद्य पदार्थ माने जाने वाले पनीर को लेकर आज गहराता अविश्वास चिंता की बात है। मुनाफे के लिये उपभोक्ता के विश्वास से खिलवाड़ का यह धंधा पूरे देश में खूब चल रहा है। दिल्ली में सामने आया नकली पनीर का मामला इसी कड़ी का एक हिस्सा है। निस्संदेह, ये मामले हमारी खाद्य सुरक्षा व्यवस्था की एक बड़ी कमजोरी को ही उजागर करते हैं। ये विडंबना ही है कि किसी उत्पाद की लागत, उसमें प्रयोग की जाने वाली वस्तुओं और ग्राहक को इस बाबत दी जाने वाली जानकारी में अकसर विरोधाभास पाया जाता है। देश में एनालॉग पनीर की धड़ल्ले से बिक्री के पीछे भी मुनाफे का प्रलोभन ही है। जिसमें वेजिटेबल फैट,स्टार्च, प्लांट प्रोटीन और गैर डेयरी उत्पादों को मिलाया जाता है। दरअसल, यह पनीर, असली दूध वाले पनीर की तुलना में काफी सस्ता होता है और उत्पादकों के मुनाफे को बढ़ाता है। जानकारों का अनुमान है कि कीमतों का यह अंतर चालीस से पचास फीसदी तक हो सकता है। ऐसे में जब रेस्टोरेंट,कैटरर और खाने-पीने के दूसरे कारोबार कम मुनाफे पर करते हैं तो महंगे पनीर के जगह सस्ता पनीर इस्तेमाल करने का लालच होना एक स्वाभाविक बात है। दरअसल, इसका मतलब यह कतई नहीं है कि हर एनालॉग प्रोडक्ट वास्तव में खाने की दृष्टि से असुरक्षित ही होता है। वास्तव में मुख्य समस्या धोखा देने की है। यदि किसी डेयरी पदार्थों से मुक्त विकल्प की पहचान स्पष्ट तौर पर एनालॉग पनीर के तौर पर की जाती है, तो ग्राहक सोच-समझकर उसको खरीदने के बारे में फैसला स्वतंत्र रूप से ले सकते हैं। लेकिन सबसे बड़ी बात इसको लेकर ईमानदारी न होना है। जब विक्रेता इसे दूध का पनीर बताकर बेचने लगते हैं तो उपभोक्ता निर्णय नहीं ले पाते। ऐसे में असली पनीर वाली पौष्टिकता उन्हें नहीं मिल पाती। निर्विवाद रूप से इस मामले में रेस्टोरेंट सबसे कमजोर कड़ी के रूप में सामने आते हैं। जिनका मुख्य मकसद अपने मुनाफे को प्राथमिकता देना ही होता है। वास्तव में जब भी कोई रेस्टोरेंट अपने किचन में एनालॉग पनीर आदि का इस्तेमाल करना शुरू करता है और उससे कोई व्यंजन बना लेता है तो ग्राहक नहीं समझ पाता है कि असली पनीर है या नकली पनीर है। देश के खाद्य पदार्थों का नियमन करने वाली संस्था एफएसएसएआई ने फूड-सर्विस देने वाले संस्थानों को स्पष्ट निर्देश दे रखे हैं कि वे यह सुनिश्चित करें कि पनीर वाली डिश में एनालॉग पनीर का इस्तेमाल ग्राहकों को सही जानकारी दिए बिना न किया जाए। इस विवाद के चलते देश के कई राज्यों ने कृत्रिम पनीर के खिलाफ सख्त कदम उठाए हैं। पंजाब सरकार ने इसके बनाने, संग्रहण करने, ट्रांसपोर्ट करने, बांटने और पनीर के नाम पर बेचने पर एक साल के लिये रोक लगा दी है। लेकिन यह भी एक हकीकत है कि एनालॉग पनीर के खिलाफ छापेमारी और उस पर प्रतिबंध लगाने मात्र से यह समस्या हल नहीं होने वाली है। दरअसल, नियामकों को उन आर्थिक कारणों पर भी गंभीरता से ध्यान देना होगा, जिसकी वजह से असली पनीर की जगह नकली पनीर का इस्तेमाल धड़ल्ले से किया जा रहा है। वास्तव में पनीर की जांच और गुणवत्ता के असली पनीर की उपलब्धता को सुनिश्चित करना जरूरी है। साथ ही तमाम रेस्टोरेंट व होटलों को उन खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता के लिये जवाबदेह बनाना होगा, जिन्हें वे खरीदते हैं और ग्राहकों को परोसते हैं।

चिंतन-मनन

ज्ञेय और ज्ञान का संबंध

दर्शन के क्षेत्र में ज्ञान और ज्ञेय की मीमांसा चिरकाल से होती रही है। आदर्शवादी और विज्ञानवादी दर्शन ज्ञेय की स्वतंत्र सत्ता स्वीकार नहीं करते। वे केवल ज्ञान की ही सत्ता को मान्य करते हैं। अनेकांत का मूल आधार यह है कि ज्ञान की भांति ज्ञेय की भी स्वतंत्र सत्ता है। द्रव्य ज्ञान के द्वारा जाना जाता है, इसलिए वह ज्ञेय है। ज्ञेय चैतन्य के द्वारा जाना जाता है, इसलिए वह ज्ञान है। ज्ञेय और ज्ञान अन्योन्याश्रित नहीं हैं। ज्ञेय है, इसलिए ज्ञान है और ज्ञान है इसलिए ज्ञेय है, इस प्रकार यदि एक के होने पर दूसरे का होना सिद्ध हो तो ज्ञेय और ज्ञान दोनों की स्वतंत्र सत्ता सिद्ध नहीं हो सकती। द्रव्य का होना ज्ञान पर निर्भर नहीं है और ज्ञान का होना द्रव्य पर निर्भर नहीं है। इसलिए द्रव्य और ज्ञान दोनों स्वतंत्र हैं। ज्ञान के द्वारा द्रव्य जाना जाता है, इसलिए उनमें ज्ञेय और ज्ञान का संबंध है। ज्ञेय अनंत है और ज्ञान भी अनंत है। अनंत को अनंत के द्वारा जाना जा सकता है। जानने का अगला पर्याय है कहना। अनंत को जाना जा सकता है, कहा नहीं जा सकता। कहने की शक्ति बहुत सीमित है। जिसका ज्ञान अनावृत्त होता है, वह भी उतना ही कह सकता है जितना कोई दूसरा कह सकता है। भाषा की क्षमता ही ऐसी है कि उसके द्वारा एक बार में एक साथ एक ही शब्द कहा जा सकता है।

डोनाल्ड ट्रंप के गुरु हैं मोदी?

सनत जैन

अमेरिका सहित दुनिया के देशों में मोदी मॉडल की गूंज...

क्या दुनिया की सबसे पुरानी लोकतांत्रिक व्यवस्था अब दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र से चुनाव जीतने के नए-नए तरीके सीख रही है? यह सवाल इसलिए महत्वपूर्ण हो गया है, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में भारत की चुनाव व्यवस्था का सार्वजनिक रूप से उल्लेख करते हुए, उसे अमेरिका के लिए उदाहरण के तौर पर पेश किया है। अगस्त में ट्रंप ने भारत के मतदाता पहचान पत्र और नागरिकता सत्यापन व्यवस्था का हवाला देते हुए अमेरिकी चुनावों में कड़े पहचान नियम लागू करने की वकालत की। सीधे यह कहना कि ट्रंप, नरेंद्र मोदी के शिष्य बन गए हैं, ठीक नहीं है, लेकिन जिस तरह से नरेंद्र मोदी को ट्रम्प फॉलो कर रहे हैं, दोनों नेताओं की राजनीति में कुछ दिलचस्प और विचित्र समानताएं जरूर दिखने को मिलती हैं। यही तुलना इस तरह के विचार को बल देती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले वर्षों में एक मजबूत राजनीतिक ब्रांड विश्व गुरु के रूप में भारत सहित सारी दुनिया में अपने आपको पेश किया है। समर्थक उन्हें विश्व मंच पर भारत की प्रभावी आवाज और विश्व गुरु के रूप में पिछले कई वर्षों से प्रस्तुत करते हैं। मोदी को विभिन्न देशों से अनेक सर्वोच्च नागरिक सम्मान मिले हैं। दुनिया के किसी भी राष्ट्रॉध्यक्ष को इतने कम समय में इतने सम्मान नहीं मिले हैं। किसी नेता की अंतर्राष्ट्रीय लोकप्रियता और उसकी चुनावी रणनीति तथा लंबे समय तक सत्ता में बने रहने को उसकी सफलता से जोड़कर देखा जाता है। ट्रंप की राजनीति का सबसे बड़ा हथियार उनकी सीधी, आक्रामक और जोखिम लेने वाली शैली है। दूसरे कार्यकाल में उन्होंने टैरिफ को आर्थिक और राजनीतिक हथियार के रूप में इस्तेमाल किया। इसके परिणामस्वरूप अमेरिका में महंगाई और आर्थिक दबाव बना। आईएमएफ के अनुसार 2025 में अमेरिकी महंगाई पर टैरिफ का बड़ा असर दिखाई दिया। अमेरिका का सरकारी कर्ज 123.9 प्रतिशत जीडीपी की तुलना पर पहुंच गया। कुछ ऐसी ही स्थिति भारत की है। पिछले 12 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में भारत के ऊपर कर्ज बढ़ता ही जा रहा है। अब असली समानता अर्थव्यवस्था से ज्यादा चुनावी राजनीति में दिखाई देने लगी है। भारत की चुनावी राजनीति में मतदाता पहचान, नागरिकता, मतदाता सूची और सत्यापन जैसे मुद्दे महत्वपूर्ण हैं। भारत में चुनाव आयोग की कार्य प्रणाली को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं हो रही हैं। पिछले वर्षों में चुनाव आयोग को लेकर बहुत सारे मामले हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट भी गए हैं। इसके बाद भी डोनाल्ड ट्रंप इन्हीं मुद्दों को अमेरिकी में लाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने भारत की चुनाव व्यवस्था का उदाहरण देते हुए सेव एक्ट के समर्थन में नागरिकता प्रमाण और फोटो आईडी जैसी शर्तों की वकालत अमेरिका में शुरू कर दी है। भारत की एसआईआर और अमेरिका में प्रस्तावित चुनावी नियमों को समान बताना सही नहीं होगा। दोनों देशों की चुनाव व्यवस्था, संघीय ढांचा और मतदाता पंजीकरण प्रणाली अलग है। इसके बाद भी ट्रंप भारत की व्यवस्था को अमेरिका में लागू करने की कोशिश कर रहे हैं। अब आते हैं, सबसे दिलचस्प मुद्दे रेवड़ी या चुनाव के पहले मतदाताओं को आर्थिक सहायता देकर अपने पक्ष में करना। 9 सितंबर 2026 को ट्रंप ने घोषणा की है, यदि रिपब्लिकन पार्टी प्रतिनिधि सभा और सीनेट दोनों में बहुमत बनाए रखती है। तो अमेरिकी वयस्क नागरिकों को 5,000 डॉलर का डिविडेंड दिया जाएगा। इसका संभावित खर्च एक ट्रिलियन डॉलर से अधिक होगा। भारत में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा कथित तौर पर 15 लाख रुपये चुनाव जीतने पर देने का वादा किया गया था, जिसे बाद में चुनावी जुमला करार दिया गया। चुनाव के पहले भारत में इस तरह की घोषणा पिछले कई चुनाव में देखने को मिल रही हैं। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी चुनावी सभाओं में इसे फ्री की रेवड़ी कहते थे। चुनाव के ठीक पहले अब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी यही रास्ता अखत्यार किया है। यहीं से वर्तमान राजनीति के नए समीकरण शुरू होते हैं। बड़ी संख्या में मतदाताओं को नगद राशि देकर अपने पक्ष में मतदान कराकर चुनाव जीतना। पहले नेता की छवि, राजनीतिक दल की विचारधारा, राष्ट्रवाद, आम जनता के लिए घोषणा पत्र, जिसमें सरकार किस तरह से काम करेगी इसका उल्लेख होता था। विपक्षी पार्टी के खिलाफ प्रचार कर उनकी स्थिति को कमजोर करना चुनाव लड़ने का माध्यम होता था। पिछले एक दशक में सारी दुनिया के देशों में राजनीति की दिशा और दशा बदली है। जो सत्ता में काबिज है वह सत्ता छोड़ना नहीं चाहता है। चीन, अमेरिका, इजराइल एवं अन्य लोकतांत्रिक देशों के शासक अपना पद छोड़ना नहीं चाहते हैं। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भी कहा था वह तीसरी बार अमेरिका के राष्ट्रपति बनना चाहते हैं। क्या यह मोदी मॉडल है? कहना जल्दबाजी होगी। इतना जरूर कहा जा सकता है, जिस तरह भारतीय राजनीति में नेतृत्व की व्यक्तिगत छवि, अधिकारों का केंद्रीकरण, जनसंपर्क, राष्ट्रहित, धार्मिक ध्रुवीकरण, फ्री की रेवड़ी जैसी योजनाएं चुनावी रणनीति का हिस्सा हैं, वैसी ही प्रवृत्तियां अमेरिकी राजनीति में भी दिखाई दे रही हैं। असली सवाल यह नहीं है, मोदी ट्रंप के गुरु हैं या नहीं। असली सवाल यह है, क्या दुनिया की लोकतांत्रिक राजनीति अब एक-दूसरे देश से चुनाव जीतने की तकनीक सीख रही है? ट्रंप भारत से सबक ले रहे हैं, तो यह भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकतांत्रिक शक्ति की उपलब्धि मानना होगा। लोकतंत्र की सफलता केवल चुनाव जीतने में नहीं, बल्कि निष्पक्ष मतदाता सूची, स्वतंत्र संस्थाओं, पारदर्शी चुनाव, मजबूत अर्थव्यवस्था और नागरिक अधिकारों की रक्षा से होती है। इस दृष्टि से भविष्य में सवाल पूछेगा, पहले भारत व्यवस्था में अमेरिका से प्रेरणा लेता था, अब समय बदला है। अमेरिका जैसा विकसित राष्ट्र भारत से चुनावी राजनीति सीख रहा है? अगर ऐसा है, तो इसे भारत की बड़ी वैश्विक उपलब्धि माना जाएगा। जिस तरह की शासन व्यवस्था विकसित हो रही है उसमें लोकतांत्रिक व्यवस्था और नागरिक अधिकार धीरे-धीरे खत्म हो रहे हैं, पूंजीवादी व्यवस्था का निर्माण हो रहा है। इससे भी इनकार नहीं किया जा सकता है।

बिहार में बाढ़ की बड़ी चुनौती के बीच राहत का सहारा

कांतिलाल मांडोत

नदियों के उफान से लाखों प्रभावित, प्रशासन ने भोजन से लेकर नाव और चिकित्सा तक बढ़ाई व्यवस्था...

बिहार इस समय बाढ़ की गंभीर चुनौती से गुजर रहा है। राज्य की प्रमुख नदियों गंगा, कोसी और गंडक के जलस्तर ने कई जिलों में जनजीवन को प्रभावित किया है। 14 जिलों के 82 से अधिक प्रखंडों और सैकड़ों ग्राम पंचायतों में लाखों लोग बाढ़ की चपेट में हैं। कहीं घरों में पानी घुस गया है तो कहीं गांवों का संपर्क मुख्य मार्गों से टूट गया है। खेतों में पानी भरने से खेती प्रभावित हुई है और रोजमर्रा की जरूरतों के लिए भी लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे समय में सबसे बड़ी चुनौती बाढ़ के पानी के बीच प्रभावित परिवारों तक भोजन, पीने का पानी, दवाइयां और सुरक्षित आवागमन की सुविधा पहुंचाना है।

बाढ़ की भयावहता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि राज्य के करीब 40 लाख से अधिक लोग इसके प्रभाव में बताए जा रहे हैं। पटना, भोजपुर, सारण, वैशाली, भागलपुर, बेगूसराय, बक्सर, समस्तीपुर, मुंगेर, कटिहार, लखीसराय, खगड़िया, पूर्णिया और अरवल जैसे जिलों में बाढ़ का असर व्यापक है। कई स्थानों पर पानी गांवों के भीतर तक पहुंच गया है। निचले इलाकों में रहने वाले परिवारों के लिए सुरक्षित स्थान तक पहुंचना आसान नहीं है। सड़कों और संपर्क मार्गों पर पानी आने के कारण नाव ही कई जगहों पर आवागमन का प्रमुख साधन बनी हुई है।

हालांकि बाढ़ की स्थिति एक जैसी नहीं है। कोसी और सोन के जलस्तर में कमी आने से कुछ इलाकों में राहत की उम्मीद बनी है। गंडक के जलस्राव में भी स्थिरता दिखाई दे रही है। लेकिन गंगा का जलस्तर अब भी चिंता का कारण बना हुआ है। भागलपुर के सुल्तानगंज में गंगा का जलस्तर 36.80 मीटर दर्ज किया गया, जो वर्ष 2021 में दर्ज किए गए पिछले उच्चतम बाढ़ स्तर से थोड़ा ऊपर है। ऐसे में नदी किनारे बसे गांवों और निचले क्षेत्रों में प्रशासन को लगातार निगरानी रखनी पड़ रही है। बाढ़ का पानी घटने की स्थिति में भी खतरा पूरी तरह समाप्त नहीं माना जा सकता, क्योंकि बारिश और ऊपरी क्षेत्रों से आने वाले पानी के कारण जलस्तर में दोबारा वृद्धि हो सकती है। बाढ़ के दौरान सबसे महत्वपूर्ण सवाल प्रभावित लोगों के भोजन का होता है। जिन परिवारों के घर पानी से घिर जाते हैं, उनके लिए घर में रखा अनाज और खाना पकाने की व्यवस्था लंबे समय तक बनाए रखना मुश्किल होता है। इसे ध्यान में रखते हुए राज्य में सैकड़ों सामुदायिक रसोइयां संचालित की जा रही हैं। इन रसोइयों के माध्यम से लाखों लोगों को सुबह और शाम भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। यह व्यवस्था केवल भोजन पहुंचाने तक सीमित नहीं है, बल्कि बाढ़ में फंसे परिवारों के लिए जीवन की सबसे जरूरी जरूरत पूरी करने का माध्यम बनी हुई है। राहत शिविरों में बच्चों के लिए दूध की व्यवस्था और महिलाओं के लिए आवश्यक स्वच्छता सामग्री उपलब्ध कराने की पहल भी महत्वपूर्ण है। बाढ़ पीड़ितों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के साथ उनके अस्थायी रहने की व्यवस्था भी प्रशासन के सामने बड़ी जिम्मेदारी है। राहत शिविरों में हजारों लोगों के रहने, भोजन और उपचार की व्यवस्था की गई है। जिन परिवारों के मकान पानी से घिर गए हैं या जिनके घरों में रहना सुरक्षित नहीं है, उनके लिए ऐसे शिविर अस्थायी आश्रय का काम कर रहे हैं। इन शिविरों में साफ-सफाई, पेयजल, शौचालय और स्वास्थ्य सुविधाओं पर विशेष ध्यान देना जरूरी है, क्योंकि लंबे समय तक बाढ़ का पानी रहने से बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। बाढ़ के बाद सबसे अधिक चिंता बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं और गंभीर बीमारी से पीड़ित लोगों को लेकर होती है। सामान्य परिस्थितियों में अस्पताल तक पहुंचना आसान होता है, लेकिन पानी से घिरे गांवों में यह काम कठिन हो जाता है। इसी वजह से प्रभावित इलाकों में चिकित्सा शिविर लगाए गए हैं और नावों के माध्यम से भी स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जा रही हैं। नाव से चलने वाली चिकित्सकीय व्यवस्था उन क्षेत्रों के लिए विशेष रूप से उपयोगी है जहां सड़क संपर्क बाधित हो चुका है। दवाइयों की उपलब्धता के साथ चिकित्सकीय दलों की नियमित मौजूदगी बाढ़ पीड़ितों को बड़ी राहत दे सकती है।

प्रशासन की ओर से प्रभावित परिवारों को तिरपाल और सूखा राशन भी उपलब्ध कराया जा रहा है। एक लाख से अधिक तिरपाल और हजारों सूखा राशन पैकेट वितरित किए जाने की जानकारी है। जिन परिवारों के घरों में पानी घुस गया है, उनके लिए तिरपाल तत्काल आश्रय उपलब्ध कराने में मददगार हैं। वहीं सूखा राशन उन क्षेत्रों में जरूरी है जहां सामान्य भोजन सामग्री पहुंचाना कठिन हो रहा है। बाढ़ केवल मनुष्य ही नहीं, पशुधन को भी प्रभावित करती है। ग्रामीण परिवारों के लिए पशु उनकी आजीविका का महत्वपूर्ण आधार होते हैं। इसलिए हजारों क्विंटल पशुचारा वितरित किया जाना राहत कार्य का जरूरी हिस्सा है। आवागमन की समस्या से निपटने के लिए बड़ी संख्या में नावों का संचालन किया जा रहा है। बाढ़ के समय नाव केवल यातायात का साधन नहीं रहती, बल्कि भोजन, दवा और राहत सामग्री पहुंचाने से लेकर लोगों को सुरक्षित स्थानों तक निकालने का महत्वपूर्ण माध्यम बन जाती है। प्रभावित क्षेत्रों में बचाव कार्य के लिए राज्य आपदा मोचन बल और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल की टीमें भी तैनात की गई हैं। इन दलों की मौजूदगी किसी आकस्मिक स्थिति में तेजी से बचाव अभियान चलाने के लिए जरूरी है। खासकर रात के समय या अचानक जलस्तर बढ़ने की स्थिति में प्रशिक्षित बचाव दलों की भूमिका और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। बाढ़ के दौरान अंतिम संस्कार जैसी मानवीय और सामाजिक जरूरतें भी प्रभावित होती हैं। नदी किनारे बने अनेक श्मशान घाट पानी में डूब जाने से परिवारों के सामने कठिन परिस्थितियां पैदा हो गई हैं। ऐसी स्थिति में प्रशासन को प्रभावित क्षेत्रों में वैकल्पिक स्थान उपलब्ध कराने तथा आवश्यक सहयोग देने की व्यवस्था करनी चाहिए। संकट की घड़ी में सम्मानजनक अंतिम संस्कार की सुविधा भी राहत कार्य का अभिन्न हिस्सा है। बिहार में इस वर्ष बारिश का कुल आंकड़ा सामान्य से कम रहा है, लेकिन सितंबर में वर्षा सामान्य से अधिक दर्ज की गई है। यही असमान वर्षा बाढ़ की स्थिति को जटिल बना रही है। आने वाले दिनों में भी कुछ क्षेत्रों में बारिश की संभावना है, इसलिए नदी किनारे बसे लोगों को सतर्क रहने की आवश्यकता है। प्रशासन के लिए भी चुनौती यही है कि राहत व्यवस्था केवल वर्तमान स्थिति तक सीमित न रहे, बल्कि अगले कुछ दिनों की संभावित बारिश और जलस्तर को ध्यान में रखकर पहले से तैयारी रखी जाए। बाढ़ के बीच सबसे बड़ी उम्मीद राहत और बचाव व्यवस्था की मजबूती से जुड़ी है। सामुदायिक रसोइयों से भोजन, राहत शिविरों में आश्रय, नावों से आवागमन, चिकित्सा शिविरों से उपचार, बच्चों के लिए दूध, महिलाओं के लिए जरूरी सामग्री और पशुओं के लिए चारे की व्यवस्था यह बताती है कि संकट के समय राहत तंत्र को कई स्तरों पर काम करना पड़ता है।

गुलाब की खेती

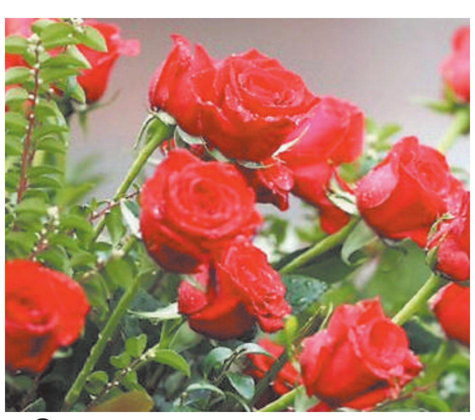

भूमिका

गुलाब अपनी उपयोगिताओं के कारण सभी पुष्पों में महत्त्वपूर्ण स्थान रखता है। आमतौर पर गुलाब का पौधा ऊंचाई में 4-6फुट का होता है। तने में असमान कांटे लगे होते हैं। गुलाब की 5 पत्तियां मिली हुई होती है। बहुत मात्रा में मिलने वाला गुलाब का फूल गुलाबी रंग का होता है। गुलाब का फल अंडाकार होता है। इसका तना कांटेदार, पत्तियां बारी-बारी से घेरे में होती है। पत्तियों के किनारे दांतेदार होती है। फल मांसल बेरी की तरह होता है जिसे 'रोज हिप' कहते हैं। गुलाब का पुष्पवृन्त कोरिम्बोस, पेनीकुलेट या सोलिटरी होता है।

गुलाब एक भारतीय पुष्प है। पूरे भारत में गुलाब के पौधे पाए जाते हैं। गुलाब का वैज्ञानिक नाम रोजा हाइब्रिडा है। देशी गुलाब लाल रंग का होता है। परन्तु कलम करके कई रंगो के गुलाब उगाए जाते हैं। गुलाब एक ऐसा फूल है, जिसके बारे में सब जानते हैं। गुलाब का फूल दिखने में जितना अधिक सुन्दर होता है। उससे कहीं ज़्यादा उसमें औषधीय गुण होते हैं। यह सबसे पुराना सुगन्धित पुष्प है, जो मनुष्य के द्वारा उगाया जाता था। इसके विभिन्न प्रकार के सुन्दर फूल जो कि आर्कषक, आकृति, विभिन्न आकार, मन को लुभाने वाले रंगों और अपने विभिन्न उपयोगिताओं के कारण एक महत्त्वपूर्ण पुष्प माना जाता है।

गुलाब की उपज भूमि की उर्वरा शक्ति फसल की देखरेख एवं प्रजातियों पर निर्भर करती हैढ्ढ फूलों का गुण हैं खिलना, खिल कर महकना, सुगंध बिखेरना, सौंदर्य देना और अपने देखने वाले को शांति प्रदान करना। फूलों की इस खूबसूरत दुनिया में गुलाब का एक ख़ास स्थान है क्योंकि इसे सौंदर्य, सुगंध और खुशहाली का प्रतीक माना गया है। तभी तो इसे 'पुष्प सम्राट' की संज्ञा दी गयी है और 'गुले-आप', यानी फूलों की रौनक भी कहा गया है। इस की भीनीभीनी मनमोहक सुगंध, सुन्दरता, रंगों की विविध किस्मों के कारण हर प्रकृति प्रेमी इसे अपनाना चाहता है।

भारत में गुलाब हर जगह उगाया जाता है। बागबगीचों, खेतों, पार्कों, सरकारी व निजी इमारतों के अहातों में, यहाँ तक कि घरों की ग्रह-वाटिकाओं की क्यारियों और गमलों में भी गुलाब उगा कर उस का आनंद लिया जाता है। गुलाब पूरे उत्तर भारत में, खासकर राजस्थान में तथा बिहार और मध्य प्रदेश में जनवरी से अप्रैल तक खूब खिलता है। दक्षिण भारत में खासतौर पर बंगलौर में और महारास्ट्र और गुजरात में भी गुलाब की भरपूर खेती होती है।

गुलाब को घर पर गमले में खिड़की की मंजूषा में, रसोई बगीचे की क्यारी में, आँगन में उगाने के लिए पर्याप्त धूप का होना एक आवश्यक शर्त है। गुलाब को दिन में कम से कम छः से आठ घंटे की खुली धूप होना आवश्यक है। गुलाब के पौधों के लिए पर्याप्त जीवांशयुक्त मिट्टी अच्छी होती है। बहुत चिकनी मिट्टी इसके अनुकूल नहीं होती है। मिट्टी का जल निकास और वायुसंचार सुचारु होना चाहिए। भूमि में हल्की नमी बनी रहना चाहिए। गुलाब को विश्वभर में पसंद किया जाता है। इस पर व्यापक अनुसंधान एवं विकास कार्य किए गए हैं। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गुलाब प्रेमियों के संगठन हैं, जो नई किस्मों के विकास, परिचिन्हन, मानकीकरण आदि करते हैं। इसके अनुसार पौधों की बनावट, ऊँचाई, फूलों के आकार आदि के आधार पर इन्हें निम्न वर्गों में बाँटा गया है।

गुलाब का व्यवसाय

गुलाब की खेती व्यावसायिक स्तर पर करके काफी लाभ कमाया जा सकता है। गुलाब की खेती बहुत पहले से पूरी दुनिया में की जाती हैढ्ढ इसकी खेती पूरे भारतवर्ष में व्यवसायिक रूप से की जाती हैढ्ढ गुलाब के फूल डाली सहित या कट फ्लावर तथा पंखुड़ी फ्लावर दोनों तरह के बाजार में व्यापारिक रूप से पाये जाते हैढ्ढ गुलाब की खेती देश व विदेश निर्यात करने के लिए दोनों ही रूप में बहुत महत्वपूर्ण हैढ्ढ गुलाब को कट फ्लावर, गुलाब जल, गुलाब तेल, गुलकंद आदि के लिए उगाया जाता हैढ्ढ गुलाब की खेती मुख्यतः कर्नाटक, तमिलनाडु, महाराष्ट्रा, बिहार, पश्चिम बंगाल ,गुजरात, हरियाणा, पंजाब, जम्मू एवं कश्मीर, मध्य प्रदेश, आंध्रा प्रदेश एवं उत्तर प्रदेश में अधिक की जाती हैढ्ढ

फूल के हाट में गुलाब के गजरे खूब बिकते हैं। गुलाब की पंखुडियों और शक्कर से गुलकन्द बनाया जाता है। गुलाब जल और गुलाब इत्र के कुटीर उद्योग चलते है। उत्तर प्रदेश में कन्नौज, जौनपुर आदि में गुलाब के उत्पाद की उद्योगशाला चलती है। दक्षिण भारत में भी गुलाब के उत्पाद के उद्योग चलते हैं। दक्षिण भारत में गुलाब फूलों का खूब व्यापार होता है। मन्दिरों, मण्डपों, समारोहों, पूजा-स्थलों आदि स्थानों में गुलाब फूलों की भारी खपत होती है। यह अर्थिक लाभ का साधन है। वहाँ हजारों ग्रामीण युवा फूलों को अपनी आय का माध्यम बना लेते हैं।

गुलाब की खेती के लिए आवश्यक सावधानियां

बरसात के मौसम में गमलों और क्यारियों में बहुत देर तक पानी भरा न रहने दें।

हर साल, पौधों की छंटाई कर, गमले के ऊपर की 2-3 इंच मिट्टी निकाल कर उस में उतनी ही गोबर की सड़ी खाद भर दें।

हर 2-3 साल के बाद सम्पूर्ण पौधे को मिट्टी सहित नए गमले में ट्रांसफर कर दें। चाहें तो गमले की मिट्टी बदल कर ताजा मिश्रण भरें।

यह प्रक्रिया सितम्बर-अक्टूबर में करें।

गुलाब की किस्में

भारत में उगाई जाने वाली गुलाब की परम्परागत किस्में हैं, जो देश के अलगअलग इलाकों में उगाई जाते हैं, विदेशों से भी

अलगअलग किस्में मांगा कर उन का 'संकरण' (2 किस्मों के बीच क्रास) कर के अनेक नई व उन्नत किस्में तैयार की गयी हैं, जो अब अपने देश में बहुत लोकप्रिय हैं।

गुलाब की विदेशी किस्में जर्मनी, जापान, फ्रास, इंग्लैण्ड, अमेरिका, आयरलैंड, न्यूजीलैंड और आस्ट्रेलिया से मंगाई गयी हैं। भारतीय गुलाब विशेषज्ञों ने देशी किस्मों में भी नयी विकसित 'संकर' (हाईब्रिड) किस्में जोड़ कर गुलाब की किस्मों की संख्या में वृद्धि की है। इस दिशा में दिल्ली स्थित भारती कृषि अनुसंधान संस्थान का अनुसंधान कार्य ख़ास उल्लेखनीय है। दक्षिण भारत में भारतीय बागबानी अनुसंधान संसथान, बंगलौर ने भी किस्मों के विकास और वृद्धि में भरपूर कार्य किया है। मात्र शौक और सजावट के लिये गुलाब का पौधा जब गमले में उगाया जाए तो किस्मों का चुनाव भी उसी के अनुसार किया जाना चाहिए। व्यावसायिक स्तर पर गुलाब की खेती करनी हो तो वैसी ही किस्मों का चयन करें। इस बारे में प्राय~ सभी बड़ी नर्सरियों में पूरी जानकारी मिल सकती है। दिल्ली में हों तो भारतीय कृषि अनुसंधान पूसा के पुष्प विज्ञान विभाग से उचित जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

वैसे तो विश्व भर में गुलाब की किस्मों की संख्या लगभग 20 हजार से अधिक है, जिन्हें विशेषज्ञों ने विभिन्न वर्गों में बांटा है लेकिन तक्नीकी तौर पर गुलाब के 5 मुख्य वर्ग हैं, जिन का फूलों के रंग, आकार, सुगंध और प्रयोग के अनुसार विभाजन किया गया है, जो इस प्रकार है~ हाईब्रिड टीज, फ्लोरीबंडा, पोलिएन्था वर्ग, लता वर्ग और मिनिएचर वर्ग।

हाईब्रिड टीज वर्ग

यह बड़े आकार के गुलाबों का एक महत्वपूर्ण वर्ग है, जिस में टहनी के ऊपर या सिरे पर एक ही फूल खिलता है, इस वर्ग की अधिकतर किस्में यूरोप और छीन के 'टी' गुलाबों के 'संकर' (क्रास) से तैयार की गयी है, इस वर्ग की भारतीय किस्में हैं ~ डा.होमी भाभा, चितवन, भीम, चित्रलेखा, चंद्बंदीकली, गुलजार, मिलिंद, मृणालिनी, रक्त्गंधा, सोमा, सुरभी, नूरजहाँ, मदहोश, डा. बैंजमन पाल आदि।

हाइब्रिड टी (एचटी),इस वर्ग के पौधे बड़े, ऊँचे व तेजी से बढ़ने वाले होते हैं। इस वर्ग की प्रमुख किस्में अर्जुन, जवाहर, रजनी, रक्तगंधा, सिद्धार्थ, सुकन्या आदि हैं। इनके पुष्प शाखा के सिरे पर बड़े आकर्षक लगते हैं। एक शाखा के सिरे पर एक ही फूल आता है।

फ्लोरीबंडा वर्ग

यह हाईब्रिड टीज और पोलिएन्था गुलाबों के संकर (मिलन) से विकसित किये गए गुलाबों का वर्ग है। इस के फूल उपेक्षाकृत छोटे किन्तु गुच्छों में खिलतें हैं और आकार व वजन में बढ़िया होते हैं। इस वर्ग के फूल गृहवाटिका की क्यारियों और गमलों में ज्यादा देखने को मिलते हैं। इस किस्म की विशेषता है कि इन के पौधे कम जगह में ही उगा कर पर्याप्त

फ्लोरीबंडा, इसके पौधे मध्यम लंबाई वाले होते हैं, इनमें फूल भी मध्यम आकार के और कई फूल एक साथ एक ही शाखा पर लगते हैं। इनके फूलों में पंखुड़ियों की संख्या हाइब्रिड टी के फूलों की अपेक्षा कम होती हैं। इस वर्ग की प्रमुख किस्में बंजारन, आम्रपाली, ज्वाला, रांगोली, सुषमा आदि हैं।

ग्रेन्डीफ्लोरा

यह उपरोक्त दोनों किस्मों के संयोग से तैयार किया गया है। गुलदानों में इस वर्ग के फूलों को अधिक पसंद किया जाता है। बड़े स्तर पर खेती के लिए इस वर्ग का अधिक उपयोग किया जाता है। गोल्ड स्पॉट, मांटेजुआ, क्वीन एलिजाबेथ इस वर्ग की प्रचलित किस्में हैं।

पॉलिएन्था

इस वर्ग के पौधों को घरेलू बगीचों व गमलों में लगाने के लिए पसंद किया जाता है। क्योंकि इनमें मध्यम आकार के फूल अधिक संख्या में साल में अधिक समय तक आते रहते हैं। इस वर्ग की प्रमुख किस्में स्वाति, इको, अंजनी आदि हैं।

मिनिएचर वर्ग

इस के पौधे, पट्टियां और फूल सभी छोटे होते हैं। पौधे कलामों द्वार उगे जाते हैं। यह गमलों, पतियों आदि में उगाने की उपयुक्त किस्म है। गृहवाटिका की क्यारियों के चारों ओर बार्डर लगाने के लिये भी उपयुक्त है। गुलाब के फूल खिलने का मौसम (अक्टूबर से मार्च) में इस किस्म के गुलाब खूब खिलते हैं। विभिन्न रंगों लगते हैं। इन्हें बड़े शहरों में बंगलों, फ्लैटों आदि में छोटे गमलों में लगाया जाना उपयुक्त रहता है, परंतु धूप की आवश्यकता अन्य गुलाबों के समान छः से आठ घंटे आवश्यक है। इस वर्ग की प्रमुख किस्में ड्वार्फ किंग, बेबी डार्लिंग, क्रीकी, रोज मेरिन, सिल्वर टिप्स आदि हैं।

लता वर्ग (क्लैंग्बिंग एंड रैंबलिंग रोज)

इस वर्ग के गुलाब के पौधे लताओं के रोप में बढ़ते हैं और पैराबोला पर या दीवार का सहारा पा कर बढ़ते हैं। ये साल में केवल एक बार खिलते हैं।

ये गुलाब की बेल (लता) वाली किस्में हैं। इन्हें मेहराब या अन्य किसी सहारे के साथ चढ़ाया जा सकता है। इनमें फूल एक से तीन (क्लाइंबर) व गुच्छों (रेम्बलर) में लगते हैं। इस की मुख्य किस्में है सदाबहार, समर स्नो, डा.होमी भाभा, मार्शल नील, दिल्ली वाईट पर्ल आदि।

क्लाइंबर वर्ग की प्रचलित किस्में गोल्डन शावर, कॉकटेल, रायल गोल्ड और रेम्बलर वर्ग की एलवटाइन, एक्सेलसा, डोराथी पार्किंस आदि हैं।

गुलाब में जितने रंगों के फूल देखने को मिलते हैं उतने शायद किसी दूसरे फूल में नहीं। यदि सफ़ेद गुलाब हैं तो पीले, लाल, नारंगीलाल, रक्त्लाल, गुलाबी लेवेंडर रंग के दोरंगे, तीरंगे और यहाँ तक कि अब तो नीले और काले रंग के गुलाब भी पाए जाते है।

गुलाब की खेती के लिए जलवायु और भूमि

गुलाब की खेती उत्तर एवं दक्षिण भारत के मैदानी एवं पहाड़ी क्षेत्रों में जाड़े के दिनों में की जाती हैढ्ढ दिन का तापमान 25 से 30 डिग्री सेंटीग्रेट तथा रात का तापमान 12 से 14 डिग्री सेंटीग्रेट उत्तम माना जाता हैढ्ढ गुलाब की खेती हेतु दोमट मिट्टी तथा अधिक कार्बनिक पदार्थ वाली होनी चाहिएढ्ढ जिसका पी.एच. मान 5.3 से 6.5 तक उपयुक्त माना जाता है।

गुलाब की उन्नतशील प्रजातियां

गुलाब की लगभग 6 प्रकार की प्रजातियां पाई जाती है प्रथम संकर प्रजातियां जिसमे कि क्रिमसन ग्लोरी, मिस्टर लिंकन, लवजान, अफकैनेडी, जवाहर, प्रसिडेंट, राधाकृषणन, फर्स्ट लव , पूजा, सोनिया, गंगा, टाटा सैंटानरी, आर्किड, सुपर स्टार, अमेरिकन हेरिटेज आदि हैढ्ढ दूसरे प्रकार कि पॉलीएन्था इसमे अंजनी, रश्मी, नर्तकी, प्रीत एवं स्वाती आदिढ्ढ तीसरे प्रकार कि फ् लोरीबण्डा जैसी कि बंजारन, देहली प्रिंसेज, डिम्पल, चन्द्रमा, सदाबहार, सोनोरा, नीलाम्बरी, करिश्मा सूर्यकिरण आदिढ्ढ चौथे प्रकार कि गैंडीफलोरा इसमे क्वींस, मांटेजुमा आदिढ्ढ पांचवे प्रकार कि मिनीपेचर ब्यूटी क्रिकेट, रेड फ्लस, पुसकला, बेबीगोल्ड स्टार, सिल्वर टिप्स आदि और अंत में छठवे प्रकार कि लता गुलाब इसमे काक्लेट, ब्लैक बॉय, लैंड मार्क, पिंक मेराडोन, मेरीकलनील आदि पाई जाती है।

गुलाब के खेतों की तैयारी

सुंदरता की दृष्टि से औपचारिक लेआउट करके खेत को क्यारियों में बाँट लेते है क्यारियों की लम्बाई चौड़ाई 5 मीटर लम्बी 2 मीटर चौड़ी रखते हैढ्ढ दो क्यारियों के बीच में आधा मीटर स्थान छोड़ना चाहिएढ्ढ क्यारियों को अप्रैल मई में एक मीटर की गुड़ाई एक मीटर की गहराई तक खोदे और 15 से 20 दिन तक खुला छोड़ देना चाहिएढ्ढ क्यारियों में 30 सेंटीमीटर तक सूखी पत्तियो को डालकर खोदी गयी मिट्टी से क्यारियों को बंद कर देना चाहिए साथ ही गोबर की सड़ी खाद एक महीने पहले क्यारी में डालना चाहिए इसके बाद क्यारियों को पानी से भर देना चाहिए साथ ही दीमक के बचाव के लिए फ़ालीडाल पाउडर या कार्बोफ्यूरान 3 जी. का प्रयोग करेढ्ढ लगभग 10 से 15 दिन बाद ओठ आने पर इन्ही क्यारियों में कतार बनाते हुए पौधे व् लाइन से लाइन की दूरी 30 गुने 60 सेंटीमीटर रखी जाती हैढ्ढ इस दूरी पर पौधे लगाने पर फूलों की डंडी लम्बी व् कटाई करने में आसानी रहती है।

गुलाब की खेती में खाद और उर्वरकों की आवश्यकता

उत्तम कोटि के फूलों की पैदावार लेने के हेतु प्रूनिंग के बाद प्रति पौधा 10 किलोग्राम गोबर की सड़ी खाद मिट्टी में मिलाकर सिंचाई करनी चाहिएढ्ढ खाद देने के एक सप्ताह बाद जब नई कोपल फूटने लगे तो 200 ग्राम नीम की खली 100 ग्राम हड्डी का चूरा तथा रासायनिक खाद का मिश्रण 50 ग्राम प्रति पौधा देना चाहिएढ्ढ मिश्रण का अनुपात एक अनुपात दो अनुपात एक मतलब यूरिया, सुपर फास्फेट, पोटाश का होना चाहिए।

गुलाब की देखभाल

गुलाब के लिए सिंचाई का प्रबंधन उत्तम होना चाहिएढ्ढ आवश्यकतानुसार गर्मी में 5 से 7 दिनों के बाद तथा सर्दी में 10 से 12 दिनों के बाद सिंचाई करते रहना चाहिए। उत्तर प्रदेश के मैदानी भागो में कटाई-छटाई हेतु अक्टूबर का दूसरा सप्ताह सर्वोत्तम होता है लेकिन उस समय वर्षा नहीं होनी चाहिएढ्ढ पौधे में तीन से पांच मुख्य टहनियों को 30 से 40 सेंटीमीटर रखकर कटाई की जाती हैढ्ढ यह ध्यान रखना चाहिए कि जहाँ आँख हो वहाँ से 5 सेंटीमीटर ऊपर से कटाई करनी चाहिएढ्ढ कटे हुए भाग को कवकनाशी दवाओ से जैसे कि कापर आक्सीक्लोराइड, कार्बेन्डाजिम, ब्रोडोमिश्रण या चौबटिया पेस्ट का लेप लगना आवश्यक होता हैढ्ढ

गमलों के लिये मिट्टी का मिश्रण कुछ इस तरह से रखें। 2 भाग खेत की मिटटी, एक भाग खूब सड़ी गोबर की खाद, एक भाग में सूखी हरी पत्ते की खाद (लीफ मॉल्ड) और लकड़ी का बुरादा मिला लें। सम्भव हो तो कुछ मात्रा में हड्डी का चुरा भी मिला लें। इस से पौधों और जड़ों का अच्छा विकास होता है।

याद रहे कि गमलों में पौधों का रखरखाव वैसा ही हो, जैसी कि क्यारियों में होता है, उन की उचित निराईगुडाई में होता है। मसलन, पौधों को पूरी खुराक मिले, उन की उचित निराईगुडाई और सिंचाई हो, कीट व्याधियों से बचाव हो, गमलों के पौधों को मौसम के अनुसार समय-समय पर पानी दिया जाए और उन की कटाईछंटाई भी की जाए। सप्ताह में एक बार गमलों की दिशा भी अवश्य बदलें और उन के तले से पानी निकलने का चित्र भी उचित रूप से खुला रखें। गुलाब में माहू, दीमक एवं सल्क कीट लगते हैढ्ढ माहू तथा सल्क कीट के दिखाई देने पर तुरंत डाई मिथोएट 1.5 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में या मोनोक्रोटोफास 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में घोलकर 2 -3 छिड़काव करना चाहिएढ्ढ दीमक के नियंत्रण हेतु सिंचाई करनी चाहिए तथा फोरेट 10 जी. 3 से 4 ग्राम या फ़ालीडाल 2त्न धुल 10 से 15 ग्राम प्रति पौधा गुड़ाई करके भूमि में अच्छी तरह मिला देना चाहिए।

गुलाब के फूलों की कटाई

सफ़ेद, लाल, गुलाबी रंग के फूलों की अध् खुली पंखुड़ियों में जब ऊपर की पंखुड़ी नीचे की ओर मुड़ना शुरू हो जायें तब फूल काटना चाहिएढ्ढ फूलों को काटते समय एक या दो पत्तियां टहनी पर छोड़ देना चाहिए जिससे पौधों की वहाँ से बढ़वार होने में कोइ परेशानी न हो सकेढ्ढ फूलों की कटाई करते समय किसी बर्तन में पानी साथ में रखना चाहिए जिससे फूलों को काटकर पानी तुरंत रखा जा सकेढ्ढ बर्तन में पानी कम से कम 10 सेंटीमीटर गहरा अवश्य होना चाहिए जिससे फूलों की डंडी पानी में डूबी रहे पानी में प्रिजर्वेटिव भी मिलाते हैढ्ढ फूलों को कम से कम 3 घंटे पानी में रखने के बाद ग्रेडिंग के लिए निकालना चाहिएढ्ढ यदि ग्रेडिंग देर से करनी हो तो फूलों को 1 से 3 डिग्रीसेंटीग्रेट तापक्रम पर कोल्ड स्टोरेज रखना चाहिए जिससे कि फूलों की गुणवत्ता अच्छी रह सके

गुलाब के पौधे गृहवाटिका में मिटटी के गमलों में आसानी से उगे जा सकते हैं, जो कम से कम 30 सेंटीमीटर घेरे के और उतने ही गहरे हों। मिनिएचर गुलाब के लिये 20 से 25 सेंटीमीटर आकार के गमले पर्याप्त हैं। गमलों को स्वच्छ वातावरण में रखा जाए। जैसे ही नयी कोपलें और शाखाएं अंकुरित होने लगें, उन्हें ही सूरज की रोशनी में रखें। दिन भर इन्हें 4-5 घंटे धूप अवश्य मिलनी चाहिए। हाँ, गरमी की कड़कती धूप में 1-2 घंटे ही पर्याप्त हैं।

जब जहाँ भी चारों ओर गुलाब खिलता है तो सब ओर इस की सुरभि व्याप्त हो जाती है। फरवरी-मार्च में गुलाब अपने पूर्ण यौवन और बहार पर होता है। आओ, इसे अपनी गृहवाटिका में उगायें और इस के सौंदर्य और महक का आनंद लें।

गुलाब की खेती करने के लिए पौध तैयार करना

आमतौर पर जुलाई-अगस्त में मानसून आते ही गुलाब लगाया जाता है। सितम्बर-अक्टूबर में तो यह भरपूर उगाया जाता है। गुलाब लगाने की सम्पूर्ण विधि और प्रक्रिया अपनाई जाए तो यह फूल मार्च तक अपने सौंदर्य, सुगंध और रंगों से न केवल हमें सम्मोहित करता है बल्कि लाभ भी देता है। जंगली गुलाब के ऊपर टी बडिंग द्वारा इसकी पौध तैयार होती हैढ्ढ जंगली गुलाब की कलम जून-जुलाई में क्यारियों में लगभग 15 सेंटीमीटर की दूरी पर लगा दी जाती हैढ्ढ नवम्बर से दिसंबर तक इन कलम में टहनियां निकल आती है इन पर से कांटे चाकू से अलग कर दिए जाते हैढ्ढ जनवरी में अच्छे किस्म के गुलाब से टहनी लेकर टी आकार कालिका निकालकर कर जंगली गुलाब की ऊपर टी में लगाकर पालीथीन से कसकर बाँध देते हैढ्ढ ज्यो-ज्यो तापमान बढता है तभी इनमे टहनी निकल आती हैढ्ढ जुलाई अगस्त में रोपाई के लिए पौध तैयार हो जाती है। पौधशाला से सावधानीपूर्वक पौध खोदकर सितम्बर-अक्टूबर तक उत्तर भारत में पौध की रोपाई करनी चाहिएढ्ढ रोपाई करते समय ध्यान दे कि पिंडी से घास फूस हटाकर भूमि की सतह से 15 सेंटीमीटर की ऊंचाई पर पौधों की रोपाई करनी चाहिएढ्ढ पौध लगाने के बाद तुरंत सिंचाई कर देना चाहिए।

सुरक्षा बलों ने प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े तीन उग्रवादी को किया गिरफ्तार

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में सुरक्षा बलों ने कई प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि इन तीनों उग्रवादियों को गुरुवार को गिरफ्तार किया गया था। तेंगनौपाल जिले के खारो खुल्लेन में एक तलाशी अभियान के दौरान यूनाइटेड नेशनल लिबरेशन फ्रंट के एक सक्रिय सदस्य को गिरफ्तार किया। उसकी पहचान थौबल जिले के हेइरोक निवासी एन सुरेश सिंह (26) के रूप में हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक असम राइफल्स की सूचना के आधार पर इंफाल पूर्वी जिले के खाबेसोई से पीपुल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) के एक सक्रिय सदस्य को पकड़ा गया। उसकी पहचान एम सनथोई मेइतेई के रूप में हुई है और वह संगठन के नए सदस्यों की भर्ती करने में शामिल था। इसके अलावा, बिष्णुपुर जिले के कुंबी थाना क्षेत्र के इथाई कुंबी से कांगलेई यावोल कन्ना लुप (केवाईकेएल) के 43 साल के उग्रवादी को गिरफ्तार किया गया है। उसकी पहचान की नाम जानकारी नहीं मिल सकी।

निर्माणाधीन चर्च की छत गिरने से तीन मजदूरों की मौत, 11 घायल

वेल्लोर (एजेंसी)। तमिलनाडु के वेल्लोर जिले में निर्माणाधीन चर्च की छत गिरने से तीन मजदूरों की मौत हो गई और 11 घायल हुए। एक अधिकारी ने बताया कि 11 घायल मजदूरों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि कटपाडी के निकट मंडी कृष्णापुरम में 'चर्च ऑफ साउथ इंडिया' के निर्माणाधीन भवन की छत का हिस्सा गुरुवार को उस समय ढह गया, जब मजदूर छत पर कंक्रीट डालने का काम कर रहे थे। अधिकारी ने तीन मजदूरों की मौत की पुष्टि की है। एनडीआरएफ की अरक्कोणम टीम ने जिला प्रशासन, पुलिस और दमकल कर्मियों के साथ मिलकर निर्माण स्थल पर फंसे मजदूरों को बचाने का अभियान चलाया। वेल्लोर की जिलाधिकारी पी एस लीला एलेक्स ने कहा कि कम से कम आठ मजदूरों की हालत स्थिर है।

पंजाब के स्कूलों की कमियां दिखाने पर केजरीवाल ने सीजेपी को सराहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पंजाब के सरकारी स्कूलों में छात्रों को आ रही समस्याओं को सामने लाने के लिए कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का धन्यवाद किया है। उन्होंने इन मुद्दों को उठाने के लिए सीजेपी की सराहना कर आश्वासन दिया कि पार्टी राज्य सरकार के साथ मिलकर इन चिंताओं का तुरंत समाधान करने की दिशा में कदम उठाएगी। सीजेपी के सौरव दास के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने पंजाब का दौरा किया, जहाँ उन्होंने अपने स्कूल ठीक करो अभियान के तहत सरकारी स्कूलों की स्थिति का जायजा लिया। दौरे के बाद दास ने बताया कि लुधियाना में स्कूल ऑफ एमिनेंस का रखरखाव अच्छा था, लेकिन कुछ समस्याएं भी देखी गईं। इन समस्याओं से शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस को अवगत कराया गया, जिन्होंने तुरंत मिलने और जल्द कार्रवाई का भरोसा दिया। दास ने स्कूल ऑफ एमिनेंस में स्विमिंग पूल, रैंप, एआई लैब और कंप्यूटर लैब जैसी सुविधाओं की तारीफ की, और कहा कि कई मामलों में ये निजी स्कूलों से भी बेहतर हैं। पंजाब में लगभग 19,000 सरकारी स्कूलों में से, सरकार ने 118 स्कूल ऑफ एमिनेंस बनाने की घोषणा की है, जिसमें से कुछ ही का उद्घाटन हो पाया है। हालांकि, सीजेपी की टीम ने 1936 में बने सरकारी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, जंडियाली का भी दौरा किया, जहाँ मरम्मत के बावजूद पुराना ढांचा अभी भी बना हुआ है। दास ने उम्मीद जाहिर की कि इन बच्चों को भी बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और पंजाब सरकार इस पर ध्यान देगी।

पीएम मोदी के नेतृत्व में ब्रिक्स में भारत की धमक : सुधांशु त्रिवेदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 12 सालों में भारत ब्रिक्स समूह का अहम और प्रभावशाली सदस्य बनकर उभरा है। राज्यसभा सांसद त्रिवेदी ने बदलते वैश्विक परिदृश्य में इस समूह के महत्व पर जोर दिया, खासकर इसतरह के समय में जब दुनिया के कई हिस्सों में संघर्ष जारी हैं। राज्यसभा सांसद त्रिवेदी ने इस पर गर्व व्यक्त किया कि भारत इस महत्वपूर्ण शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है, और संगठन में देश की स्थिति में आए उल्लेखनीय बदलाव को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले, भारत को ब्रिक्स के भीतर एक कमजोर और कम महत्वपूर्ण सदस्य के रूप में देखा जाता था, जिसकी निरंतर भागीदारी पर भी सवाल उठते थे। हालांकि, प्रधानमंत्री मोदी के सशक्त नेतृत्व में, भारत ने अब खुद को एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में स्थापित किया है, जो अन्य ब्रिक्स देशों के साथ सक्रिय रूप से सहयोग कर रहा है। उन्होंने बताया कि ब्रिक्स समूह दुनिया की करीब आधी आबादी और वैश्विक जीडीपी के करीब 40 प्रतिशत हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है, जिससे मौजूदा चुनौतियों के बीच इसकी भूमिका और भी अहम होती है। भारत 12 और 13 सितंबर को नई दिल्ली के भारत मंडपम में 18वें ब्रिक्स लीडर्स समिट की मेजबानी कर रहा है।

ब्रिक्स पर कांग्रेस में मतभेद-चिदंबरम के सवाल, थरूर की जमकर तारीफ

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत में हो रहे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले, कांग्रेस के भीतर मुद्दे पर दो सीनियर नेताओं के अलग-अलग बयान सामने आए हैं, इन बयानों ने राजनीतिक गलियारों में नई बहस छेड़ दी है। पूर्व केंद्रीय मंत्री पी.चिदंबरम ने पूछा है कि इस समूह से भारत को क्या ठोस फायदा हुआ है, जबकि कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने ब्रिक्स आयोजन को भारत की कूटनीतिक ताकत और वैश्विक पहुंच का प्रमाण बताया है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री चिदंबरम ने अपनी टिप्पणी में कहा कि भारत ब्रिक्स के अलावा जी-20, क्वाड और शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) जैसे कई बहुपक्षीय संगठनों का हिस्सा है, लेकिन इन सभी मंचों से देश को वास्तव में क्या ठोस लाभ मिला है, इस पर विचार होना चाहिए। उन्होंने याद दिलाया कि 2012, 2016 और 2021 में भी ब्रिक्स समिट भारत में आयोजित किए जा चुके हैं। इसके विपरीत, कांग्रेस नेता शशि थरूर ने ब्रिक्स को ग्लोबल साउथ (विकासशील देशों का समूह) के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण मंच बताया। उन्होंने कहा कि 11 सदस्य देशों के प्रमुख नेताओं को एक मंच पर लाना भारत की वैश्विक कूटनीति और दूसरे देशों को साथ लाने की क्षमता को दिखाता है। कांग्रेस नेता थरूर ने बताया कि ब्रिक्स में भारत, रूस, चीन, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका के मूल सदस्य देशों के अलावा अब मिस्र, ईरान, इथियोपिया, यूएई, सऊदी अरब और इंडोनेशिया भी शामिल हैं, जो दुनिया की बड़ी आबादी और लगभग 41 प्रतिशत वैश्विक जीडीपी का प्रतिनिधित्व करते हैं, इसलिए इस समूह को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। हालांकि, थरूर ने ब्रिक्स के सामने कुछ चुनौतियां भी गिनाईं, जैसे सदस्य देशों के हितों में मतभेद और ईरान-इजराइल व रूस-यूक्रेन जैसे मुद्दों पर आम सहमति का अभाव, जिसके कारण मई में हुई विदेश मंत्रियों की बैठक में साझा बयान जारी नहीं हो सका था। उन्होंने भारत के ब्रिक्स देशों के साथ बढ़ते व्यापार घाटे को भी चिंता का विषय बताया।

आगामी 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का आयोजन 12-13 सितंबर को नई दिल्ली में होना है। इसमें सभी 11 सदस्य देशों के शीर्ष नेता, जिसमें रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के शी जिनपिंग शामिल हैं। सम्मेलन में वैश्विक अर्थव्यवस्था, व्यापार, टेक्नोलॉजी और ऊर्जा जैसे अहम मुद्दों पर चर्चा होगी। इस साल ब्रिक्स की अध्यक्षता भारत कर रहा है और उसका फोकस ग्लोबल साउथ की आवाज मजबूत करने, आर्थिक सहयोग और ऊर्जा सुरक्षा जैसे क्षेत्रों पर है, जिसका उद्देश्य ब्रिक्स को एक व्यापक व्यापार, निवेश और विकास मंच के रूप में बढ़ावा देना है।

कांग्रेस पार्टी के इन विरोधाभासी बयानों पर भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने तुरंत निशाना साधा। बीजेपी प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने कहा कि थरूर का ब्रिक्स समिट को भारत के लिए बड़ी प्रतिष्ठा बताना कांग्रेस के भीतर की अलग-अलग राय को उजागर करता है, जिससे पार्टी में अंदरूनी मतभेद साफ दिखाते हैं।

पश्चिम बंगाल के अलीपुरद्वार में भूकंप के झटके, सुबह-सुबह कांपी धरती

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में शुक्रवार सुबह-सुबह धरती कांपी। अलीपुरद्वार में सुबह 6 बजकर 56 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए, जिससे लोगों की नींद उड़ गई। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी (एनएससी) के मुताबिक, रिक्टर स्केल पर इस भूकंप की तीव्रता 3.0 मापी गई। इसकी गहराई जमीन के अंदर करीब 9 किलोमीटर थी। भूकंप के झटके महसूस होने के बाद लोगों में हलचल मच गई, हालांकि अभी तक किसी तरह के जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं है।

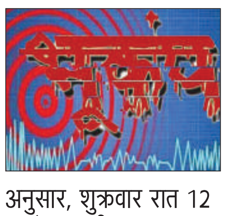

अलीपुरद्वार में आया भूकंप शुक्रवार को भारत में दर्ज हुई भूकंपीय गतिविधियों का हिस्सा था। इससे पहले भी देश के अलग-अलग हिस्सों में धरती हिली। एनएससी के आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार रात 12 बजकर 27 मिनट पर लेह-लद्दाख में 3.7 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसकी गहराई करीब 12 किलोमीटर थी। इसके बाद असम में भी भूकंप दर्ज किया गया, शुक्रवार रात 1 बजकर 20 मिनट के आसपास दिमा हसाओ इलाके में 3.1 तीव्रता का भूकंप आया, जिसकी गहराई करीब 39 किलोमीटर थी। यानी शुक्रवार की सुबह तक भारत में कम तीव्रता वाले कई भूकंप दर्ज किए जा चुके थे, जिनमें सबसे ज्यादा तीव्रता 3.7 की लेह-लद्दाख में थी। भारत के बाहर के इलाकों में भी शुक्रवार को भूकंप दर्ज हुए। एनएससी के अनुसार, सुबह 4 बजकर 2 मिनट के आसपास तिब्बत में 3.7 तीव्रता का भूकंप आया, जिसकी गहराई करीब 30 किलोमीटर थी। इसके कुछ समय बाद सुबह 4 बजकर 20 मिनट पर अफगानिस्तान में 3.5 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया, जिसकी गहराई 163 किलोमीटर थी।

सायोनी ने भाजपा छोड़ी, टीएमसी के बागी सांसदों को झटका

-बंगाल निकाय चुनाव भाजपा अकेले लड़ेगी

कोलकाता, एजेंसी।
पश्चिम बंगाल में नगर निकाय चुनाव होने वाले हैं और भारतीय जनता पार्टी ने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के बागी सांसदों को बड़ा झटका दिया है। भाजपा ने इन चुनावों में बगैर किसी गठबंधन के अकेले उतरने का फैसला किया है, जिससे टीएमसी से अलग होकर नेशनल सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआई) में विलय कर चुके बागियों की उम्मीदों पर पानी फिर गया है। संभावनाएं जताई जा रही हैं कि आने वाले दिनों में कोलकाता नगर निगम (केएमसी) और हावड़ा नगर निगम के चुनाव हो सकते हैं। तृणमूल कांग्रेस से अलग होकर एनसीपीआई में शामिल होने वाले बागी सांसदों में सायोनी घोष, काकोली घोष दस्तीदार, यूसुफ पठान और सुदीप बंदोपाध्याय समेत कई बड़े नाम शामिल थे। इन नेताओं को उम्मीद थी कि वे आगामी स्थानीय चुनावों में भाजपा के साथ गठबंधन कर मैदान में उतरेंगे। हालांकि, भाजपा के बंगाल अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य ने इस उम्मीद को तोड़ते हुए कहा, पश्चिम बंगाल में भाजपा का कोई भी गठबंधन साथी नहीं है। हम कोलकाता और हावड़ा नगर निकाय चुनाव अपनी दम पर लड़ेंगे और जीतेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि दिल्ली में एनसीपीआई के साथ भले ही कोई व्यवस्था हो, लेकिन बंगाल और दिल्ली की राजनीतिक स्थिति अलग है। एक भाजपा नेता ने कहा कि पार्टी पहले अपने ही संगठन, नेताओं और कार्यकर्ताओं पर निर्भर रहना चाहती है, क्योंकि राज्य में सत्ता में आने के बाद यह उनका पहला चुनाव है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि राष्ट्रीय और स्थानीय राजनीति में अंतर होता है, एनसीपीआई के नेता भले ही एनडीए का साथी हों, लेकिन वे पूर्व टीएमसी नेता हैं जिनके खिलाफ भाजपा कार्यकर्ताओं ने संघर्ष किया है, ऐसे में गठबंधन से गलत संदेश जाएगा। इसके बावजूद, बागी सांसद दस्तीदार अभी भी उम्मीद लगाए बैठे हैं। उनका कहना है कि वे भाजपा की अगुवाई वाले एनडीए में सबसे बड़े गठबंधन साथी हैं और निकाय चुनाव गठबंधन के साथी के तौर पर ही लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि गठबंधन होने के पूरे आसार हैं। दस्तीदार समेत अधिकांश एनसीपीआई सांसद हाल ही में राजधानी दिल्ली में हुई नेशनल डेमोक्रेटिक अलायंस की बैठक में पहुंचे थे।

सीजेपी का प्लान: अभिजीत दीपके बोले- हमें चुनावों से आगे जाना है

नई दिल्ली, एजेंसी।
कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के लीडर अभिजीत दीपके ने ऐलान किया है कि उनकी पार्टी का मकसद केवल चुनाव लड़ना नहीं, बल्कि उससे आगे बढ़कर समाज में एक बड़ा बदलाव लाना है। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने अमेरिका से भारत लौटने, कॉकरोच आंदोलन और सीजेपी के भविष्य को लेकर अपनी योजनाएं साझा कीं। दीपके ने कहा कि अब जब वे मैदान में उतर गए हैं, तो आंदोलन को जिंदा रखने की हरसंभव कोशिश कर रहे हैं। गौरतलब है कि बीते मई महीने में देश के मुख्य न्यायाधीश की एक टिप्पणी के बाद 30 वर्षीय अभिजीत दीपके ने सोशल मीडिया पर कॉकरोच जनता पार्टी की स्थापना की थी। उन्होंने सोशल मीडिया पर तंज के रूप में यह मुहिम शुरू की थी, लेकिन देखते ही देखते इस आंदोलन से लाखों लोग जुड़ गए और दीपके काफी प्रसिद्ध भी हो गए। बाद में अमेरिका से भारत लौटकर अभिजीत दीपके और उनकी पार्टी ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर नीट पेपर लीक के खिलाफ हुए प्रदर्शनों की अगुवाई की थी।

अभिजीत दीपके ने बताया कि उन्हें सरकार की एक बात बहुत खटक गई थी। उन्होंने हालिया इंटरव्यू में कहा कि सरकार की तरफ से देश के लिए खतरा और एंटी नेशनल जैसे टैग मिलने से वे बेहद दुखी थे। हालांकि उनके परिवार और वकील ने उन्हें भारत न जाने की सलाह दी थी, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने अमेरिका से भारत लौटने का फैसला किया। दीपके ने कहा, जब मेरी अपनी ही सरकार ने मुझे राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताया, तभी मैंने भारत लौटने का फैसला किया। इस बात ने मुझे बहुत दुख पहुंचाया। मैंने तय किया कि मुझे अपने देश वापस जाना चाहिए ताकि मैं यह साबित कर सकूं कि मैं देश की सुरक्षा के लिए कोई खतरा नहीं हूं। मैं अपने देश से प्यार करता हूं, बस उस तरीके से नहीं, जिस तरीके से सरकार चाहती है। कॉकरोच जनता पार्टी ने पेपर लीक आंदोलन की सफलता के बाद अब स्कूल ठीक करो अभियान शुरू किया है। इस अभियान के तहत सीजेपी के नेता भारत के सरकारी स्कूलों की बदहाली के मुद्दों को प्रमुखता से उठा रहे हैं। अपनी आगे की योजना पूछे जाने पर अभिजीत दीपके ने स्पष्ट किया कि वे इस आंदोलन को किसी पार्टी या चुनावी राजनीति तक सीमित नहीं रखना चाहते। अभिजीत दीपके ने कहा, ÷लोगों ने राजनीति को

सिर्फ चुनाव और राजनीतिक दलों तक सीमित कर दिया है। हम उससे आगे बढ़ना चाहते हैं।÷ उन्होंने आगे कहा कि उनका मकसद एक बड़ा बदलाव लाना है, जहां लोग अपने अधिकार और अपने कर्तव्य समझें, और यह भी जानें कि सत्ता में कोई भी पार्टी आए, उससे जवाबदेही कैसे तय कराई जाए।

तेलंगाना में शुद्धीकरण विवाद : दलित प्रदर्शन के बाद छिड़का हल्दी-दूध

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना की सियासत में एक नया और गंभीर विवाद खड़ा हो गया है, जिसने राज्य में दलितों के कथित अपमान को लेकर पहले से गरमाए राजनीतिक माहौल को और तूल दे दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव (केसीआर) के एर्रावेली स्थित फार्महाउस के पास कांग्रेस के दलित कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन के बाद, कथित तौर पर हल्दी वाला पानी और दूध छिड़ककर शुद्धीकरण करने का मामला सामने आया है। इस घटना के बाद, पुलिस ने तेलंगाना राष्ट्र समिति (बीआरएस) के समर्थकों के खिलाफ सिद्धिपेट जिले के एर्रावेली और वरदराजपुर गांवों में तीन अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं। मामले की शुरुआत तेलंगाना विधानसभा स्पीकर जी प्रसाद कुमार को लेकर बीआरएस के दो एमएलसी द्वारा की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी से हुई थी। इसके विरोध में कांग्रेस के दलित नेताओं और कार्यकर्ताओं ने केसीआर के फार्महाउस की ओर मार्च किया और डप्पू बजाकर अपना विरोध दर्ज कराया। पुलिस के मुताबिक, प्रदर्शनकारियों के चले जाने के बाद कुछ बीआरएस समर्थकों ने सड़कों पर कथित तौर पर हल्दी वाले पानी और दूध का छिड़काव किया। इस कथित शुद्धीकरण को लेकर दायर तीन प्राथमिकी में स्थानीय बीआरएस नेताओं और समर्थकों को आरोपी बनाया गया है। एर्रावेली में बीआरएस नेता बालराजू समेत 10 अन्य लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज हुई, जबकि वरदराजपुर में बीआरएस समर्थक बालामणि, अप्पाला प्रवीण और राजू समेत छह अन्य पर मामला दर्ज किया गया। एक अन्य शिकायत में पावनी गौड़ और आठ अन्य को आरोपी बनाया गया है। इन मामलों में एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम-1989, सिविल राइट्स प्रोटेक्शन एक्ट और भारतीय न्याय संहिता की धारा 196 (समूहों के बीच दुश्मनी बढ़ाना) और 352 (जानबूझकर अपमान कर शांति भंग कराने का इरादा) के तहत कार्रवाई की गई है। बीआरएस ने इन आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए पलटवार किया है। पार्टी ने पुलिस में जवाबी शिकायत दर्ज कराई है और दावा किया है कि कांग्रेस द्वारा शुद्धीकरण का आरोप लगाने के लिए इस्तेमाल की गई तस्वीरें भ्रामक हैं और कथित तौर पर एआइ-जेनरेटेड हैं।

जनगणना 2027 का रोडमैप तैयार: 16 नवंबर से ऑनलाइन स्व-गणना

1 दिसंबर से घर-घर पहुंचेगी टीम

नई दिल्ली, एजेंसी।
जनगणना-2027 की तैयारियां तेजी से चल रही हैं, जिसमें इस बार नागरिकों को अपना ब्योरा स्व-गणना के माध्यम से ऑनलाइन दर्ज करने की सुविधा मिलेगी। यह सुविधा 16 से 30 नवंबर तक उपलब्ध रहेगी। जो परिवार स्व-गणना करेंगे, उन्हें एक पहचान संख्या मिलेगी, जिसे प्रगणक को बताना होगा। 1 दिसंबर 2026 से 4 जनवरी 2027 तक प्रगणक घर-घर जाकर जानकारी दर्ज करेंगे। जनगणना के दौरान जाति और राष्ट्रीयता से जुड़ी जानकारी व्यक्ति की ओर से दी गई सूचना के आधार पर दर्ज की जाएगी। इसके लिए किसी नागरिक से प्रमाणपत्र या अन्य दस्तावेज नहीं मांगा जाएगा। जनगणना के दूसरे चरण में प्रत्येक परिवार से निर्धारित 40 सवाल पूछकर जानकारी दर्ज की जाएगी। घर-घर जनगणना प्रक्रिया के बाद, 5 से 9 जनवरी 2027 तक पुनरीक्षण कार्य होगा।

जनगणना की संदर्भ तिथि 5 जनवरी 2027 की मध्यरात्रि निर्धारित की गई है। औरैया में जिलाधिकारी बृजेश कुमार की अध्यक्षता में हुई जिला स्तरीय जनगणना समन्वय समिति की बैठक में तैयारियों की समीक्षा की गई। बैठक में संबंधित विभागों को समय से सभी व्यवस्थाएं पूरी करने के निर्देश दिए गए। जिले में जनगणना के लिए 50 फील्ड ट्रेनर चिन्हित किए गए हैं, जिन्हें अक्टूबर में मास्टर ट्रेनर प्रशिक्षित करेंगे। ये फील्ड ट्रेनर 20 नवंबर से पहले प्रगणकों और सुपरवाइजरों को जनगणना प्रक्रिया समझाएंगे। लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए स्कूलों, कॉलेजों और ग्रामीण-शहरी इलाकों में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। इसमें पेंटिंग, रंगोली, भाषण, निबंध, प्रश्नोत्तरी और प्रभात फेरी जैसी गतिविधियां शामिल होंगी। ग्रामीण और शहरी इलाकों में वॉल पेंटिंग, बैनर-पोस्टर, होर्डिंग, कूड़ा संग्रहण वाहनों और सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली के जरिए भी लोगों को जागरूक किया जाएगा। जिलाधिकारी ने छोटे जागरूकता वीडियो और डिजिटल प्रचार सामग्री तैयार कर सोशल मीडिया के जरिए लोगों तक पहुंचाने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी ने जोर दिया कि जनगणना से जुटाए जाने वाले आंकड़े भविष्य की विकास योजनाओं, संसाधनों के वितरण और नीति निर्माण का आधार बनते हैं। उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ तैयारियां समय से पूरी करने को कहा।

राघव चड्ढा ने आप को बताया दिलजला आशिक वोटर लिस्ट विवाद पर तीखी बयानबाजी

चंडीगढ़, एजेंसी।
पंजाब में वोटर लिस्ट में नाम कटने और दिल्ली की वोटर लिस्ट में जुड़ने के बाद भाजपा सांसद राघव चड्ढा और आम आदमी पार्टी (आप) के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। आप की ओर से बेशर्मी का आरोप लगाने के बाद राघव चड्ढा ने पलटवार करते हुए आप को दिलजला आशिक करार दिया है। चड्ढा ने कहा कि जहां तक उनके वोट का सवाल है, आम आदमी पार्टी की ऐसी हालत हो गई है कि उन्हें रात को सपने में मैं भूत बनकर आता हूं। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि आप की हालत उस एक्स गर्लफ्रेंड जैसी है जिसे उसका बॉयफ्रेंड छोड़कर आगे निकल गया हो और अपनी जिंदगी में मूव ऑन कर गया हो। चड्ढा ने आगे कहा, मुझे ऐसा लगता है कि किसी दिन दिल जले आशिक की तरह मेरी याद में अपनी नसें ना काट लें। मुझे उनकी बड़ी चिंता रहती है।

इससे पहले, राघव चड्ढा ने पंजाब की आप सरकार पर राजनीतिक विद्वेष के कारण वोटर लिस्ट में उनका नाम शिफ्टेड कैटेगरी में डालने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा था कि उनके पार्टी छोड़ने के बाद से आप उन्हें लगातार निशाना बना रही है और ऐसा लगता है कि वह अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी को परेशान कर रहे हैं। इस पर आम आदमी पार्टी ने राघव चड्ढा का नाम दिल्ली की वोटर लिस्ट में असामान्य तरीके से जुड़ने पर चुनाव आयोग की प्रक्रिया पर सवाल उठाए। आप की दिल्ली इकाई के प्रमुख सौरभ भारद्वाज ने दावा किया कि 31 अगस्त को जारी ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में राजिंदर नगर के संबंधित पोलिंग पार्ट में 746 मतदाता थे, लेकिन बाद में राघव चड्ढा का नाम 747वें मतदाता के तौर पर जुड़ गया। भारद्वाज ने सवाल उठाया कि जब ड्राफ्ट सूची में 746 नाम थे तो उसके बाद 747वां नाम किस प्रक्रिया के तहत जोड़ा गया, और चुनाव आयोग से इस पूरी प्रक्रिया को स्पष्ट करने की मांग की।

आप के प्रवक्ता अनुराग ढांडा ने भी चड्ढा पर हमला बोलते हुए कहा कि चुनाव आयोग के रिकॉर्ड के मुताबिक 26 अगस्त को राघव चड्ढा ने दिल्ली में वोट बनवाने के लिए फॉर्म 6 दाखिल किया और 2 सितंबर को उनका वोट अप्रूव होकर जुड़ गया। ढांडा ने कहा कि 26 अगस्त को दिल्ली में वोट के लिए आवेदन करने और 3 सितंबर को पंजाब सरकार पर वोट कटवाने का आरोप लगाने से राघव चड्ढा और बीजेपी का बेशर्म चेहरा बेनकाब हो गया है।

पीके का पलटवार: बिहार को सम्राट जैसे नेताओं के हाथ में नहीं छोड़ सकता

पटना, एजेंसी।
जन सुराज पार्टी के नेता प्रशांत किशोर ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के उन्हें बेचारा कहने वाले बयान पर तीखा पलटवार किया है। प्रशांत किशोर ने कहा है कि वह सम्राट चौधरी जैसे नेताओं के हाथ में बिहार को नहीं छोड़ सकते, इसलिए बिहार को बदलने के उनके संकल्प के सामने कोई चारा नहीं है और बेचारा कहलाने में उन्हें कोई दिक्कत नहीं है। मुख्यमंत्री ने कुछ समय पहले एक साक्षात्कार में प्रशांत किशोर को बेचारा कहा था।

एमएलसी चुनाव की तैयारी के लिए जन सुराज की बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए प्रशांत किशोर ने कहा, हम तो बेचारे हैं ही, क्योंकि बिहार को छोड़कर जाने का कोई चारा हमारे पास नहीं है। मुख्यमंत्री ने ठीक ही कहा है। उन्हें किसी ने बेचारा शब्द का शाब्दिक अर्थ नहीं समझाया है। जिसके पास कोई चारा नहीं होता, वही बेचारा कहलाता है। बिहार को सुधारने के संकल्प के अलावा कोई चारा नहीं है। हम सम्राट चौधरी जैसे लोगों के हाथ में बिहार को छोड़कर जा नहीं सकते। इस नजरिए से हम तो बेचारे है हीं। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने अपने साक्षात्कार में प्रशांत किशोर पर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा था, वह जो बोल रहे हैं, बोलने दीजिए। बेचारा है, जो करना है करने दीजिए। हम बिहार के लिए काम करने आए हैं। मेरे खिलाफ कुछ है तो कोर्ट में जाएं, कोर्ट तय कर देगा। मेरे खिलाफ लोग सुप्रीम कोर्ट तक लड़ते रहते हैं। मैं व्यक्तिगत राजनीति में विश्वास नहीं रखता। प्रशांत किशोर ने बिहार में बाढ़ की भीषण समस्या के लिए भी राज्य की सरकारों को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि पिछले बीस सालों से एनडीए की सरकार होने के बावजूद हर साल बाढ़ से लाखों लोग तबाह होते हैं। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि सत्ता में बैठे नेताओं और पदाधिकारियों के लिए बाढ़ कमाई का जरिया बनकर रह गई है। यहां बाढ़ से राहत दिलाने की हर योजना में गड़बड़ी की जाती है, चाहे वह बांध बनाने में चोरी हो, बांध टूटने पर उसकी मरम्मत में चोरी हो या बाढ़ फैलने पर राहत कार्य में चोरी। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार में बैठे लोग नहीं चाहते कि राज्य में बाढ़ की समस्या खत्म हो। इसका उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि जल संसाधन विभाग को जनता दल (यूनाइटेड) ने कभी नहीं छोड़ा और यह

विभाग लगातार उनके पास रहा है। प्रशांत किशोर के अनुसार, बाढ़ से निजात दिलाने के नाम पर सिर्फ फोटोग्राफी की राजनीति होती है।

सिविल सर्जन ने किया स्वास्थ्य कर्मियों के साथ मासिक समीक्षा बैठक, दिए दिशा-निर्देश

समय पर इलाज और रिपोर्टिंग करें:रामदेव

बिभा संवाददाता

उधवा। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उधवा में शुक्रवार को स्वास्थ्य विभाग की मासिक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिसकी अध्यक्षता सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान ने किया। बैठक में एएनएम,सीएचओ समेत स्वास्थ्य कर्मियों के साथ समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस दौरान खासकर हाई रिस्क प्रेग्नेंसी,स्वास्थ्य जांच,काउंसलिंग और नियमित फॉलोअप से जुड़े मामलों पर चर्चा हुई। बैठक में हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की पहचान कर उनकी समय पर जांच एवं आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया। साथ ही सीएचओ के स्तर से किए जा रहे कार्यों और 15 प्रमुख इंडिकेटर की प्रगति की समीक्षा की गई। स्वास्थ्य कर्मियों को अपने क्षेत्र में लोगों के बीच स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़ाने तथा जरूरतमंद मरीजों को समय पर स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचाने का निर्देश दिया। बैठक में एचएमआईएस रिपोर्ट की भी समीक्षा की गई। अधिकारियों ने स्वास्थ्य संबंधी आंकड़ों को समय पर अपडेट करने और रिपोर्टिंग व्यवस्था को दुरुस्त रखने पर जोर दिया। एएनएम और सीएचओ को अपने-अपने क्षेत्र में नियमित रूप से कार्यों का फॉलोअप करने को कहा गया। इसके अलावा आशा कार्यकताओं एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मियों के साथ नियमित बैठक करने,स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी ग्रामीणों तक पहुंचाने तथा गर्भवती महिलाओं और अन्य जरूरतमंद मरीजों की लगातार निगरानी करने पर भी चर्चा हुई। बैठक में स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों को मासिक बैठक नियमित रूप से आयोजित करने और चिन्हित मामलों का फॉलोअप सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। इस दौरान सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी स्थिति में सुधार के लिए सभी कर्मियों के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। मौके पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. गुफरान आलम,लिपिक दिनेश कुमार,बीपीएम अनिल पाल,डीडीएम अमित कश्यप सहित अन्य मौजूद थे।

स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा में लापरवाह कर्मियों को अंतिम चेतावनी, बाढ़ महामारी को लेकर सतर्कता का निर्देश

बिभा संवाददाता

राजमहल। राजमहल अनुमंडल अस्पताल के सभागार कक्ष में शुक्रवार को सैनिक सैलरी चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी साहेबगंज की अध्यक्षता में राजमहल प्रखंड अंतर्गत सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों तथा स्वास्थ्य विभाग के समस्त कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। वही बैठक में कार्य उपलब्धि में पिछड़ रहे आयुष्मान आरोग्य मंदिर के पदाधिकारियों एवं कर्मियों को अंतिम चेतावनी देते हुए उनकी कार्यशैली में सुधार लाने का सख्त निर्देश दिया गया। साथ ही बाढ़ महामारी 2026 को लेकर विशेष सतर्कता एवं पहली नजर बनाए रखने का निर्देश दिया गया। साथ ही इस अवसर पर विश्व आत्महत्या रोकथाम दिवस का विधिवत उद्घाटन अनुमंडल अस्पताल राजमहल से किया गया। वहीं, सरकार द्वारा दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि की समीक्षा करते हुए सभी संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को निर्देशित किया गया कि निर्धारित कार्य पूर्ण करने के पश्चात देय प्रोत्साहन राशि का भुगतान ससमय एवं नियमानुसार किया जाए। जिन पदाधिकारियों एवं कर्मियों को निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप प्रोत्साहन राशि नहीं मिल रही है, उन्हें अग्रतर कार्रवाई हेतु तैयार रहने को कहा गया। वही अध्यक्ष ने स्पष्ट किया कि सरकार द्वारा प्रोत्साहन राशि का भुगतान समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से ही दिया जा रहा है। प्रोत्साहन राशि का कम मिलना कार्य में लापरवाही को परिलक्षित करता है। साथ ही मौके पर राजमहल अनुमंडल अस्पताल उपाधीक्षक उदय टुडू , प्रखंड डाटा प्रबंधक अमित कश्यप, तौसीफ अहमद, जिला कार्यक्रम समन्वयक सहिया संदीप कुमार, जिला कार्यक्रम समन्वयक राजीव कुमार, आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के अभय कुमार सिंह, प्रखंड कार्यक्रम प्रबंधक अमित कुमार, प्रखंड डाटा प्रबंधक नितिन मुर्मू एवं सभी आयुष्मान आरोग्य मंदिर के सामुदायिक स्वास्थ्य पदाधिकारी, एएनएम, एमपीडब्ल्यू, सहिया साथी तथा अन्य पर्यवेक्षक उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

5 हजार रुपए से अधिक 06 बकायादारों का काटा गया विद्युत कनेक्शन

तालझारी(बिभा) । तालझारी के विभिन्न इलाकों में बिजली विभाग की टीम के द्वारा लगातार अभियान चलाकर पांच हजार रुपए से अधिक बकाया वाले उपभोक्ताओं का विद्युत कनेक्शन काटा जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को विद्युत कनीय अभियंता के नेतृत्व में बिजली विभाग की टीम ने तालझारी व बेलदाचक क्षेत्र में अभियान चलाकर पांच हजार रुपए से अधिक बकाया वाले 06 उपभोक्ताओं का विद्युत कनेक्शन काट दिया है। बिजली विभाग की टीम ने बताया कि 06 उपभोक्ताओं का विद्युत कनेक्शन काट दिया गया है। साथ ही बताया कि उनलोगों का पांच हजार रुपए से अधिक बकाया था। उन्होंने बताया कि उनलोगों को बकाया राशि जल्द-जल्द भुगतान करने के साथ-साथ विद्युत कार्यालय से आरसीडीसी रशीद लेकर ही बिजली उपयोग करने को कहा गया। मौके पर विद्युत विभाग से नमन कन्डुलना, मानव दिवस कर्मी दिलीप टोप्पो, रवि कुमार, सूरज कुमार, मेघनाथ कुमार, चन्दन कुमार, विकास कुमार आदि उपस्थित थे।

शांतिमोड़ बाजार में गिरा 11 हजार वोल्ट का हाईटेंशन तार, टला बड़ा हादसा

उधवा(बिभा) । उधवा प्रखंड क्षेत्र के पूर्वी प्राणपुर पंचायत अंतर्गत शांतिमोड़ बाजार में गुरुवार की देर रात तेज हवा और बारिश के बीच अचानक 11 हजार वोल्ट का हाईटेंशन तार सड़क के बीचों-बीच गिर गया। तार गिरने से इलाके में अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। हालांकि घटना के समय सड़क पर लोगों की मौजूदगी नहीं होने और करीब पांच मिनट पहले ही बिजली आपूर्ति बंद हो जाने के कारण बड़ा हादसा टल गया। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। ग्रामीणों के अनुसार गुरुवार की रात तेज हवा के साथ बारिश हो रही थी। इसी दौरान अचानक हाईटेंशन लाइन का तार टूटकर सड़क के बीच गिर गया। बारिश के कारण बाजार एवं सड़क के आसपास लोगों की आवाजाही काफी कम थी। ग्रामीणों ने बताया कि तार गिरने से लगभग पांच मिनट पहले ही क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बंद हो गई थी। यदि उस समय बिजली आपूर्ति चालू रहती और सड़क पर लोगों की आवाजाही होती तो गंभीर हादसा हो सकता था। ग्रामीणों ने बताया कि शांति मोड़ बाजार में हाईटेंशन तार टूटने की यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी हाईटेंशन तार टूटकर गिरने की घटना में एक नाबालिग बच्चा बुरी तरह झुलस गया था। इसके बावजूद विद्युत विभाग की ओर से जर्जर पोल और लटकते तारों की समस्या का स्थाई समाधान नहीं किया गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि जर्जर बिजली पोल और लटकते तारों को दुरुस्त कराने के लिए विभागीय अधिकारियों को कई बार शिकायत की जा चुकी है,लेकिन अब तक समस्या का समाधान नहीं हुआ। इससे स्थानीय लोगों में विभाग के प्रति नाराजगी है। इस संबंध में कनीय विद्युत अभियंता उधवा चंदन कुमार ने बताया कि बिजली मिस्त्री के द्वारा मरम्मत कार्य कराया जा रहा है। जल्द ही क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

चिमनी भट्ठों पर कार्रवाई को लेकर उपायुक्त को सौंपा आवेदन, निष्पक्ष जांच की मांग

उधवा(बिभा) । उधवा प्रखंड क्षेत्र में बीते दिनों चिमनी भट्ठों के खिलाफ की गयी कार्रवाई को लेकर पक्षपात का आरोप लगाते हुए पियारपुर निवासी जियाउर रहमान ने गुरुवार को उपायुक्त साहिबगंज को आवेदन सौंपकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया है कि खनन विभाग की ओर से प्रखंड के कई संचालित ईंट भट्ठों में से चुनिंदा भट्ठों पर ही कार्रवाई की गई। जबकि अन्य भट्ठों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की गई। आवेदन में जियाउर रहमान ने बताया है कि विगत 17 अगस्त को खनन पदाधिकारी की ओर से उनके ईंट भट्ठे पर कार्रवाई की गई थी। इस दौरान संबंधित पदाधिकारी द्वारा माननीय उच्च न्यायालय के आदेश का हवाला देते हुए कार्रवाई किए जाने की बात कही गई। आवेदक का आरोप है कि उच्च न्यायालय के आदेश की आड़ में उनके भट्ठे समेत प्रखंड के केवल दो चिमनी भट्ठों को निशाना बनाया गया। जबकि अन्य भट्ठों के विरुद्ध किसी तरह की कार्रवाई नहीं की गई। उन्होंने आवेदन में कहा है कि यदि कार्रवाई किसी न्यायालय के आदेश के अनुपालन में की गई थी,तो उसका पालन पूरे जिले में समान रूप से और पारदर्शी तरीके से किया जाना चाहिए था। केवल कुछ चुनिंदा भट्ठों पर कार्रवाई किए जाने से इसकी निष्पक्षता को लेकर सवाल खड़े हो रहे है। उन्होंने बताया कि कार्रवाई के दौरान भट्ठे में तोड़फोड़ किए जाने से उन्हें आर्थिक नुकसान हुआ है और उनकी आजीविका पर भी संकट उत्पन्न हो गया है। उन्होंने उपायुक्त से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने,संबंधित खनन पदाधिकारी की कार्यशैली की जांच करने तथा भविष्य में किसी भी प्रकार की कथित एकतरफा कार्रवाई पर रोक लगाने की मांग की है। साथ ही उन्होंने जिले के सभी ईंट भट्ठा संचालकों के लिए समान नियम और एक समान नीति लागू करने की मांग की है।

बैंक कर्मचारियों की राष्ट्रव्यापी एकदिवसीय हड़ताल, राजमहल में भी बैंकिंग सेवाएं प्रभावित

बिभा संवाददाता

राजमहल। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के आह्वान पर शुक्रवार को देशभर के बैंक कर्मचारियों और अधिकारियों ने अपनी विभिन्न लंबित मांगों को लेकर एकदिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल की। इसका असर राजमहल अनुमंडल मुख्यालय में भी साफ देखने को मिला, जहां भारतीय स्टेट बैंक समेत कई बैंकों के कर्मचारी हड़ताल पर रहे। इस कारण कई शाखाओं में सामान्य बैंकिंग कामकाज प्रभावित रहा। वही हड़ताल में शामिल बैंक कर्मियों ने केंद्र सरकार से लंबित मांगों पर जल्द सकारात्मक पहल करने की मांग की। कर्मचारियों ने सबसे प्रमुखता से पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था लागू करने की मांग उठायी। उन्होंने बताया कि 8 मार्च 2024 को इंडियन बैंक्स एसोसिएशन और बैंक यूनियनों के बीच हुए समझौते के अनुसार, प्रतिदिन काम के समय में 40 मिनट की वृद्धि कर सभी शनिवार को अवकाश घोषित करने का प्रस्ताव केंद्र सरकार की मंजूरी के लिए लंबित है। कर्मचारियों ने इस प्रस्ताव को जल्द मंजूरी देकर पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था लागू करने की मांग की। वही हड़ताल के दौरान परफॉर्मेंस लिंक्ड इंसेंटिव व्यवस्था में असमानता का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। बैंक कर्मचारियों का कहना है कि प्रस्तावित व्यवस्था में उच्च अधिकारियों और अन्य कर्मचारियों के बीच किसी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए। यूनियनों ने द्विपक्षीय समझौते के आधार पर निष्पक्ष और समान प्रोत्साहन व्यवस्था लागू करने की मांग की।वही कर्मचारियों ने सभी सेवानिवृत्त कर्मचारियों की पेंशन का अद्यतनीकरण करने और सभी पेंशनभोगियों के लिए समान महंगाई भत्ता फॉमूर्ला लागू करने की मांग भी उठायी। साथ ही, एनपीएस के तहत कार्यरत कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना में शामिल होने का विकल्प देने की मांग की गयी। साथ ही बैंक कर्मियों ने बैंकिंग सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए रिक्त पदों पर अविलंब पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया शुरू करने की मांग भी रखी। उनका कहना है कि बैंकिंग क्षेत्र में लंबे समय से कई मांगें लंबित हैं। इनका जल्द समाधान होने से कर्मचारियों के हितों के साथ-साथ बैंकिंग व्यवस्था को भी बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। वही स्थानीय बैंक कर्मचारियों ने बताया कि इंडियन बैंक्स एसोसिएशन और वित्त मंत्रालय के साथ लंबे समय से बातचीत चल रही है, लेकिन मांगों पर ठोस पहल नहीं होने के कारण संगठन की ओर से राष्ट्रव्यापी हड़ताल का निर्णय लिया गया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि लंबित मांगों का जल्द समाधान नहीं हुआ, तो संगठन आगे भी आंदोलन का रास्ता अपना सकता है।

बाढ़ में बदली स्कूल की भूमिका, किताबों के साथ राहत सामग्री लेकर प्रभावितों के बीच पहुंचे शिक्षक

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । बाढ़ की विभीषिका के बीच रसूलपुर दहला में प्रोविडेंस स्कूल के शिक्षकों ने मानवीय संवेदना की मिसाल पेश की। बच्चों को पढ़ाने वाले शिक्षक इस बार कक्षा के बजाय बाढ़ प्रभावित बस्तियों में नजर आए। प्रधानाचार्या सिस्टर बीना जॉर्ज के नेतृत्व में शिक्षकों की टीम ने करीब 300 बाढ़ प्रभावित घरों तक पहुंचकर सूखा राशन और अन्य राहत सामग्री उपलब्ध कराई। बाढ़ के पानी के कारण शहरी क्षेत्र के कई इलाकों में लोगों की रोजमर्रा की जरूरतें प्रभावित हैं। ऐसे में स्कूल की टीम ने प्रभावित परिवारों के बीच पहुंचकर उनकी जरूरतों को समझा और राहत सामग्री वितरित की। प्रधानाचार्या सिस्टर बीना जॉर्ज स्वयं बाढ़ के पानी के बीच घर-घर पहुंचीं और लोगों को राहत सामग्री दी। वहीं स्थानीय लोगों ने कहा कि आपदा के समय प्रशासन और सामाजिक संगठनों के साथ अब शैक्षणिक संस्थान भी जिम्मेदारी निभाने के लिए आगे आ रहे हैं। प्रधानाचार्या का खुद प्रभावित इलाकों में पहुंचना लोगों के लिए मदद के साथ-साथ हौसले का भी संदेश रहा। सिस्टर बीना जॉर्ज ने कहा कि स्कूल की जिम्मेदारी सिर्फ बच्चों को शिक्षा देने तक सीमित नहीं है। समाज का कोई हिस्सा संकट में हो तो उसकी मदद करना भी हमारा कर्तव्य है। उन्होंने कहा कि वर्तमान क्षमता के अनुसार राहत पहुंचाई गई है और जरूरत पड़ने पर आगे भी प्रभावित परिवारों की सहायता की जाएगी। राहत वितरण अभियान में शिक्षक आशीष रंजन, आकाश चौधरी, उत्पल कुमार, राहुल, सोमेश, संजीव कुमार, सुमित सहित स्कूल के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहे।

मासिक गुरु गोष्ठी में बीईईओ ने दिए निर्देश, अनुपस्थित बच्चों के घर जाकर अभिभावकों को करें प्रेरित

बिभा संवाददाता

तालझारी । उत्क्रमित उच्च विद्यालय तालझारी में शुक्रवार को सरकारी एवं अभियान विद्यालयों के शिक्षकों की मासिक गुरु गोष्ठी आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी रॉबिनचन्द्र मंडल ने की। बैठक में विद्यालयों में विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति, शैक्षणिक व्यवस्था और विभागीय कार्यों की समीक्षा की गई। वहीं बीईईओ ने शिक्षकों को निर्देश दिया कि विद्यालय से लगातार अनुपस्थित रहने वाले बच्चों के घर जाकर अभिभावकों से संपर्क करें और उन्हें नियमित रूप से स्कूल भेजने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने शिक्षकों को बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज करने तथा विद्यार्थियों की मैनुअल उपस्थिति के साथ ई-विद्यावाहिनी में भी उपस्थिति दर्ज करना अनिवार्य बताया। साथ ही बैठक में कक्षा एक से 12वीं तक नामांकित विद्यार्थियों के पोशाक से संबंधित डाटा एक्सेल शीट में तैयार कर बीआरसी में उपलब्ध कराने को कहा गया, ताकि बच्चों को समय पर पोशाक की राशि उपलब्ध कराई जा सके। जिन विद्यालयों में अब तक बच्चों का अपार आईडी कार्ड नहीं बनाया गया है, वहां शीघ्र प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश दिया गया। साथ ही शिक्षकों को बिना सूचना विद्यालय से अनुपस्थित नहीं रहने की हिदायत भी दी गई। वहीं, बीपीओ सुनील टुडू ने मध्याह्न भोजन योजना की समीक्षा करते हुए प्रतिदिन एमडीएम का एसएमएस करने और प्रत्येक माह की तीन तारीख तक एमडीएम रिपोर्ट कार्यालय में जमा करने का निर्देश दिया। मौके पर बीपीओ सुनील टुडू, बीआरपी राजेंद्र मंडल, लेखापाल उत्तम कुजूर, लोरेस सोरेन सहित विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक एवं सीआरपी मौजूद थे।

गंगा बढ़ने पर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट, बाढ़ प्रभावित इलाकों का सिविल सर्जन ने किया दौरा

राजमहल । राजमहल गंगा नदी के जलस्तर में लगातार वृद्धि को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने राजमहल प्रखंड क्षेत्र में सतर्कता बढ़ा दी है। शुक्रवार को सिविल सर्जन डॉ. रामदेव पासवान तथा राजमहल अनुमंडल अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. उदय टुडू ने बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। वही दौरे के दौरान अधिकारियों ने प्रभावित इलाकों में जलजमाव और बाढ़ की स्थिति की जानकारी ली तथा ग्रामीणों से स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के बारे में पूछताछ की। सिविल सर्जन ने स्वास्थ्य कर्मियों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में विशेष सतर्कता बरतने और जरूरत पड़ने पर तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। वही उन्होंने कहा कि बाढ़ के दौरान दूषित जल से फैलने वाली बीमारियों, सर्पदंश सहित अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से निपटने के लिए विभाग पूरी तरह तैयार है।

राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में उपायुक्त ने किया ईवीएम वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण

बिभा संवाददाता

साहेबगंज । साहेबगंज जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त दीपक कुमार दूबे की अध्यक्षता में शुक्रवार को समाहरणालय परिसर स्थित ईवीएम एवं वीवीपैट वेयरहाउस का त्रैमासिक निरीक्षण सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। वहीं निरीक्षण के दौरान राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में वेयरहाउस के डबल लॉक एवं सीलबंद तीनों विधानसभा कक्षों को नियमानुसार खोला गया। इसके उपरांत सुरक्षित रखी गई ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों का भौतिक सत्यापन किया गया तथा उनके सुरक्षित रख-रखाव की स्थिति का अवलोकन किया गया। वहीं उपायुक्त ने वेयरहाउस परिसर में स्थापित सीसीटीवी कैमरों की कार्यशीलता, निगरानी प्रणाली, रिकॉर्डिंग व्यवस्था एवं सुरक्षा प्रबंधन का भी निरीक्षण किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मियों को निर्देश दिया कि निगरानी व्यवस्था को चौबीसों घंटे सक्रिय एवं प्रभावी बनाए रखा जाए तथा सुरक्षा मानकों के अनुपालन में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। इस दौरान वेयरहाउस में उपलब्ध अग्निशमन उपकरणों, विद्युत सुरक्षा व्यवस्था, अभिलेख संधारण तथा अन्य सुरक्षा प्रोटोकॉल की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने भारत निर्वाचन आयोग के दिशा-निदेर्शों के अनुरूप सभी व्यवस्थाओं को अद्यतन एवं सुव्यवस्थित बनाए रखने का निर्देश दिया। निरीक्षण उपरांत राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में वेयरहाउस को पुनः डबल लॉक कर विधिवत सीलबंद किया गया। उपायुक्त ने सभी संबंधित अधिकारियों एवं सुरक्षा कर्मियों को निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित दिशा-निदेर्शों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने तथा सुरक्षा व्यवस्था की नियमित समीक्षा करते रहने का निर्देश दिया।

दियारा इलाकों में बाढ़ की स्थिति गंभीर, निजी नाव के सहारे आवागमन को मजबूर

बिभा संवाददाता

उधवा। गंगा नदी के जलस्तर में लगातार वृद्धि होने से उधवा प्रखंड के दियारा इलाकों में बाढ़ की स्थिति गंभीर हो गई है। जिससे लोगों की मुश्किलें काफी बढ़ गई है। बाढ़ग्रस्त इलाकों के लोग अब निजी नाव के सहारे आवागमन कर रहे है। बाढ़ से करीब 18 पंचायतों के दर्जनों गांव प्रभावित हो गए है। सैकड़ों परिवार बाढ़ की चपेट में है। लोगों के घरों में पानी घुस गया है। बाढ़ की स्थिति गंभीर होने से प्रभावित परिवारों के सामने रहने,भोजन,पेयजल और जरूरी सामान की समस्या खड़ी हो गई है। ग्रामीणों के साथ-साथ मवेशियों को भी सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा रहा है। जानकारी के अनुसार प्रखंड क्षेत्र के पूर्वी प्राणपुर,श्रीधर दियारा,दक्षिण पलाशगाछी, पश्चिमी प्राणपुर,उत्तर पलाशगाछी,उत्तर पियारपुर,दक्षिण पियारपुर,मध्य पियारपुर, अमानत दियारा और पूर्वी उधवा दियारा समेत कई पंचायत बाढ़ से पूरी तरह प्रभावित है। दियारा क्षेत्र में पानी फैलने के कारण कई गांवों में आवागमन और सामान्य जनजीवन प्रभावित हो गया है।

बाढ़ प्रभावित इलाकों में नाव ही बना सहारा

उधवा प्रखंड के दियारा इलाकों में सर्वाधिक बाढ़ प्रभावित दक्षिण पलाशगाछी पंचायत के बानुटोला चुआर से एक ऐसी तस्वीर सामने आई है। जिसमें टीन से बनी दो डोंगी नाव में दो युवकों द्वारा एक मोटरसाइकिल को लादकर लाया जा रहा है। बताया जाता है कि मछली पकड़ने में ऐसे नाव का उपयोग होता है। शांत प्रवाह में ऐसे नाव सुरक्षित है। लेकिन गंगा नदी उफान पर हो और ऐसी स्थिति में मोटरसाइकिल को लादकर एक स्थान से दूसरे स्थान तक जाना जोखिम से खाली नहीं है। लेकिन यहां रहने वाले ऐसी परिस्थितियों में जीना जानते है तभी तो बाढ़ से बार बार रुबरु होने की माद्दा रखते है।

जिला शिक्षा पदाधिकारी ने विद्यालयों का किया औचक निरीक्षण, पठन-पाठन एवं व्यवस्थाओं का लिया जायजा

बिभा संवाददाता

साहेबगंज। जिला शिक्षा पदाधिकारी नयन कुमार द्वारा शुक्रवार को मध्य विद्यालय समदा, उत्क्रमित उच्च विद्यालय सकरीगली एवं जिला मुख्यमंत्री उत्कृष्ट उच्च विद्यालय, सकरीगली का औचक निरीक्षण किया गया। वहीं निरीक्षण के क्रम में जिला शिक्षा पदाधिकारी ने विद्यालयों में पठन-पाठन की गुणवत्ता, विद्यार्थियों की उपस्थिति, मध्यान्ह भोजन, स्वच्छता एवं विद्यालय की समग्र व्यवस्थाओं का विस्तृत जायजा लिया। उन्होंने कक्षाओं का निरीक्षण कर शिक्षण कार्य की स्थिति की जानकारी ली तथा विद्यार्थियों से संवाद कर शैक्षणिक गतिविधियों के संबंध में जानकारी प्राप्त की। साथ ही उन्होंने विद्यालय परिसर में साफ-सफाई एवं मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने का निर्देश दिया। साथ ही उपस्थित शिक्षकों एवं कर्मियों को समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं प्रभावी शिक्षण सुनिश्चित करने तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साथ ही जिला शिक्षा पदाधिकारी ने कहा कि विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुशासन, स्वच्छता एवं बेहतर शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित करना जिला प्रशासन की प्राथमिकताओं में शामिल है।

पटना सहित पूरे बिहार में बैंक हड़ताल, 3000 शाखाओं पर लगेगा ताला, 63 हजार कर्मी शामिल

पटना (एजेंसी) बिहार के बैंक कर्मचारी आज एक दिवसीय सांकेतिक हड़ताल पर हैं, जिससे राज्य भर की करीब 3000 सार्वजनिक और निजी बैंक शाखाओं में कामकाज प्रभावित होगा. 63 हजार से अधिक कर्मचारी और अधिकारी इस हड़ताल में शामिल हैं, जिनकी मुख्य मांगें पांच दिन का कार्य दिवस और अन्य लंबित मुद्दे हैं. : पटना समेत पूरे बिहार में शुक्रवार को बैंकिंग सेवाओं पर असर पड़ने वाला है. सप्ताह में पांच दिन कामकाज लागू करने समेत लंबित मांगों को लेकर बैंक कर्मचारी और अधिकारी एक दिवसीय सांकेतिक हड़ताल पर रहेंगे. हड़ताल के कारण राज्य की करीब 3000 सार्वजनिक और निजी बैंक शाखाओं में कामकाज प्रभावित होगा. संगठन के अनुसार, करीब 63 हजार कर्मचारी और अधिकारी इस हड़ताल में शामिल होंगे. 3000 बैंक शाखाओं में आज प्रभावित

रहेगा कामकाज बैंक कर्मचारियों और अधिकारियों की एक दिवसीय सांकेतिक हड़ताल शुक्रवार को होगी. इसके चलते बिहार की करीब 3000 सार्वजनिक और निजी बैंक शाखाओं में सामान्य बैंकिंग सेवाएं प्रभावित रहने की बात कही गयी है. हड़ताल में करीब 63 हजार कर्मचारी और अधिकारी शामिल होंगे. पांच दिन बैंकिंग व्यवस्था लागू करने की मुख्य मांग बैंक कर्मचारी और अधिकारी सप्ताह में पांच दिन की कार्य प्रणाली लागू करने समेत कई लंबित मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं. कर्मचारियों का कहना है कि पांच दिन की बैंकिंग व्यवस्था को लेकर पहले भी सहमति बनी थी, लेकिन इसे अब तक लागू नहीं किया गया है. 2015 के समझौते में शनिवार को लेकर बनी थी सहमति स्टेट बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन के महासचिव अमरेश विक्रमादित्य के अनुसार, मई 2015 में हुए समझौते के तहत दूसरे और चौथे शनिवार को अवकाश घोषित किया गया था. इसके साथ ही अन्य शनिवारों को पूर्ण कार्य दिवस रखने और उचित समय पर सभी शनिवारों को अवकाश घोषित करने का आश्वासन दिया गया था. मार्च 2024 के वेतन समझौते में फिर बनी सहमति उन्होंने बताया कि मार्च 2024 के वेतन समझौते में शेष शनिवारों को भी अवकाश देने पर सहमति बनी. इसके बदले कर्मचारियों ने सोमवार से शुक्रवार तक प्रतिदिन 40 मिनट अतिरिक्त काम करने पर सहमति जतायी. इसके लिए वित्त मंत्रालय को अनुशंसा भी भेजी जा चुकी है. ढाई साल से अधिक समय बाद भी मामला लंबित बैंक कर्मचारी संगठन का कहना है कि वित्त मंत्रालय को अनुशंसा भेजे जाने के बावजूद ढाई वर्ष से अधिक समय बीतने के बाद भी सभी शनिवारों को अवकाश देने का मामला लंबित है. इसी मुद्दे समेत अन्य मांगों को लेकर कर्मचारियों और अधिकारियों में नाराजगी है. भर्ती और पेंशन से जुड़ी मांगें भी लंबित बैंक कर्मचारियों की ओर से पर्याप्त क्लेरिकल और सब-स्टाफ की भर्ती की मांग भी उठायी जा रही है. इसके अलावा एनपीएस को ओपीएस में बदलने, पेंशन उन्नयन और पेंशन पर महंगाई भत्ता में सुधार जैसी मांगें भी लंबित बतायी गयी हैं. सेवानिवत्त कर्मचारियों के चिकित्सा बीमा की मांग संगठन ने सेवानिवत्त कर्मचारियों के चिकित्सा बीमा का प्रीमियम बैंक की ओर से वहन करने की मांग भी रखी है. इसके साथ ही लीव बैंक समेत कई अन्य मांगों को भी आंदोलन का हिस्सा बताया गया है. सुलह बैठक में नहीं बन सका समझौता 8 और 9 सितंबर को मुख्य श्रम आयुक्त की मध्यस्थता में सुलह बैठक हुई. इसमें वित्त मंत्रालय के अधिकारी भी शामिल हुए, लेकिन बैठक में किसी समझौते पर सहमति नहीं बन सकी. इसके बाद बैंक कर्मचारी और अधिकारी शुक्रवार की सांकेतिक हड़ताल पर जा रहे हैं. 26 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी बैंक कर्मचारी और अधिकारी संगठनों ने मांगें पूरी नहीं होने की स्थिति में 26 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाने की बात कही है. ऐसे में सरकार और बैंक संगठनों के बीच बातचीत के जरिए समाधान निकालना अहम होगा. ग्राहकों पर क्या पड़ेगा असर एक दिवसीय हड़ताल के कारण बैंक शाखाओं में आमने-सामने होने वाली कई सेवाएं प्रभावित हो सकती हैं. हालांकि डिजिटल बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग और एटीएम जैसी सेवाओं पर असर संबंधित बैंक और सेवा व्यवस्था के अनुसार अलग-अलग हो सकता है.

संक्षिप्त डायरी

पटना में 10 घंटे चली NIA की रेड, दो फ्लैटों को टीम ने खंगाला, 1 करोड़ के जेवर और 20 लाख कैश मिले

पटना (एजेंसी) पटना के चित्रगुप्त नगर में 10 घंटों तक एनआईए की रेड चली. इस दौरान एनआईए की 8 लोगों की टीम ने दो फ्लैटों को खंगाला. इसके बाद जानकारी सामने आई है कि 1 करोड़ के जेवर और 20 लाख रुपये कैश मिले हैं. रांची में आरएसएस कार्यालय पर पेट्रोल बम फेंकने की कोशिश के मामले में नया अपडेट है. दिल्ली से गिरफ्तार संदीप के पटना के चित्रगुप्त नगर इलाके के दो फ्लैटों में छापेमारी की गई. छापेमारी के बाद दोनों फ्लैटों से एक करोड़ रुपये के जेवर और 20 लाख रुपये नकद मिलने की जानकारी सामने आई है. दो प्लैटों में 10 घंटों तक चली रेड मिली जानकारी के अनुसार, आठ सदस्यीय एनआईए की टीम ने चित्रगुप्त नगर थाना इलाके के साईं कुसुम इनफिनिटी अपार्टमेंट के दो फ्लैटों में छापेमारी की थी. करीब 10 घंटों तक यह रेड चली थी. जांच के दौरान आयकर विभाग, एसटीएफ की टीम के साथ स्थानीय थाना पुलिस भी मौजूद रही. 16 जून की रात फ्रर ऑफिस में बम फेंकने की कोशिश पूरे मामले के बारे में बताया जा रहा है कि 16 जून की देर रात रांची के निवारणपुर के आरएसएस कार्यालय परिसर में पेट्रोल बम फेंकने की कोशिश हुई थी. इस मामले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) कर रही है. वह पता लगा रही है कि आरोपियों को स्थानीय स्तर पर किन लोगों को वित्तीय मदद, वाहन और अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराईं. दिल्ली से हुई थी संदीप की गिरफ्तारी इसी मामले में जांच के दौरान ही पिछले दिनों एनआईए ने दिल्ली से संदीप नाम के एक युवक को हिरासत में लिया था. पूछताछ में उसने साईं कुसुम इनफिनिटी अपार्टमेंट में दो फ्लैट होने की जानकारी दी, जिसके बाद एनआईए ने तीन दिन में दो बार यहां छापेमारी की. मामले में जांच पड़ताल जारी सूत्रों के मुताबिक, यहां से करीब एक करोड़ रुपये कीमत के सोने के जेवर और 20 लाख रुपये की नकदी टीम को मिली है. लेकिन अभी एनआईए की ओर से आधिकारिक तौर पर जानकारी नहीं दी गई है. एनआईए की टीम जांच के बाद संदीप को लेकर रांची रवाना हो गई है. लेकिन मामले में जांच पड़ताल अभी भी जारी है. आगे इसमें एनआईए की टीम कोई बड़ी कार्रवाई कर सकती है.

पटना आयकर विभाग में रिश्वत लेते महिला असिस्टेंट कमिश्नर गिरफ्तार, क्लर्क भी धराया, CBI की कार्रवाई

पटना (एजेंसी) पटना में आयकर विभाग में एक बड़ी कार्रवाई हुई है, जहां असिस्टेंट कमिश्नर सुनंदा को 15 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा गया है. यह मामला एक एनजीओ के प्रमाणपत्र से जुड़ा है, जिसमें उन्होंने क्लर्क के माध्यम से रिश्वत स्वीकार की. पटना में आयकर विभाग के कार्यालय में सीबीआइ की भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो टीम ने बड़ी कार्रवाई की है. टीम ने गुरुवार को कथित तौर पर 15 हजार रुपये रिश्वत लेते आयकर विभाग की असिस्टेंट कमिश्नर सुनंदा को रंगे हाथ गिरफ्तार किया. रिश्वत की रकम स्वीकार करने में सहयोग करने वाले विभाग के एक क्लर्क को भी पकड़ा गया है. मामला एक एनजीओ के 12ए और 80जी प्रमाणपत्र से जुड़ा बताया जा रहा है. पटना आयकर कार्यालय में सीबीआइ की भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो टीम ने पटना स्थित आयकर विभाग के कार्यालय में ट्रैप की कार्रवाई की. एजेंसी के अनुसार, कार्रवाई एक शिकायत के आधार पर की गयी, जिसमें आयकर विभाग की असिस्टेंट कमिश्नर पर रिश्वत मांगने का आरोप लगाया गया था. 15 हजार रुपये की पहली किस्त लेते पकड़ी गयीं शिकायत के मुताबिक, श्रवण ज्योति विवेकानंद संस्थान नामक एनजीओ ने आयकर विभाग में 12ए और 80जी प्रमाणपत्र के लिए आवेदन किया था. आरोप है कि प्रमाणपत्र जारी करने के बदले असिस्टेंट कमिश्नर ने संस्थान के प्रतिनिधि से 75 हजार रुपये की मांग की थी. इसी रकम में से 15 हजार रुपये पहली किस्त के रूप में देने की बात कही गयी थी. शिकायत के बाद सीबीआइ ने कराया सत्यापन संस्थान के प्रतिनिधि ने कथित रिश्वत मांगने की जानकारी सीबीआइ को दी. इसके बाद एजेंसी ने शिकायत में लगाए गए आरोपों का सत्यापन कराया. सत्यापन के दौरान शिकायत सही पाए जाने के बाद सीबीआइ ने ट्रैप की कार्रवाई की.

दिवाली-छठ पर बिहार आने की टेंशन खत्म, 4 राज्यों के लिए चलेंगी 149 बसें, जानिए कब से मिलेगी सुविधा

पटना (एजेंसी) त्योहारों के मौके पर बिहार आने वाले लोगों के लिए जरूरी खबर है. 4 राज्यों के लिए बसें चलाई जायेंगी. जानकारी के मुताबिक, इस महीने के अंत तक अंतरराज्यीय बसें चलाई जायेंगी. टोटल 149 बसों का परिचालन किया जाएगा. त्योहारों की शुरूआत से पहले बिहार से बाहर रह रहे लोगों के लिए राहत भरी खबर है. चार राज्यों हरियाणा, दिल्ली, यूपी और पश्चिम बंगाल के लिए अंतरराज्यीय बसें चलाई जायेंगी. इस महीने के अंत तक इसकी शुरूआत हो जाएगी. टोटल 149 बसों का इन राज्यों के लिए परिचालन होना है, जिसमें 75 एसी और 74 नॉन एसी बसें हैं. इन जिलों में भेजी गईं बसें जानकारी के अनुसार, टाटा कंपनी से इन बसों की आपूर्ति का कॉन्ट्रैक्ट किया गया है. इनमें से 50 बसें बिहार राज्य पथ परिवहन निगम को सौंप चुकी है, इसमें से 19 बसें पटना डिपो को सौंपी गई हैं और बाकी 39 बसें मुजफ्फरपुर, गया, भागलपुर, पूर्णिया और दरभंगा डिपो को भेजी गई हैं. रूट और परमिट निर्माण की प्रक्रिया शुरू बसों के मिलने के बाद इन अंतरराज्यीय बसों के परिचालन के लिए रूट निर्धारण और परमिट निर्माण की प्रक्रिया शुरू हो गई है.

यूपी से बिहार सरकार का अंतरराज्यीय बस परिचालन का समझौता पहले से होने के कारण गाजियाबाद तक बसों को आने जाने की इजाजत पहले से ही है. पटना से बनारस, लखनऊ और अयोध्या होते हुए गाजियाबाद तक बसें जायेंगी. लेकिन पटना आरटीओ से परमिट मिलने के बाद उस पर गाजियाबाद आरटीओ का काउंटर साइन होना जरूरी है तभी यहां से बसों का परिचालन हो पायेगा. पश्चिम बंगाल के कोलकाता और सिलीगुड़ी के लिए बसों का परिचालन शुरू करने की तैयारी चल रही है. इसी तरह हरियाणा के अंबाला और गुरुग्राम के लिए भी रूट निर्धारण और परमिट निर्माण की प्रक्रिया चल रही है. दिल्ली से भी समझौते का प्रयास जानकारी के मुताबिक, दिल्ली से भी समझौते का प्रयास चल रहा है और इस महीने के अंत तक यह समझौता पूरा हो जायेगा. उसके बाद परमिट निर्माण की प्रकिया शुरू होगी और दशहरा से पहले वहां के लिए भी बिहार राज्य पथ परिवहन निगम की सीधी बस सेवा का परिचालन शुरू हो जायेगा. इन जिलों से चलेंगी सबसे ज्यादा बसें सरकारी बसों का अंतरराज्यीय परिचालन पटना समेत बीएसआरटीसी के कई डिपो से होगा. सबसे अधिक बसें दरभंगा, मधुबनी, समस्तीपुर और मुजफ्फरपुर से चलेंगी. पटना से 40 बसों का परिचालन होगा, जिनमें सबसे अधिक दिल्ली के लिए शुरू होने वाली हैं. दिल्ली के लिए निजी बस का परिचालन पटना, मुजफ्फरपुर, भागलपुर जैसी जगहों से होना है. सीधा परमिट नहीं होने से ये गाजियाबाद तक ही जाती है. अगले सप्ताह मिलेंगी 25 और बसें पीएम ई-बस योजना के तहत अगले सप्ताह 25 और बसें बिहार राज्य पथ परिवहन निगम को मिल जायेंगी. ये बसें सिटी बस सेवा में शामिल होंगी. इससे पटना शहर में चलने वाली सिटी बसों की संख्या 62 हो जायेगी. पीएम ई-बस योजना के तहत 25 बसें पहले से ही पटना की सड़कों पर दौड़ रही हैं. साथ ही इनके शुरू होने के पहले से पटना में अशोक लीलैंड कंपनी के साथ कॉन्ट्रैक्ट पर 25 इलेक्ट्रिक बसों का परिचालन हो रहा है. एम्स, दानापुर और बिहटा रूट में चलेंगी नई बसें अगले सप्ताह पटना आने वाली 25 इलेक्ट्रिक बसों का परिचालन एम्स, दानापुर और बिहटा रूट में होगा. इनमें 10 बसें गांधी मैदान से जंक्शन होकर फुलवारी होते हुए एम्स और 10 बसें गांधी मैदान से पटना जंक्शन होकर सगुना मोड़ होते हुए दानापुर जायेंगी. जबकि पांच बसे गांधी मैदान से पटना जंक्शन, सगुना मोड़, दानापुर होते हुए बिहटा तक जायेगी. बसों के आने के बाद पहले रजिस्ट्रेशन और उसके बाद उनका परमिट बनेगा. उसके बाद बसों के परिचालन का ट्रायल और महीने के अंत तक इनका परिचालन शुरू होगा.

IRCTC टेंडर में हेरफेर का विवाद, कोर्ट में लालू परिवार के खिलाफ क्या कहा गया? जानिए कैसे सामने आया मामला

पटना (एजेंसी) टेंडर घोटाला मामले में लालू प्रसाद, उनकी पत्नी राबड़ी देवी, बेटे तेजस्वी यादव और चार अन्य लोगों के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया गया. कोर्ट ने यह सख्त टिप्पणी की कि लालू प्रसाद ने रेल मंत्री रहते हुए टेंडर की शर्तों में हेरफेर किया. दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने टेंडर घोटाला मामले में लालू परिवार और चार अन्य लोगों पर आरोप तय किए जाने का आदेश दिया. कोर्ट के इस फैसले के बाद बिहार के सियासी गलियारे में राजनीतिक नेताओं की ओर से बयानबाजी तेज हो गई है. बीजेपी नेता मृत्युंजय तिवारी ने कहा, कोर्ट ने जो ऑब्जर्व किया उसके अनुसार फैसला सुनाया. इससे किसी को आपत्ति नहीं होना चाहिए. कोर्ट में विशेष न्यायाधीश ने क्या कहा? विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने कहा मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में

सात लोगों के खिलाफ 'पुख्ता संदेह है. जांच का स्वरूप, समय और तरीका ऐसा नहीं लगता कि यह राजनीतिक प्रतिशोध की भावना से प्रेरित हो, जैसा कि आरोपियों के वकीलों ने दलील दी है. कोर्ट ने 9 आरोपियों को मुक्त भी किया है. आरोपियों को 3 अक्टूबर को राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश होना पड़ेगा. क्या लगाए गए हैं आरोप? सीबीआई की प्राथमिकी में आरोप लगाया गया था कि यूपीए-1 सरकार में रेल मंत्री रहते हुए लालू प्रसाद ने 2004 में आईआरसीटीसी के दो होटलों के रखरखाव का काम एक कंपनी को सौंप दिया था. इसके बदले उन्हें पटना में एक बेशकीमती जमीन रिश्वत के तौर पर मिली थी. यह प्रेम चंद गुप्ता (पूर्व केंद्रीय मंत्री) की पत्नी सरला गुप्ता की एक बेनामी कंपनी के जरिए प्राप्त की गई थी. सीबीआई की इसी प्राथमिकी के आधार पर ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत लालू प्रसाद के परिवार के सदस्यों और अन्य लोगों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया था. यह मामला 2004 से 2009 के बीच का है, जब लालू प्रसाद यादव रेल मंत्री थे. आरोप है कि उन्होंने अपने पद का दुरुपयोग करके रांची और पुरी में स्थित के दो होटलों के रखरखाव का ठेका एक निजी कंपनी, सुजाता होटल्स को नियमों को ताक पर रखकर दिया था. इसके बदले में, यह आरोप लगाया गया कि सुजाता होटल्स के मालिकों ने बेनामी तरीके से दिल्ली में लालू परिवार के सदस्यों के नाम पर करोड़ों रुपये की संपत्ति ट्रांसफर की. इस पूरे मामले में यह भी कहा गया है कि होटल का ठेका देते समय नियमों का पालन नहीं किया गया. जैसे कि, होटल के रखरखाव के लिए कोई खुली बोली (ओपन टेंडर) नहीं बुलाई गई और न ही जरूरी क्लीयरेंस ली गई. यह सब कथित तौर पर लालू यादव के प्रभाव में हुआ. कैसे सामने आया मामला और क्या है आरोप? यह मामला तब सामने आया जब सीबीआई ने 2017 में लालू यादव, उनकी पत्नी राबड़ी देवी, बेटे तेजस्वी यादव सहित कई लोगों के खिलाफ भ्रष्टाचार का केस दर्ज किया. सीबीआई का आरोप है कि इस सौदे में रिश्वत के तौर पर संपत्ति का लेन-देन हुआ. फिर इस मामले में जांच के जिम्मेदारी ईडी के हिस्से में आई. इसके बाद से लालू परिवार के खिलाफ कानूनी कार्रवाई फिर से तेज हो गई है.

नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड का बदलेगा नाम? JDU के सांसद और मंत्री के बयान से चर्चा तेज

पटना (एजेंसी) बिहार की सियासत में इन दिनों नीतीश कुमार को लेकर चर्चा तेज हो गई है. अब उनकी पार्टी जनता दल यूनाइटेड का नाम बदलने को लेकर लगातार नेताओं की ओर से बयानबाजी हो रही है. राज्यसभा सांसद संजय झा और मंत्री श्रवण कुमार ने इसका समर्थन भी किया है. बिहार की राजनीति में इन दिनों जेडीयू का नाम और बख्तियारपुर का नाम बदलने को लेकर चर्चा तेज हो गई है. पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा था कि अब समय आ गया है पार्टी का नाम 'जनता दल यूनाइटेड' से बदलकर 'जनता दल नीतीश' कर दिया जाए. मंत्री श्रवण कुमार ने क्या कहा? संजय झा के इस बयान का मंत्री श्रवण कुमार ने खुलकर समर्थन किया है. उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार पार्टी के सबसे बड़े नेता हैं और पार्टी उनकी बनाई हुई है. अगर पार्टी में नाम बदलने का प्रस्ताव आता है तो उसे सर्वसम्मति से पारित कर दिया जाएगा. इस तरह से अब संभावना जताई जा रही है कि आने वाले दिनों में जदयू का नाम नीतीश कुमार के नाम पर ही हो सकता है. बख्तियारपुर का

नाम बदलने की भी चर्चा इतना ही नहीं, बख्तियारपुर का नाम बदलने की भी चर्चा हो रही है. बिहार सरकार के मंत्री संतोष सुमन ने सीएम सम्राट चौधरी से अनुरोध किया था. बख्तियारपुर केवल एक भौगोलिक पहचान नहीं है. यह उस महान जननेता की जन्मभूमि है, जिन्होंने अपने लंबे सार्वजनिक जीवन से बिहार की राजनीति, विकास और शासन की दिशा को एक नई पहचान दी. इस मामले में लगातार राजनीतिक नेताओं की ओर से बयानबाजी हो रही है. मंत्री श्रवण कुमार ने नीतीश कुमार को विकास पुरुष और बिहार का विश्वकर्मा बताया. इसके अलावा बिहार के उपमुख्यमंत्री बिजेन्द्र यादव ने कहा कि सबकी अपनी अपनी इच्छा है. सभी अपनी इच्छा जाहिर कर रहे हैं. लेकिन नाम बदलने को लेकर अभी कोई आधिकारिक फैसला नहीं हुआ है. चिराग पासवान के बयान पर भी बोले दूसरी तरफ, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने भी कहा था, चाहे नीतीश कुमार हों, उनके अपने पिता दिवंगत रामविलास पासवान हों या राजद प्रमुख लालू प्रसाद हों, इन सभी ने लंबे समय तक बिहार और देश की राजनीति में काम किया है. इसलिए इनके नाम पर जगहों के नाम रखे जाने और प्रतिमाएं लगाने में कुछ भी गलत नहीं है.

प्रशांत किशोर बोले- हां हूं मैं बेचारा, CM सम्राट चौधरी के इस बयान का ढङ ने दिया रिप्लाई

पटना (एजेंसी) बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने एक पॉडकास्ट के दौरान विधायक प्रशांत किशोर को बेचारा कहा था. इस बयान पर पीके ने अपनी प्रतिक्रिया दी है. प्रशांत किशोर ने कहा, हां मैं बेचारा हूं, क्योंकि बिहार को छोड़ने का कोई चारा नहीं है. जन सुराज पार्टी के संस्थापक और बांकीपुर विधायक प्रशांत किशोर ने सीएम सम्राट चौधरी के बयान पर पलटवार किया है. एक पॉडकास्ट के दौरान सीएम सम्राट चौधरी ने प्रशांत किशोर को बेचारा कहा था. इस पर प्रशांत किशोर ने कहा, हां मैं बेचारा हूं क्योंकि बिहार को बदलने के संकल्प के सामने कोई और चारा नहीं है. प्रशांत किशोर ने दिया ये बयान पीके ने यह भी कहा कि मुख्यमंत्री ने उन्हें ह्यबेचाराह्ल कहा है तो यह सही है. बिहार को छोड़कर जाने का कोई चारा नहीं है. प्रशांत किशोर के मुताबिक, बेचारा वह होता है जो जिसके पास कोई चारा नहीं होता है. ऐसे में बिहार को सुधारने के संकल्प के अलावा उनके पास कोई और चारा नहीं है. कोई दूसरा विकल्प नहीं है. इस तरह से प्रशांत किशोर ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को जवाब दिया. पॉडकास्ट में सीएम से पूछा गया था यह सवालएएनआई के पॉडकास्ट में सम्राट चौधरी ने बांकीपुर के नतीजे और जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर को लेकर भी खुलकर बात की. बांकीपुर उपचुनाव के दौरान प्रशांत किशोर की ओर से मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी पर की गयी टिप्पणियों को लेकर भी सवाल पूछा गया था. बिहार से जुड़ी अन्य ताजा खबरों के लिए यहां क्लिक करें इस पर सीएम ने व्यक्तिगत टिप्पणी से दूरी बनाने की बात कही. सम्राट चौधरी ने कहा था, 'वो बेचारा है, चलिए उसको करने दीजिए.' उन्होंने यह भी कहा था कि उनकी व्यक्तिगत लड़ाई किसी से नहीं है. वह बिहार के विकास और काम करने के लिए आये हैं. उन्होंने यह भी कहा कि अगर कोई उनके खिलाफ कोर्ट जाता है तो उसे ऐसा करने का संवैधानिक अधिकार है. हार में बाढ़ को लेकर सरकार पर किया हमला विधायक प्रशांत किशोर ने बिहार में बाढ़ की स्थिति को लेकर भी बातचीत की. उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, 20 सालों से एनडीए की सरकार है, इसके बावजूद लाखों की संख्या में लोग हर साल बाढ़ से तबाह होते हैं. इसकी वजह बताते हुए प्रशांत किशोर ने कहा, ऐसा इसलिए होता है क्योंकि सत्ता में बैठे नेताओं और अधिकारियों के लिए यह कमाई का जरिया बनकर रह गया है.

बिहार विधान परिषद की 8 सीटों पर चुनाव के लिए तैयारी तेज, जानिए किस सीट से कौन हो सकते हैं उम्मीदवार

पटना (एजेंसी): बिहार विधान परिषद की 8 सीटों पर चुनाव होना है. इसके लिए अभी से ही राजनीतिक पार्टियों की ओर से तैयारी तेज कर दी गई है. कहीं बैठकों का सिलसिला जारी है तो कहीं उम्मीदवार शिक्षकों से संपर्क मजबूत करने में जुटे हैं. साथ ही कई तरह की बयानबाजी भी जमकर देखने के लिए मिल रही है. बिहार विधान परिषद की आठ सीटों पर इस साल होने वाले चुनाव को लेकर राजनीतिक हलचल तेज हो गई है. इसमें शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की चार और स्नातक निर्वाचन क्षेत्र

की चार सीट शामिल हैं. इनमें पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र, तिरहुत स्नातक निर्वाचन क्षेत्र, दरभंगा स्नातक निर्वाचन क्षेत्र और कोसी स्नातक निर्वाचन क्षेत्र शामिल हैं. जबकि पटना शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र, सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र, तिरहुत शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र और दरभंगा शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र भी शामिल हैं. आधिकारिक घोषणा का इंतजार जानकारी के मुताबिक, कई सीटों पर उम्मीदवार तैयारी में जुट गए हैं. जीत को लेकर एनडीए और महागठबंधन दोनों तरफ से दावे हो रहे हैं. फिलहाल जदयू और भाजपा सहित अन्य दलों की तरफ से उम्मीदवारों की आधिकारिक घोषणा का इंतजार है. ये हो सकते हैं उम्मीदवार सूत्रों के अनुसार, जदयू की तरफ से पटना स्नातक निर्वाचन क्षेत्र के उम्मीदवार इस बार भी नीरज कुमार होंगे. पिछली बार राजद के तरफ से आजाद गांधी नीरज के खिलाफ चुनाव लड़े थे. इस बार आजाद गांधी बीजेपी में शामिल हो गए हैं. इसका लाभ नीरज कुमार को मिल सकता है. शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र में नवल किशोर यादव फिर से अपनी ताकत दिखाने की तैयारी में हैं. वे लगातार शिक्षकों के संपर्क में हैं. तिरहुत सीट पर चुनाव दिलचस्प तिरहुत स्नातक निर्वाचन क्षेत्र की लड़ाई इस बार भी दिलचस्प हो सकती है. पिछली बार देवेश चंद्र ठाकुर के सांसद बनने के बाद हुए उपचुनाव में जदयू के अभिषेक झा, शिक्षक नेता बंशीधर बृजवासी से चुनाव हार गए थे.

ब्रेंट क्रूड 1.05 डॉलर करीब 1 फीसदी चढ़कर 108.68 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा

साप्ताहिक आधार पर ब्रेंट और डब्ल्यूटीआई दोनों करीब 13 फीसदी ऊपर चढ़े भाव

नई दिल्ली, ।

कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल जारी है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और तेल की सप्लाई बाधित होने की आशंका के बीच शुक्रवार को ब्रेंट और अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड दोनों में करीब एक फीसदी की तेजी दर्ज की गई। खास बात यह है कि दोनों प्रमुख कच्चे तेल के भाव मई के मध्य के बाद पहली बार किसी हफ्ते का अंत 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर करने की ओर बढ़ रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक ब्रेंट क्रूड 1.05 डॉलर यानी करीब 1 फीसदी चढ़कर 108.68 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं अमेरिकी डब्ल्यूटीआई क्रूड 95 सेंट यानी करीब 1 फीसदी की तेजी के साथ 103.45 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था। इससे पहले गुरुवार को दोनों में 6 फीसदी से ज्यादा की जोरदार तेजी आई थी।

रिपोर्ट के मुताबिक कच्चे तेल में तेजी सिर्फ एक-दो कारोबारी सत्र तक सीमित नहीं है। साप्ताहिक आधार पर ब्रेंट और डब्ल्यूटीआई दोनों करीब 13 फीसदी ऊपर चल रहे हैं। यह 17 जुलाई को खत्म हुए हफ्ते के बाद कच्चे तेल की कीमतों में सबसे बड़ी साप्ताहिक तेजी है। तेल में इस उछाल की सबसे बड़ी वजह पश्चिम एशिया में बढ़ता संघर्ष और अहम समुद्री रास्तों पर जहाजों की आवाजाही को लेकर पैदा हुआ खतरा है। हूती लड़ाकों ने गुरुवार को यमन के मोखा बंदरगाह पर कब्जा कर लिया। इससे लाल सागर से गुजरने वाले जहाजों की सुरक्षा को लेकर चिंता और बढ़ गई है। दूसरी तरफ फारस की खाड़ी में होर्मुज से आवाजाही पहले ही सीमित बनी हुई है और हाल के दिनों में तेल टैंकरों पर हमले बढ़े हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक यमन की तरफ से सऊदी अरब की ऊर्जा सुविधाओं पर हुए हमलों ने संघर्ष का दायरा ईरान और होर्मुज से आगे बढ़ा दिया है। विश्लेषकों को डर है कि अगर तनाव लंबे समय तक चला तो पूरे इलाके से तेल की सप्लाई प्रभावित हो सकती है। ईरान ने कहा है कि उसने बुधवार को होर्मुज के पास 10 जहाजों पर हमला किया, जबकि अमेरिका ने पांच ईरानी तेल टैंकरों को निशाना बनाया। इसके बाद ईरान के इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने कहा कि आगे हमला होने पर उसकी जवाबी कार्रवाई और तेज होगी।अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने भी ईरान के पिकऐक्स माउंटेन को निशाना बनाए जाने की संभावना की चेतावनी दी है। यह जगह ईरान की बुरी तरह क्षतिग्रस्त नतांज यूरेनियम संवर्धन सुविधा के पास स्थित है। इन बयानों से बाजार में यह चिंता बढ़ रही है कि संघर्ष जल्दी खत्म होने के बजाय लंबा खिंच सकता है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 4,400 डॉलर प्रति औंस के नीचे फिसला

अब बाजार की नजर अमेरिका में आने वाले महंगाई के दो आंकड़ों पर

नई दिल्ली, ।

सोने और चांदी की कीमतों पर फिर दबाव नजर आ रहा है। गुरुवार को अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 4,400 डॉलर प्रति औंस के नीचे फिसल गया, जबकि चांदी 66.5 डॉलर के नीचे आ गई। अब बाजार की नजर अमेरिका में आने वाले महंगाई के दो अहम आंकड़ों पर है। इनमें उत्पादक कीमतों से जुड़ा पीपीआई और खुदरा महंगाई से जुड़ा सीपीआई डेटा शामिल है। इन आंकड़ों से संकेत मिल सकता है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व 15-16 सितंबर की बैठक में ब्याज दर बढ़ाएगा या मौजूदा स्तर पर बनाए रखेगा। एक रिसर्च के मुताबिक फिलहाल बाजार में फेड की तरफ से ब्याज दर बढ़ाए जाने की करीब 60 फीसदी संभावना मानी जा रही है। ऐसे में अमेरिका के महंगाई आंकड़े सोने-चांदी की अगली चाल के लिए काफी अहम हो गए हैं। सबसे पहले अमेरिका का उत्पादक मूल्य सूचकांक यानी पीपीआई डेटा आएगा। इसके बाद शुक्रवार को उपभोक्ता मूल्य सूचकांक यानी सीपीआई के आंकड़े जारी होंगे। बाजार के लिए सीपीआई ज्यादा अहम रहने वाला है और इससे फेड के फैसले को लेकर तस्वीर ज्यादा साफ हो सकती है। अगर महंगाई के आंकड़े अनुमान से मजबूत रहते हैं तो ब्याज दर बढ़ने की उम्मीद और मजबूत हो सकती है। इससे सोने और चांदी पर दबाव बढ़ सकता है। इसके उलट महंगाई में नरमी दिखाई देती है तो फेड के ब्याज दर नहीं बढ़ाने की उम्मीद बढ़ सकती है, जिससे सोने को सहारा मिल सकता है।

गुरुवार की गिरावट से पहले बुधवार को सोने में करीब एक फीसदी और चांदी में 2 फीसदी से ज्यादा की तेजी आई थी। इसकी एक बड़ी वजह डॉलर में कमजोरी थी। आम तौर पर डॉलर कमजोर होने से सोने को फायदा मिलता है।हालांकि इस दौरान अमेरिकी बॉन्ड की यील्ड बढ़ने से सोने की तेजी पर दबाव भी बना रहा। अमेरिकी सरकार ने 10 से 20 साल की अवधि वाले 6 अरब डॉलर के बॉन्ड वापस खरीदने की कार्रवाई की। इसका मकसद लंबी अवधि में सरकार के लिए कर्ज जुटाने की लागत पर दबाव कम करना था। इसके बावजूद अमेरिका के 10 साल के बॉन्ड की यील्ड बढ़कर 4.85 फीसदी पहुंच गई।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 120, निफ्टी 79 अंक गिरा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष से पश्चिम एशिया में तनाव जारी रहने के साथ ही कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से भी बाजार पर दबाव आया है। हालांकि, दिनभर के कारोबार में यह अपने निचले स्तर से अच्छी रिकवरी करने में सफल रहा। आईटी, एफएमसीजी और बैंक शेयरों से मिले समर्थन ने बाजार को बड़ी गिरावट से बचाया।

दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स करीब

120.83 अंक फिसलकर 74,781.76 पर बंद हुआ1 वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 79.70 अंक टूटकर र 23,398.10 पर आ गया। आज सुबह दिन के शुरुआत में, सेंसेक्स 593.42 अंकों की गिरावट के साथ 74,309.16 पर खुला। इसी तरह निफ्टी भी 207 अंक फिसलकर 23,270.30 पर खुला और इंट्रा-डे में 23,231.40 के निचले स्तर तक चला गया था।

वहीं व्यापक बाजारों में, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप में गिरावट दर्ज की गई। सेक्टरवार देखें तो निफ्टी रियल्टी और निफ्टी मेटल में सबसे ज्यादा गिरावट रही। निफ्टी ऑटो, निफ्टी ऑयल

एंड गैस, निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और निफ्टी एफएमसीजी में भी गिरावट दर्ज की गई। इसके विपरीत, निफ्टी प्राइवेट बैंक, निफ्टी मीडिया और निफ्टी आईटी जैसे सेक्टरों में बढ़ोतरी दर्ज की गई। निफ्टी50 इंडेक्स में एचडीएफसी बैंक, डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज, टेक महिंद्रा, एचडीएफसी लाइफ और विप्रो के शेयरों में बढ़त देखने को मिली, जबकि हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, जेएसडब्ल्यू स्टील, आयशर मोटर्स, टाटा स्टील और ओएनजीसी के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई।

अगस्त में गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड में करीब 18 अरब डॉलर का निवेश आया

-सोने की मांग अमेरिका-यूरोप तक सीमित नहीं, एशिया के निवेशकों की भी दिलचस्पी बढ़ी

नई दिल्ली, ।

सोने में निवेश को लेकर निवेशकों का रुझान फिर बढ़ा है। अगस्त 2026 में गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड में करीब 18 अरब डॉलर का निवेश किया गया। यह अब तक का दूसरा सबसे बड़ा मासिक इनफ्लो है। सोने की मांग सिर्फ अमेरिका और यूरोप तक सीमित नहीं रही, बल्कि एशिया में भी निवेशकों की दिलचस्पी बढ़ी है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के मुताबिक अगस्त में एशियाई गोल्ड ईटीएफ में करीब 2.04 अरब डॉलर का निवेश आया। फरवरी के बाद यह एशिया में सबसे मजबूत मासिक इनफ्लो है। वैश्विक स्तर पर गोल्ड ईटीएफ में आए निवेश का बड़ा हिस्सा उत्तरी अमेरिका और यूरोप में लिस्टेड फंडों ने किया।रिपोर्ट के मुताबिक अगस्त में दुनियाभर के गोल्ड ईटीएफ की कुल होल्डिंग करीब 121 टन बढ़कर 4,189 टन के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। वहीं इन फंडों की कुल एसेट अंडर मैनेजमेंट 16 फीसदी बढ़कर करीब 615 अरब डॉलर हो गई। क्षेत्रवार देखें तो अगस्त में उत्तरी अमेरिका के फंडों में 7.70 अरब डॉलर और यूरोप के फंडों में 7.88 अरब डॉलर का निवेश हुआ। एशियाई बाजारों में चीन गोल्ड ईटीएफ निवेश के मामले में सबसे आगे रहा। अगस्त में चीन के गोल्ड ईटीएफ में करीब 1.54 अरब डॉलर का निवेश हुआ। इससे वहां की कुल होल्डिंग 10.7 टन बढ़कर 292.7 टन हो गई। शेयर बाजार की धीमी चाल और सरकारी बॉन्ड पर कम ब्याज मिलने की वजह से चीन के लोग सोने में पैसे लगा रहे हैं। जापान में अगस्त में गोल्ड ईटीएफ में करीब 17.44 करोड़ डॉलर का निवेश आया।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन- भारत का सहयोग मंत्र, टकराव नहीं!

नई दिल्ली में शुरू हो रहे सम्मेलन में भारत साझा मुद्रा विवाद से दूर रहेगा

नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार से शुरू हो रहे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भारत इस 11-सदस्यीय समूह को एक ऐसे मंच के तौर पर प्रस्तुत करेगा जो वैश्विक विकास और सहयोग पर केंद्रित है, न कि किसी अन्य अंतरराष्ट्रीय समूह का विरोधी। मेज़बान देश के रूप में भारत ब्रिक्स की साझा मुद्रा से जुड़े किसी भी विवादास्पद प्रस्ताव से दूरी बनाए रखेगा, जिसका समर्थन पूर्व में रूस और चीन कर चुके हैं। भारत ने इस समूह को बातचीत, समझ और रचनात्मक सहयोग के मंच के तौर पर पेश करने की कोशिश की है। भारत ने इस वर्ष ब्रिक्स से जुड़ी बैठकों में हासिल किए गए 50 से अधिक विकास-केंद्रित परिणामों के माध्यम से अपना जन-केंद्रित नज़रिया पेश किया है। साथ ही भारत वैश्विक संस्थानों में सुधार और वर्ष 2028-29 के कार्यकाल के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अपनी दावेदारी के लिए आम सहमति बनाने की भी कोशिश करेगा। शिखर सम्मेलन से पहले ब्रिक्स सदस्य देशों के नेताओं का शुक्रवार से राजधानी नई दिल्ली पहुंचना शुरू हो जाएगा। इसी दिन ब्रिक्स व्यापार मंच के नेताओं के सत्र का भी आयोजन होगा, जिसमें रूस के राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन और भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित कई नेता शामिल होंगे। व्यापार मंच ब्रिक्स देशों के बीच व्यापार, आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाने और गैर-शुल्क बाधाएं कम करने पर विशेष चर्चा करेगा। शुक्रवार को प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति पुतिन के बीच द्विपक्षीय बातचीत भी होगी।

भारत की जीडीपी ग्रोथ को आईएमएफ ने अर्थव्यवस्था की क्षमता और मजबूती से जोड़ा

7.8 फीसदी की बढ़ोतरी सर्विस सेक्टर और एक्सपोर्ट में उम्मीद से ज्यादा गतिविधियों से हुई

नई दिल्ली, ।

भारत की अर्थव्यवस्था ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन किया है। इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड की प्रवक्ता जूली कोज़ैक ने भारत की आर्थिक रफ्तार को लेकर कहा कि दूसरी तिमाही में भारत की वास्तविक जीडीपी ग्रोथ 7.8 फीसदी रही, जो आईएमएफ के स्टाफ अनुमान और दूसरे आर्थिक जानकारों की उम्मीद से बेहतर है। जूली कोज़ैक के मुताबिक भारत की अर्थव्यवस्था में 7.8 फीसदी की बढ़ोतरी मुख्य रूप से सर्विस सेक्टर और एक्सपोर्ट में उम्मीद से ज्यादा गतिविधियों की वजह से हुई। इन दोनों क्षेत्रों ने आर्थिक विकास को मजबूत आधार दिया और ग्रोथ अनुमान से ऊपर पहुंच गई।

आईएमएफ की प्रवक्ता ने इस प्रदर्शन को भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती का संकेत बताया. खास बात यह है कि वैश्विक स्तर पर ऊर्जा की कीमतों में झटका देखने को मिल रहा है। इसके बावजूद भारत की आर्थिक गतिविधियों में तेजी बनी हुई है। दुनियाभर में ऊर्जा की कीमतों में तेजी का असर महंगाई, कारोबार और आर्थिक गतिविधियों पर पड़ता है।

भारत भी अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा कच्चे तेल के आयात से पूरा करता है। ऐसे माहौल में 7.8 फीसदी की जीडीपी ग्रोथ को आईएमएफ ने भारतीय अर्थव्यवस्था की क्षमता और मजबूती से जोड़ा है।

जूली कोज़ैक ने कहा कि यह प्रदर्शन दिखाता है कि बाहरी दबावों के बावजूद भारत की अर्थव्यवस्था अपनी रफ्तार बनाए रखने में सक्षम है। आईएमएफ के मुताबिक भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि का असर सिर्फ देश तक सीमित नहीं है।

भारत दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में तेजी से बढ़ने वाले देशों में शामिल है और वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए एक अहम ग्रोथ इंजन बना हुआ है। सर्विस सेक्टर, एक्सपोर्ट और घरेलू आर्थिक गतिविधियों में मजबूती भारत की ग्रोथ को आगे बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रही है. ऐसे में आने वाले समय में भी भारत की आर्थिक स्थिति पर दुनिया के बड़े निवेशकों और आर्थिक संस्थानों की नजर बनी रहेगी।

चार सालों से डिजिटल मीडिया में काम कर रहे हैं। राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय डेस्क की भी जिम्मेदारी संभालते हैं। सेंट्रल यूनिर्वसिटी ऑफ साउथ बिहार से 2022 में पत्रकारिता एवं जनसंचार में स्नातक की डिग्री हासिल की। राजनीति, चुनाव, सामाजिक विषयों और साहित्य में रुचि है। तथ्यों की गहराई और भाषा की संवेदनशीलता पर जोर देते हैं। राजनीति से जुड़ी खबरों पर लगातार लिख रहे हैं।

एनएसई आईपीओ के लिए 1,700 से 1,785 प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय

-निवेशक 17 से लगा सकेंगे बोली, सब्सक्रिप्शन की अवधि 21 सितंबर तक रहेगी

नई दिल्ली।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के बहुप्रतीक्षित आईपीओ को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। एक्सचेंज ने आईपीओ के लिए 1,700 से 1,785 प्रति शेयर का प्राइस बैंड तय किया है। आईपीओ में एक लॉट में आठ शेयर होंगे। इस हिसाब से अपर प्राइस बैंड पर रिटेल निवेशक को एक लॉट के लिए कम से कम 14,280 लगाने होंगे। एनएसई आईपीओ के लिए निवेशक 17 सितंबर से बोली लगा सकेंगे। आईपीओ में सब्सक्रिप्शन की अवधि 21 सितंबर तक है। वहीं, एंकर निवेशकों के लिए बोली प्रक्रिया 16 सितंबर तक होगी।आईपीओ में शेयरों का अलॉटमेंट 22 सितंबर को फाइनल हो सकता है। इसके बाद एनएसई के शेयरों की लिस्टिंग 24 सितंबर को प्रस्तावित है। एनएसई के शेयर बीएसई पर लिस्ट होंगे। आईपीओ में योग्य संस्थागत खरीदारों के लिए 50फीसदी हिस्सा आरक्षित रखा गया है। वहीं, 35फीसदी हिस्सा रिटेल निवेशकों और बाकी 15फीसदी हिस्सा नॉन-इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स के लिए रखा है। आईपीओ की बुक-रनिंग प्रक्रिया के लिए कोटक महिंद्रा केपिटल को लीड मैनेजर नियुक्त किया है। वहीं एमयूएफजी इनटाइम इंडिया लिमिटेड इश्यू का रजिस्ट्रार है।ग्रे मार्केट में एनएसई के शेयरों को फिलहाल अच्छा प्रीमियम मिल रहा है। शुक्रवार सुबह करीब 7-30 बजे एनएसई शेयर का ग्रे मार्केट भाव 2,007 था। यह आईपीओ के अपर प्राइस बैंड 1,785 से करीब 222 ज्यादा है यानी ग्रे मार्केट में एनएसई आईपीओ का जीएमपी करीब 222 या 12.4फीसदी था। हालांकि, ग्रे मार्केट प्रीमियम अनौपचारिक संकेतक होता है और इसमें लिस्टिंग के समय वास्तविक प्रदर्शन की गारंटी नहीं होती।

एनएसई का आईपीओ पूरी तरह ऑफर फॉर सेल होगा। मौजूदा शेयरधारक इस इश्यू के तहत अधिकतम 12.64 करोड़ इक्विटी शेयर बेचेंगे। पहले ओएफएस के तहत 14.9 करोड़ शेयर बेचने की योजना थी। ऑफर का आकार घटने के साथ एनएसई आईपीओ का कुल इश्यू साइज भी पहले के अनुमान से कम हो गया है। शुरुआती तौर पर आईपीओ का आकार करीब 30,000 करोड़ रहने का अनुमान था। ओएफएस में कंपनी को नए शेयर जारी करके पैसा नहीं मिलेगा। इसके बजाय मौजूदा शेयरधारक अपने शेयर बेचकर आईपीओ के जरिए हिस्सेदारी कम करेंगे।

घरेलू बाजार में सोने और चांदी में गिरावट

मुम्बई ।

घरेलू बाजार में शुक्रवार को सोने में 1,571 रुपये और चांदी में 2,530 की गिरावट आई है। ये गिरावट ब्याज दरों में बढ़ोतरी के कारण आई है।

इसके अलावा अमेरिका-ईरान संघर्ष के कारण बढ़ी थोक ऊर्जा कीमतों से उपजे मुद्रास्फीति के दबाव और फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में बढ़ोतरी की बढ़ती आशंका से भी वैश्विक बाजारों में गिरावट दर्ज की गयी है। उत्पादक मूल्य सूचकांक (पीपीआई) के आंकड़े आने के बाद, अगले सप्ताह फेडरल रिजर्व द्वारा 25 बेसिस अंक की ब्याज दर बढ़ोतरी की संभावना 61फीसदी से बढ़कर लगभग 71फीसदी हो गई है। इसी कारण निवेशक सोने-चांदी से दूर हो गये।

घरेलू वायदा बाजार, मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के अक्टूबर अनुबंध में 1,217 रुपये की बड़ी गिरावट देखी गई और यह 1,51,124 रुपये प्रति दस ग्राम पर कारोबार कर रहा था। सुबह बाजार खुलने पर यह अनुबंध 1,571 रुपये की गिरावट के साथ 1,50,770 रुपये के भाव पर खुला था, जबकि इसका पिछला बंद भाव 1,52,341 रुपये था। दिन के कारोबार में इसने 1,51,175 रुपये का उच्च और 1,50,695 रुपये का निचला स्तर छुआ।

भारत के व्यापार नियमों पर अमेरिका-यूरोपीय संघ ने जताई गहरी चिंता

वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला से जुड़ने के प्रयासों पर नकारात्मक प्रभाव की आशंका

नई दिल्ली ।

भारत के दो सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार, अमेरिका और यूरोपीय संघ ने देश के नियामक और गैर-शुल्क व्यापार बाधाओं पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उनका कहना है कि ये बाधाएं भारत के आर्थिक उदारीकरण और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में एकीकरण के प्रयासों को कमजोर कर रही हैं। विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) में भारत की आठवीं व्यापार नीति समीक्षा के दौरान इन चिंताओं को प्रमुखता से उठाया गया।

उठाई गई प्रमुख चिंताओं में उच्च टैरिफ, सैनिटरी एवं फाइटोसैनिटरी (एसपीएस) उपाय, व्यापार के लिए तकनीकी बाधाएं (टीबीटी), गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ), सेवाओं और डिजिटल व्यापार पर प्रतिबंध, स्थानीय सामग्री की आवश्यकताएं और सरकारी खरीद में बाधाएं शामिल हैं।

अमेरिका ने भारत सरकार के व्यापार समझौतों को आगे बढ़ाने के प्रयासों की सराहना की, लेकिन साथ ही शुल्कों में भारी कटौती करने, गैर-जरूरी एसपीएस एवं टीबीटी उपायों को हटाने, सेवाओं एवं डिजिटल व्यापार में बाधाएं खड़ी करने से बचने और विदेशी निर्यातकों व निवेशकों के साथ भेदभाव करने वाले नियमों को वापस लेने के लिए और कदम उठाने का आग्रह किया।

यूरोपीय संघ ने सीमा शुल्क की अनिश्चित प्रक्रियाओं, बोझिल एसपीएस आवश्यकताओं, बौद्धिक संपदा अधिकारों की सुरक्षा में कमियों और सरकारी खरीद तक पहुंच को सीमित किए जाने पर चिंता जताई। यूरोपीय संघ ने गुणवत्ता नियंत्रण आदेशों (क्यूसीओ) के बढ़ते उपयोग पर विशेष ध्यान दिया, यह कहते हुए कि ये घरेलू मानकों पर आधारित हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर से अलग व अनुपालन करने में मुश्किल हैं। यूरोपीय संघ ने चेतावनी दी कि इससे भारतीय बाजार के दुनिया की अर्थव्यवस्था से और अधिक अलग-थलग होने और आर्थिक प्रगति के पलटने का खतरा है।

फूड सेफ्टी विभाग ने ब्लिंकइट और ज़ेप्टो के डार्क स्टोर पर मारे छापे

गंदगी व एक्सपायर्ड फूड आइटम मिले, 100 किलो पैकेट किए नष्ट, सेम्पल लैब भेजे

जयपुर, ।

घरों पर राशन और खाने-पीने का सामान पहुंचाने का दावा करने वाली ऐप-आधारित कंपनियों- ब्लिंकइट और ज़ेप्टो की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं। राजस्थान के जयपुर में फूड सेफ्टी टीमों ने ब्लिंकइट और ज़ेप्टो के डार्क स्टोर की जांच की और वहां एक्सपायर हो चुके और गलत तरीके से रखे खाने-पीने के सामान पाए गए। इस कार्रवाई के तहत एक्सपायर सामान को नष्ट किया गया, सैंपल लिए गए और साफ-सफाई व स्टोरेज से जुड़ी कमियों को ठीक करने के निर्देश दिए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इसके बाद अधिकारियों ने हजारों डेयरी पैकेट नष्ट कर दिए और लैब टेस्टिंग के लिए सैंपल लिए। ये छापेमारी फूड सेफ्टी विभाग की एक सेंट्रल टीम ने कंपनियों के डार्क स्टोर पर की, जो होम डिलीवरी के लिए हब का काम करते हैं। अधिकारियों ने बताया कि जांच के दौरान डेयरी प्रोडक्ट के करीब 2,350 पैकेट और बड़ी मात्रा में खराब फूड आइटम मौके पर ही नष्ट कर दिए गए। जगतपुरा में जेप्टो के डार्क स्टोर पर, इंस्पेक्टरों को दूध, दही और छाछ के लगभग 1,550 पैकेट मिले, जिन्हें तय तापमान पर नहीं रखा गया था। नतीजतन, सारस और अमूल डेयरी प्रोडक्ट के करीब 1,550 पैकेट नष्ट कर दिए गए। इंस्पेक्टरों को 7 किलो एक्सपायर्ड फूड आइटम भी मिले, जिनमें म्यूसली, कैंडी और भुजिया शामिल थे। इसके अलावा करीब 100 किलो खराब फूड प्रोडक्ट, जिन पर बिक्री के लिए नहीं लिखा था, हटाकर नष्ट कर दिए गए।निरीक्षण टीम ने डार्क स्टोर और कोल्ड रूम एरिया के आसपास पान मसाला और ज़र्दा थूकने के निशान भी देखे। अधिकारियों ने स्टोर मैनेजमेंट को तुरंत साफ-सफाई और स्टोरेज के तरीकों में सुधार करने का निर्देश दिया। स्टोर मैनेजर की मौजूदगी में पीनट बटर और शहद के सैंपल लिए गए और टेस्टिंग के लिए सेंट्रल लैब भेजे गए।टीम ने आदर्श नगर में ब्लिंकइट के एक डार्क स्टोर का निरीक्षण किया, जहां उन्हें डेयरी उत्पादों के करीब 800 पैकेट और साथ ही बड़ी मात्रा में खराब और एक्सपायर हो चुके खाद्य पदार्थ मिले। जांच के दौरान अधिकारियों को खराब या एक्सपायर हो चुके स्टॉक मिले, जिनमें अमूल बटर के 24 पैकेट, बॉम्बे बंटा जूस की 60 बोतलें, कम फैट वाले दूध के 11 पाउच, ट्रॉपिकाना जूस, गाय का घी और लगभग 1,400 मिलीलीटर अमूल टोन्ड मिल्क शामिल थे।

त्योहारों पर लोगों को मिल सकती है चीनी के दामों में राहत, सरकार ने की तैयारी

करीब 2.5 लाख टन रिफाइंड चीनी बाजार में आने से कीमतों में आएगी नरमी

नई दिल्ली, ।

आगामी त्योहारों के दौरान मिठाइयों की मांग बढ़ने के साथ ही घरों में चीनी की खपत भी बढ़ जाती है। ऐसे समय में चीनी की कीमतों में तेजी आम लोगों का बजट बिगाड़ रही है। चीनी और सब्जियों समेत कई जरूरी खाद्य वस्तुओं की बढ़ती कीमतों के बीच अब सरकार और चीनी रिफाइनरियां घरेलू बाजार में आपूर्ति बढ़ाने की तैयारी कर रही है। इसके तहत करीब 2.5 लाख टन रिफाइंड चीनी बाजार में उतारने की तैयारी है। माना जा रहा है कि अतिरिक्त स्टॉक उपलब्ध होने से आने वाले दिनों में चीनी की कीमतों में नरमी आ सकती है।

रिफाइंड चीनी को आम तौर पर वही सफेद और चमकदार चीनी माना जाता है, जिसका इस्तेमाल घरों में चाय, मिठाई और अन्य खाद्य पदार्थों में किया जाता है। इसे कच्ची चीनी यानी रॉ शुगर या गन्ने के रस से कई प्रक्रियाओं के जरिए तैयार किया जाता है। रिफाइनिंग के दौरान अशुद्धियों को हटाकर चीनी को साफ और खाने योग्य बनाया जाता है। देश में कई चीनी रिफाइनरियां बंदरगाहों के आसपास स्थित हैं, जहां कच्चा माल बाहर से मंगाया जाता है। इसके बाद उसे कई प्रक्रियाओं से गुजारकर सफेद रिफाइंड चीनी तैयार की जाती है और घरेलू बाजार में बिक्री के लिए भेजा जाता है।

रिपोर्ट के मुताबिक चीनी की कीमतों को लेकर राहत की उम्मीद इसलिए भी बढ़ी है क्योंकि थोक बाजार में इसके भाव पहले की तुलना में नीचे आए हैं। कुछ समय पहले मिल से निकलने वाली चीनी की कीमत करीब 67 से 70 रुपए प्रति किलो तक पहुंच गई थी। अब एक्स-मिल और थोक बाजार में इसके भाव घटकर करीब 45 से 55 रुपए प्रति किलो के बीच आ गए हैं। हालांकि, थोक बाजार में आई इस गिरावट का असर फिलहाल खुदरा बाजार में पूरी तरह दिखाई नहीं दे रहा है। उपभोक्ताओं को अभी भी दुकानों पर चीनी 60 से 65 रुपए प्रति किलो के भाव में मिल रही है।

यदि बाजार में अतिरिक्त 2.5 लाख टन रिफाइंड चीनी की आपूर्ति होती है और उपलब्ध स्टॉक बढ़ता है, तो आने वाले दिनों में खुदरा कीमतों में भी कमी आ सकती है।

त्योहारों से पहले कीमतों में यह संभावित गिरावट आम लोगों के घरेलू बजट के लिए राहत लेकर आ सकती है।

फंड फ्लो में गिरावट से एएमसी शेयरों पर नुवामा का भरोसा बढ़ा, रिटर्न की उम्मीद

निप्पॉन लाइफ इंडिया एसेट मैनेजमेंट में अगस्त में 2,850 करोड़ का शुद्ध निवेश आया

नई दिल्ली, ।

म्युचुअल फंड में निवेशकों का पैसा आना जारी है। अगस्त में इक्विटी म्युचुअल फंड में आने वाला पैसा बढ़ा है और एसआईपी के जरिए निवेश भी नए रिकॉर्ड पर पहुंच गया। हालांकि इस बीच एचडीएफसी एएमसी और निप्पॉन लाइफ इंडिया एसेट मैनेजमेंट में आने वाले निवेश में गिरावट देखने को मिली है। दोनों कंपनियों में अगस्त में आया शुद्ध निवेश जुलाई के मुकाबले करीब 11 फीसदी घट गया। इसके बावजूद ब्रोकरेज फर्म नुवामा को दोनों कंपनियों के शेयरों पर भरोसा है। ब्रोकरेज ने एचडीएफसी एएमसी और निप्पॉन एएमसी दोनों पर खरीदारी की राय बरकरार रखी है। इतना ही नहीं, नुवामा ने एसेट मैनेजमेंट कंपनियों में इन दोनों को अपनी पहली पसंद में भी रखा है।

अगस्त में एचडीएफसी एएमसी में 2,420 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश आया। जुलाई के मुकाबले यह 11.4 फीसदी कम है। कुल निवेश में कंपनी का हिस्सा भी घटा है। अगस्त में यह 1.40 फीसदी अंक घटकर 7.7 फीसदी रह गया। हाल के महीनों के मुकाबले यह कमजोर आंकड़ा है। हालांकि नुवामा का मानना है कि इस गिरावट को केवल एचडीएफसी एएमसी की परेशानी के तौर पर नहीं देखना चाहिए। बड़ी और पहले से बाजार में मजबूत पकड़ रखने वाली एसेट मैनेजमेंट कंपनियों में आने वाले निवेश की रफ्तार कुछ धीमी हुई है। एचडीएफसी एएमसी में आई गिरावट भी इसी का हिस्सा है। निप्पॉन लाइफ इंडिया एसेट मैनेजमेंट में अगस्त के दौरान 2,850 करोड़ का शुद्ध निवेश आया।

जनजातीय हितों से जुड़े मामलों में करें समयबद्ध समाधान : आशा लकड़ा

बिभा संवाददाता

जमशेदपुर । राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग की सदस्य डॉ आशा लकड़ा की अध्यक्षता में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान जमशेदपुर में शुक्रवार को समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

बैठक में डॉ आशा लकड़ा ने संबंधित अधिकारियों से आवश्यक जानकारी लेते हुए जनजातीय हितों से जुड़े मामलों के समयबद्ध समाधान के लिए दिशा-निर्देश दिया।

इसके पूर्व आयोग की सदस्य ने एनआईटी में अध्ययनरत जनजातीय छात्र-छात्राओं से संवाद किया। उन्होंने विद्यार्थियों की पढ़ाई, समस्याओं, आवश्यकताओं और भविष्य की आकांक्षाओं की जानकारी ली। विद्यार्थियों ने भी अपनी समस्याएं और सुझाव उनके समक्ष रखा। डॉ लकड़ा ने उनकी बातों को गंभीरता से सुनते हुए आवश्यक पहल और समाधान करने का आश्वासन दिया।

उन्होंने कहा कि शिक्षा और तकनीकी ज्ञान युवाओं के सशक्तिकरण और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जनजातीय विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर अवसर उपलब्ध कराना आयोग की प्राथमिकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को मेहनत, अनुशासन और दृढ़ संकल्प के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। बैठक में जनजातीय कर्मचारियों की समस्याओं, आरक्षण रोस्टर, कल्याणकारी योजनाओं और उनके प्रभावी क्रियान्वयन की स्थिति पर विस्तार से चर्चा हुई।

बैठक में आयोग के पदाधिकारियों के साथ एनआईटी जमशेदपुर के निदेशक प्रोफेसर डॉ गौतम सूत्रधार और संस्थान के वरिष्ठ अधिकारी सहित अन्य लोग मौजूद थे।

मतदाता सूची पुनरीक्षण: अन्य राज्यों से जारी दस्तावेज भी होंगे मान्य: मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी

बिभा संवाददाता

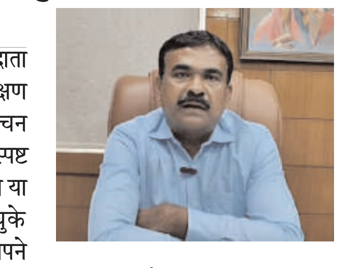

रांची: झारखंड में चल रहे मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (रक्फ़) को लेकर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार ने स्पष्ट किया है कि अन्य राज्यों में जन्मे या पूर्व में वहां निवास कर चुके मतदाता सत्यापन के लिए अपने मूल राज्य से जारी वैध दस्तावेज प्रस्तुत कर सकते हैं। इसके लिए दस्तावेजों का केवल झारखंड से ही निर्गत होना अनिवार्य नहीं है।

उन्होंने बताया कि मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए भारत का नागरिक होना, संबंधित क्षेत्र का सामान्य निवासी होना और अर्हता तिथि (1 अक्टूबर 2026) को 18 वर्ष की आयु पूरी करना आवश्यक शर्तें हैं। यदि किसी मतदाता को दावा-आपत्ति अथवा सुनवाई के दौरान नोटिस मिला है, तो वे जन्म स्थान, आयु या पारिवारिक संबंध के सत्यापन हेतु अपने संबंधित राज्य से निर्गत वंशावली, पारिवारिक सूची, खतियान, शैक्षणिक प्रमाण पत्र या निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित अन्य मान्य दस्तावेज पेश कर सकते हैं।

के. रवि कुमार ने संबंधित निर्वाचन निबंधन पदाधिकारियों (ईआरओ) को निर्देश दिया कि वे नियमानुसार दस्तावेजों की निष्पक्ष जांच करें ताकि कोई भी पात्र भारतीय नागरिक मताधिकार से वंचित न रहे और किसी भी अपात्र या विदेशी व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में दर्ज न हो सके। साथ ही, उन्होंने नोटिस प्राप्त मतदाताओं से तय समय पर सुनवाई में शामिल होकर दस्तावेज प्रस्तुत करने की अपील की।

संक्षिप्त खबरें

धनबाद स्टेशन पर रेलवे का सघन टिकट जांच अभियान में 61 यात्रियों से धराए, वसूला जुर्माना

धनबाद(बिभा) : पूर्व मध्य रेल के धनबाद मंडल में बेटिकट और अनियमित यात्रा पर अंकुश लगाने के लिए बड़े पैमाने पर टिकट जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में धनबाद स्टेशन पर विशेष जांच दस्ते और स्लीपर एल.आर. चेकिंग स्टाफ द्वारा संयुक्त रूप से सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान बिना टिकट, बिना उचित प्राधिकार और बिना बुक किए गए सामान के साथ यात्रा करते हुए कुल 61 यात्रियों को पकड़ा गया। पकड़े गए यात्रियों से जुमार्ने के रूप में कुल 26,180 की राशि वसूल की गई। साथ ही, सभी को भविष्य में उचित और वैध टिकट लेकर ही यात्रा करने की कड़ी हिदायत दी गई। रेलवे द्वारा लगातार चलाए जा रहे इस अभियान के असर से स्टेशन के अनारक्षित टिकट काउंटरों पर टिकट खरीदने वाले यात्रियों की खासी भीड़ देखी गई। रेल प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह जांच अभियान आगे भी निरंतर जारी रहेगा। धनबाद मंडल ने आम यात्रियों से अपील की है कि वे हमेशा वैध टिकट लेकर ही प्लेटफॉर्म पर प्रवेश करें और जिस श्रेणी का टिकट हो, उसी श्रेणी में यात्रा सुनिश्चित करें।

बांकी से महाबुआंग तक पक्की सड़क से बदली तस्वीर: 3,125 ग्रामीणों की राह हुई आसान, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को मिली गति

सिमडेगा(बिभा): मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना (एमएमजीएसवाई) के तहत सिमडेगा जिला प्रशासन के प्रयासों से बानो प्रखंड के सुदूरवर्ती गांवों को पक्की सड़क संपर्क से जोड़ दिया गया है। ग्रामीण कार्य प्रमंडल, सिमडेगा द्वारा बांकी से महाबुआंग तक कुल 7.8 किलोमीटर लंबी सड़क का निर्माण कार्य सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। यह सड़क गंझूटोली, बुधवाटोली, कमलाबेरा, कमपुंडा, बहादा और हेलगढ़ा स्कूल होते हुए महाबुआंग तक जाती है। पहले इस कच्चे व जर्जर मार्ग के कारण स्थानीय ग्रामीणों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। निर्माण के दौरान विभागीय कनीय, सहायक एवं कार्यपालक अभियंताओं द्वारा नियमित गुणवत्ता जांच और निगरानी सुनिश्चित की गई। इस नई पक्की सड़क के बनने से क्षेत्र के लगभग 3,125 ग्रामीणों को सीधा लाभ मिला है। अब ग्रामीणों की बानो प्रखंड मुख्यालय और राष्ट्रीय राजमार्ग तक पहुंच बेहद सुगम हो गई है। इससे स्कूली बच्चों को स्कूल जाने, मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाने और स्थानीय किसानों को अपनी उपज (धान, सब्जियां व फल) बाजार तक ले जाने में बड़ी सुविधा मिल रही है। यह सड़क क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और रोजगार के अवसरों को गति देने में अहम साबित हो रही है।

निर्माण कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा : उपायुक्त

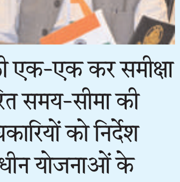

दुमका(बिभा) : उपायुक्त अभिजीत सिन्हा की अध्यक्षता में विशेष प्रमंडल, भवन प्रमंडल, आरईओ, एनआरईपी, सिंचाई, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग (पीएचईडी) सहित अन्य अभियंत्रण विभागों के वरीय पदाधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित निर्माण कार्यों की एक-एक कर समीक्षा की गई तथा कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता और निर्धारित समय-सीमा की जानकारी ली गई। उपायुक्त ने सभी संबंधित पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि आमजनों के लिए संचालित एवं निमार्णाधीन योजनाओं के कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखने, निर्धारित मानकों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने तथा सभी कार्यों को तय समय-सीमा के भीतर पूर्ण करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि योजनाओं का लाभ आमजनों तक समय पर पहुंचे, इसके लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और निर्माण कार्यों की नियमित रूप से निगरानी सुनिश्चित करें।

प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर झारखंड के हर घर में जलेंगे दीप, भाजपा चलाएगी सेवा अभियान

बिभा संवाददाता

रांची। झारखंड भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में राज्य भर में व्यापक सेवा अभियान चलाने की घोषणा की है। इस विशेष अवसर पर राज्य के हर घर के दरवाजे और मंदिरों में प्रधानमंत्री के लिए आशीर्वाद के दीप जलाए जाएंगे।

इसके साथ ही सांगठनिक मंडलों के गांवों को विशेष रूप से सजाया जाएगा। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य उत्सव और सेवा भाव के साथ आम जनता तक पहुंचाना है। साहू भाजपा प्रदेश कार्यालय में शुक्रवार को प्रेस वार्ता में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि आगामी कार्यक्रमों की विस्तृत रूपरेखा साझा की। उन्होंने बताया कि 17 सितंबर को भारतीय जनता युवा मोर्चा की ओर से सभी जिला मुख्यालयों में विशाल रक्तदान

शिविर का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद 21 और 29 सितंबर से 'आंगन मिलन सेवा', 'वाराणसी सेवा यात्रा' और 'सेतु अभियान' की शुरूआत होगी। कार्यक्रमों की इस श्रृंखला में 'सेवा के रंग' के तहत विभिन्न स्थानों पर रंगोलियां बनाई जाएंगी और कार्यकताओं की ओर से पीएम मोदी के शासन के 25 साल पर 25 कहानियां' लिखकर उनके सेवा कार्यों का वर्णन किया जाएगा।

आदित्य साहू ने 2014 से पहले की देश की स्थिति को दयनीय बताते हुए कहा कि उस समय घोटालों का बोलबाला था और गरीब एवं किसान बुनियादी सुविधाओं के लिए तड़पते थे। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी ने अपनी सही नीति और नीयत से देश में विकास की एक मजबूत श्रृंखला खड़ी की है। गुजरात भूकंप के दौरान मुख्यमंत्री के रूप में उनके कार्यों और वर्तमान में जम्मू-कश्मीर में हो रहे चौतरफा विकास का उल्लेख करते हुए साहू ने वैश्विक स्तर पर भारत का मान बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री के प्रयासों की जमकर सराहना की।

प्रदेश अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री की निरंतर कार्यक्षमता को ईश्वर की असीम कृपा बताते हुए कहा कि पिछले 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन में वे एक दिन भी बीमार नहीं पड़े हैं और अनवरत काम कर रहे हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि 'सबका साथ, सबका विकास और सबका प्रयास' के मूल मंत्र से देश बिना किसी भेदभाव के आगे बढ़ रहा है। भाजपा के इन सभी सेवा अभियानों का अंतिम लक्ष्य प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप वर्ष 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को धरातल पर उतारना है।

प्रेसवार्ता में प्रदेश महामंत्री मनोज सिंह और मीडिया प्रभारी योगेंद्र प्रताप सिंह भी उपस्थित थे।

पूर्वी रेलवे के माल लदान में 4.67% और राजस्व में 8.35% की बढ़ोतरी, कोयला परिवहन रहा मुख्य आधार

बिहान भारत

कोलकाता: पूर्वी रेलवे ने महाप्रबंधक गीतिका पांडेय के नेतृत्व में चालू वित्त वर्ष के दौरान 31 अगस्त 2026 तक माल ढुलाई और राजस्व संग्रह में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है। इस अवधि में पूर्वी रेलवे का कुल माल लदान पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 39.76 मिलियन टन से 4.67% बढ़कर 41.62 मिलियन टन पर पहुंच गया। इसके साथ ही माल ढुलाई से अर्जित आय 8.35% (?304.83 करोड़) की वृद्धि के साथ ?3,651.56 करोड़ से बढ़कर ?3,956.40 करोड़ दर्ज की गई।

प्रमुख मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक डॉ. उदय शंकर झा की ग्राहक-केंद्रित रणनीतियों के तहत कुल लदान में कोयला परिवहन का दबदबा रहा, जिसकी कुल माल लदान में 68.43% हिस्सेदारी रही। कोयला लदान में 10.44% की वृद्धि के साथ 28.48 मिलियन टन ढुलाई हुई, जिससे होने वाली आय 18.47% के उछाल के साथ ?2,764.56 करोड़ तक पहुंच गई। इसके अलावा लौह अयस्क लदान में 45.31%, खाद्यान्न में 42.99% और क्लिंकर में 1.40% की उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की गई। कुल पोर्टफोलियो में सीमेंट 5.63%, लोहा एवं इस्पात 4.65% और उर्वरक की 1.71% भागीदारी रही।

पूर्वी रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिवराम माझी ने कहा कि यह वृद्धि कुशल परिचालन योजना, परिसंपत्तियों के अनुकूलतम उपयोग और औद्योगिक मांग के अनुरूप दी गई सेवाओं का परिणाम है। उन्होंने दोहराया कि रेलवे पश्चिम बंगाल, झारखंड और बिहार में फैली औद्योगिक आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाए रखने और सेवाओं को प्रतिस्पर्धी व विश्वसनीय बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक ने किया दानापुर, डीडीयू और धनबाद मंडल के स्टेशनों का सघन निरीक्षण; सांसदों से की रेल सुविधाओं पर चर्चा

बिहान भारत

हाजीपुर: पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक डिम्पी गर्ग ने दानापुर, पंडित दीन दयाल उपाध्याय एवं धनबाद मंडल के अंतर्गत विभिन्न रेलवे स्टेशनों का व्यापक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अंकोरहा स्टेशन पर काराकाट सांसद राजा राम सिंह और डाल्टनगंज स्टेशन पर पलामू सांसद विष्णु दयाल राम से मुलाकात कर संबंधित क्षेत्रों में यात्री सुविधाओं के विस्तार पर विचार-विमर्श किया तथा उनके महत्वपूर्ण सुझाव प्राप्त किए।

निरीक्षण की शुरूआत महाप्रबंधक ने जहानाबाद स्टेशन से की, जहां उन्होंने यात्री सुविधाओं व संरक्षा मानकों का जायजा लिया और 'अमृत भारत स्टेशन योजना' के तहत चल रहे पुनर्विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए गुणवत्तापूर्ण निर्माण के निर्देश दिए। इसके बाद गया स्टेशन पहुंचे महाप्रबंधक ने सकुर्लेटिंग एरिया, प्लेटफॉर्म और नवनिर्मित भवनों का मुआयना किया तथा सुरक्षा मानकों के कड़ाई से अनुपालन के साथ कार्य समय पर पूरा करने पर जोर दिया। उन्होंने गया जंक्शन से सोन नगर होते हुए गढ़वा रोड तक 'विंडो ट्रेलिंग' के माध्यम से रेलखंड के ट्रैक अनुरक्षण, संरक्षा और परिचालन व्यवस्था की भी बारीकी से जांच की।

दौरे के क्रम में महाप्रबंधक ने अंकोरहा स्टेशन पर एनटीपीसी के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ स्थानीय विद्युत संयंत्र के लिए रेल कनेक्टिविटी और कोयला ढुलाई से संबंधित मुद्दों पर बैठक की। इसके अलावा धनबाद मंडल के बरवाडीह स्टेशन पहुंचकर उन्होंने संरक्षा और रेल परिचालन तंत्र का निरीक्षण किया।

इस सघन निरीक्षण अभियान के दौरान दानापुर डीआरएम विनोद कुमार, पंडित दीन दयाल उपाध्याय डीआरएम उदय सिंह मीना और धनबाद डीआरएम अखिलेश मिश्र अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में उपस्थित रहे।

घाटशिला स्टेशन पर दो जोड़ी ट्रेनों का ठहराव प्रारंभ, सांसद एवं विधायक ने दिखाई हरी झंडी

बिभा संवाददाता

घाटशिला: घाटशिला क्षेत्र में रेल संपर्क को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के तहत रेलवे बोर्ड द्वारा 11 सितंबर 2026 से घाटशिला स्टेशन पर दो जोड़ी ट्रेनों (गाड़ी संख्या 12859/12860 हावड़ा-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनसझहावड़ा गीतांजलि सुपरफास्ट एक्सप्रेस एवं गाड़ी संख्या 12129/12130 हावड़ा-पुणे-हावड़ा आजाद हिंद एक्सप्रेस) के ठहराव को मंजूरी प्रदान की गई है।

दोनों जोड़ी ट्रेनों के घाटशिला स्टेशन पर ठहराव के प्रारंभ होने के अवसर पर आज घाटशिला स्टेशन पर एक समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सांसद, जमशेदपुर, बिद्युत बरन महतो ने विधायक, घाटशिला, सोमेश चंद्र सोरेन, एवं एक्जीक्यूटिव निदेशक, हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड, उमेश सिंह की उपस्थिति में गाड़ी संख्या 12860 हावड़ा-छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस गीतांजलि सुपरफास्ट एक्सप्रेस को घाटशिला स्टेशन से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह ट्रेन घाटशिला स्टेशन पर अपने प्रथम निर्धारित ठहराव के पश्चात मुंबई के लिए रवाना हुई।

घाटशिला स्टेशन पर इन दोनों महत्वपूर्ण ट्रेनों के ठहराव से घाटशिला एवं आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को बेहतर रेल संपर्क की सुविधा प्राप्त होगी तथा हावड़ा, मुंबई एवं पुणे सहित विभिन्न प्रमुख गंतव्यों के लिए रेल यात्रा अधिक सुविधाजनक होगी।

इस अवसर पर ललित मोहन पांडेय, मंडल रेल प्रबंधक खड़गपुर, के साथ निशांत कुमार, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक खड़गपुर सहित मंडल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

घाटशिला स्टेशन पर इन दोनों जोड़ी ट्रेनों के ठहराव के प्रारंभ होने से क्षेत्र के यात्रियों के आवागमन में सुविधा होगी तथा घाटशिला को मुंबई, पुणे जैसे प्रमुख औद्योगिक गंतव्यों से जोड़ने वाली रेल कनेक्टिविटी को और सुदृढ़ करने में सहायता मिलेगी।

जसीडीह बाईपास रेल लाइन को सीआरएस की मंजूरी: 100 किमी/घंटे की गति से दौड़ेंगी ट्रेनें, इंजन रिवर्सल की समस्या होगी खत्म

बिहान भारत

कोलकाता: पूर्व रेलवे के आसनसोल मंडल अंतर्गत नवनिर्मित 4.905 किलोमीटर लंबी ब्रॉड गेज जसीडीह बाईपास रेल लाइन (देवघर लिंक केबिन से कुमराबाद रोहिणी स्टेशन) पर यात्री एवं माल यातायात परिचालन को रेल संरक्षा आयुक्त गुरु प्रकाश ने विधिवत अनुमति प्रदान कर दी है। 10 सितंबर को मोटर ट्रॉली निरीक्षण व गति परीक्षण के सफल समापन के बाद अधिकतम 100 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से ट्रेनों के संचालन की हरी झंडी दी गई है। लगभग 293.67 करोड़ की स्वीकृत लागत वाली इस परियोजना के तहत कुमराबाद रोहिणी को हॉल्ट से पूर्ण ब्लॉक स्टेशन में तब्दील किया गया है। इसके

अलावा देवघर लिंक केबिन का निर्माण और जसीडीह-बैद्यनाथ धाम रेल लाइन के नीचे से नई लाइन गुजारने के लिए अत्याधुनिक रेल-अंडर-रेल आरसीसी बॉक्स ब्रिज तैयार किया गया है। निर्माण के दौरान कठोर चट्टानों को हटाने के लिए आधुनिक रासायनिक तकनीकों का इस्तेमाल किया गया और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए 3,000 पेड़ व पौधे लगाए गए।

इस बाईपास के चालू होने से आसनसोल से दुमका, बांका और हरलाटांड़ रूट पर चलने वाली मेल/एक्सप्रेस और मालगाड़ियों को अब जसीडीह जंक्शन पर इंजन बदलने (लोकोमोटिव रिवर्सल) की जरूरत नहीं पड़ेगी। इससे ट्रेनों के परिचालन समय में औसतन 35 से 45 मिनट और कुल यात्रा समय में 60 से 90 मिनट तक की सीधी बचत होगी। साथ ही, जसीडीह जंक्शन के प्लेटफॉर्म संख्या 1 पर दबाव कम होगा और ट्रेनों की लेटलतीफी पर प्रभावी लगाम लगेगी।

पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शिबराम माझी ने कहा कि यह रणनीतिक बाईपास लाइन क्षेत्र में निर्बाध रेल कनेक्टिविटी, गतिशीलता और समयपालन सुनिश्चित करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।

कार हटाने को लेकर मारपीट और चेन छिनतई के आरोप में दो युवक गिरफ्तार

बिभा संवाददाता

रांची। रांची के सुखदेवनगर थाना क्षेत्र में कार हटाने को कहने पर मारपीट और सोने की चेन छीनने के मामले में पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों की निशानदेही पर छीनी गई सोने की चेन भी बरामद कर ली गई है।

कोतवाली एएसपी निखिल राय ने शुक्रवार को बताया कि 06 सितंबर को पिंकू कुमार चौधरी अपनी कार से अमरूद बगान स्थित अपने घर जा रहे थे। हरेगोबिंद नर्सिंग होम के पास सड़क पर एक कार और टेंपो खड़ा था। पिंकू ने टेंपो चालक सूरज यादव से वाहन हटाने को कहा। इसी बात को लेकर विवाद हो गया।

आरोप है कि सूरज यादव अपने बेटों रोहित यादव, मोहित यादव और अंशु यादव सहित 4-5 अन्य लोगों को बुलाकर लाया। इसके बाद सभी ने पिंकू के साथ गाली-गलौज और मारपीट शुरू कर दी। जानकारी के मुताबिक जिसके बाद पिंकू ने मौके से भागने की कोशिश की, लेकिन आरोपितों ने उसे घेर लिया और गंभीर रूप से घायल कर दिया।

इसी दौरान उसके गले से सोने की चेन भी छीन ली गई और धमकी देकर वहां से चले जाने को कहा गया। घटना के बाद पिंकू ने सुखदेवनगर थाना में मामला दर्ज कराया। मामले की जांच के लिए सहायक पुलिस अधीक्षक कोतवाली निखिल राय के नेतृत्व में छापेमारी टीम बनाई गई। पुलिस ने 10 सितंबर की रात कार्रवाई करते हुए मोहित कुमार और राजेन्द्र महली को उनके घर से गिरफ्तार किया। पुलिस ने मोहित कुमार की निशानदेही पर उसके घर से छीनी गई सोने की चेन बरामद कर ली। पुलिस के अनुसार, मामले में शामिल अन्य आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

बिहान भारत की ओर से स्वात्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक **संजय कुमार** के लिए वाटिका अपार्टमेंट,भोसले गली,हरिहर सिंह रोड,बरियातू,रांची-834009(झारखंड) दूरभाषः 7761060594, 7004767601 से प्रकाशित तथा शिवा साई पब्लिकेशन प्रा.लि. (एसएच प्रिंटर प्रा.लि.), काठीटांड रातु, नियर टेंडर बगीचा, एचपी पेट्रोल पंप, रातु, रांची - 835222 झारखंड से मुद्रित। समस्त दीवानी विवाद, न्यायोचित कार्रवाई एवं दंडित परिवादो के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। **संपादक : कविता साहू**(*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)। **प्रबंध संपादक : बीरेन्द्र महली** ।
Email-bihanbharat@gmail.com, bihanbharatranchinews@gmail.com